11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 217 पटना (बिहार) रविवार, 08 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

चुनाव आयोग के पास कुछ छिपाने को नहीं है तो वो मेरे सवालों का जवाब दे : राहुल गांधी

दिल्ली व्यूरो

नई दिल्लीः लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर फिर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। मध्यस्थों के जरिए बिना हस्ताक्षर के, टाल-मटोल करने वाले नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। अगर चुनाव आयोग के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें कि महाराष्ट्र चुनाव में हेराफेरी नहीं की गई।

चुनाव आयोग पर राहुल का डबल अटैक ःराहुल गांधी ने शनिवार को एक अंग्रेजी और हिंदी अखबार में लेख लिखकर बीजेपी और चुनाव आयोग पर 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया था। राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची को लेकर जो आरोप लगाए जा रहे हैं, वे कानून का अपमान है। चुनाव आयोग ने बताया कि उन्होंने 24 दिसंबर 2024 को कांग्रेस पार्टी को इस बारे में जवाब दिया गया था। वह जवाब एउक की वेबसाइट पर मौजूद है। एउकका कहना है कि ऐसा लगता है कि इन तथ्यों को बार-बार अनदेखा किया जा रहा

है और फिर से वही मुद्दे उठाए जा रहे हैं।

मतदाता सूची, सीसीटीवी फुटेज जारी करने की चुनौती दी ःचुनाव आयोग की सफाई आने के बाद भी राहुल गांधी नहीं रुके और निर्वाचन आयोग को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। राहुल गांधी एक्स पर लिखा, 'प्रिय चुनाव आयोग, आप एक संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों के जरिए बिना हस्ताक्षर के, टाल-मटोल करने वाले नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें कि महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभा के सबसे हालिया चुनावों के लिए समेकित, डिजिटल, मशीन-पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करें। महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों से शाम 5 बजे के बाद की सभी सीसीटीवी फुटेज जारी करें। टाल-मटोल करने से आपकी विश्वसनीयता सुरक्षित नहीं रहेगी। सच बोलने से आपकी विश्वसनीयता सुरक्षित रहेगी।'

बीजेपी ने राहुल गांधी को हताश, निराश बताया ःराहुल गांधी के आरोप पर बीजेपी ने भी पलटवार किया। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राहुल गांधी का लेख ह्यफर्जी विमर्श गढ़ने का एक ब्लूप्रिंट है, क्योंकि वह लगातार चुनाव हारने से दुखी और हताश हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यवह इसे चरण दर चरण इस प्रकार करते हैं। चरण 1ः कांग्रेस पार्टी अपनी हरकतों के कारण चुनाव दर चुनाव हारती है। चरण 2ः आत्मनिरीक्षण करने के बजाय, वह विचित्र षड्यंत्र रचते हैं और धांधली का रोना रोते हैं। चरण 3ः सभी तथ्यों और आंकड़ों की अनदेखी करते हैं। चरण 4ः बिना सबूत के साथ संस्थाओं को बदनाम करते हैं।

बीजेपी अध्यक्ष ने कहा, चरण 5ः तथ्यों की अपेक्षा सुर्खियों की उम्मीद करना। बार-बार पोल खुलने के बावजूद, वह बेशर्मी से झूठ फैलाते रहते हैं। और, वह ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि बिहार में उनकी हार निश्चित है। नड्डा ने कहा कि लोकतंत्र को नाटक की नहीं, बल्कि सच्चाई की जरूरत है।

बिहार चुनाव से पहले लालू यादव के 'जिन्न' की चर्चा, क्या राहुल गांधी ने स्वीकार की अभी से हार

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः राज्य के दौरे पर आए राहुल गांधी ने मैच फिक्सिंग की बात कह कर एक नया विवाद छेड़ दिया है। आम तौर पर चुनाव आयोग पर हारने वाली पार्टी तरह तरह टिप्पणी करती रही है। पर इस नए विवाद में एक बार फिर चुनावी जिन्न की चर्चा निकल पड़ी है। और यह चर्चा हमलावर अंदाज में राज्य के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुरू कर दी है। क्या कहा उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने। जानते हैं ...। राहुल स्वीकार की हार ःउपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि चुनाव आयोग पर आरोप वही लगाते हैं जो हारते हैं या हार की संभावना दिखती है। राहुल गांधी ने चुनाव में ₹मैच फिक्सिंग₹ की बात कर एक तरह से आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी हार मान ली है। ऐसा इसलिए कि राहुल गांधी ने आयोग पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया है। इस बार की यात्रा में राहुल गांधी ने स्वीकार कर लिया कि बिहार में कांग्रेस गठबंधन का सूपड़ा साफ होने वाला है, इसलिए मुंह छिपाने के लिए अभी से मैच फिक्सिंग का फर्जी नैरेटिव बना रहे हैं। मैच फिक्सिंग का मास्टर कांग्रेस ःउपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि असल में मैच फि क्सिंग तो कांग्रेस के शासन काल में होती थी, जब मुख्य चुनाव आयुक्तों के पद से रिटायर होने के बाद सत्तारूढ़ दल के प्रति वफादारी का पुरस्कार तुरंत दिया जाता था। राहुल गांधी बताएं कि 1967 से 2009 तक कांग्रेस राज में जो 7 चुनाव आयुक्त हुए, उनमें से 2 पूर्व चुनाव आयुक्तों को

राज्यपाल, 3 पूर्व चुनाव आयुक्तों को पद्म विभूषण और एक पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को केंद्रीय मंत्री बनाना क्या मैच फिक्सिंग का पुरस्कार था? लालू की जिन्न की चर्चा ःउपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी को लालू प्रसाद से पूछना चाहिए कि बिहार में उनके राज में मतपेटी से राजद का जिन्न कैसे निकलता था? कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जहां जनता नकार देती है, वहां वे मैच फि क्सिंग का रोना रोते हैं और चुनाव आयोग पर अनर्गल आरोप लगाते हैं। वे अपनी विजय को ₹लोकतंत्र की जीत₹ और अपनी हार को ₹मैच फि क्सिंग₹ बता कर धोखा देते हैं। राहुल को दी चुनौती ःउप मुख्यमंत्री श्री सम्राट ने कहा कि राहुल गांधी को जनता पर इतना ही भरोसा है। उन्होंने कहा कि यदि जनता पर भरोसा है तो कांग्रेस अपनी सरकारों से इस्तीफा दिलवा कर चुनाव करवाए। बिहार में एनडीए किसी भी समय चुनाव के लिए तैयार है। हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विकास कार्यों पर भरोसा है।

क्या नीतीश ने मंच को बना दिया मनोरंजन का साधन? उट-पटांग हरकत के पीछे का राज

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का इन दिनों एक 'नया चरित्र' सामने आने लगा है। अब वे मंच पर या तो अभिनय कर रहे हैं या फिर मंच को मनोरंजन का साधन समझने लगे हैं। ऐन चुनाव के मौके पर ऐसा करना चुनावी रणनीति का हिस्सा है या लोकप्रियता को बढ़ाने का इल्म? मगर, जो हो वहां मौजूद लोगों के चेहरों पर नीतीश कुमार मुस्कान तो ला ही दे रहे हैं। निशाने पर आए उपमुख्यमंत्री सम्राट ःमौका था शहीद सूरज नारायण स्मृति सभा का। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभा को संबोधित कर रहे थे। अचानक से सीएम नीतीश को सम्राट चौधरी की याद आई। उन्होंने कहा, 'डिप्टी सीएम खड़ा होइए। हमलोगों के पार्टी के डिप्टी सीएम भी आए हुए हैं, खड़ा होइए।' उनका इतना कहना भर था कि वहां मौजूद लोगों के चेहरों पर मुस्कान छा गई। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी खड़े हो गए, मंच के सामने मौजूद लोगों ने

जमकर तालियां बजाई। हालांकि, राजद छोड़ने के बाद सम्राट चौधरी ने जनता दल (यू) की सदस्यता ली थी। फिर सम्राट चौधरी ने भाजपा की सदस्यता ली और प्रदेश अध्यक्ष बने। अब गठबंधन की राजनीति में उपमुख्यमंत्री हैं। अपर मुख्य सचिव के सिर पर रखा गमला ःकुछ दिनों पहले ही एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस. सिद्धार्थ के साथ अजीबोगरीब हरकत कर डाली। दरअसल, अपर मुख्य सचिव सिद्धार्थ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत फूल का पौधा लगे गमले से कर रहे थे। पहले तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भेंट स्वीकार किया और अचानक से 'त्वदीयं वस्तु तुभ्यमेव समर्पित' (तुम्हारी वस्तु तुम्हें ही समर्पित है) के भाव के साथ वो गमला अपर मुख्य सचिव सिद्धार्थ के माथे रख दिया। अपर मुख्य सचिव ने भी सहर्ष स्वीकार किया और आनन-फानन में गमला एक कर्मचारी को सौंप छेप मिटाई। लेकिन प्रोग्राम में मौजूद लोगों को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ये व्यवहार मुस्कुराने लिए बाध्य कर दिया। जब मुख्यमंत्री पहनाने लगे साफा ःमौका था भामाशाह जयंती समारोह का। जदयू कार्यालय में आयोजित भामा शाह की जयंती में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी आमंत्रित थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का स्वागत करने जैसे ही विधान पार्षद ललन सर्राफ आगे बढ़े उनके हाथ से साफा झटक ललन सर्राफ के गर्दन में ही डाल दिया। फिर तो अप्रत्याशित रूप से नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं का ही स्वागत करना शुरू कर दिया। सभी का साफा और गमछा से सीएम स्वागत करने लगे। सीएम ने एक-एक कर विधान पार्षद ललन सर्राफ, जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव, प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, मंत्री सुमित सिंह और एक-एक कर तमाम नेताओं का मुख्यमंत्री ने स्वागत करना शुरू कर दिया। तब सीएम भी मुस्कुरा रहे थे और सभा में उपस्थित लोग भी।

आरोपी व पीएमसीएच कर्मी दोनों समान रूप से दोषी, मिले ऐसी सजा जो बने नजीर : चिराग बोले-

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुर ःमुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी प्रखंड स्थित दरियापुर कफेन गांव में सातवीं कक्षा की छात्रा से दुष्कर्म और इलाज के दौरान हुई उसकी मौत के मामले ने पूरे बिहार को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक घटना को लेकर शनिवार शाम केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान पीड़िता के परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया और इस मामले को लेकर सरकार और प्रशासन पर कड़े सवाल खड़े किए।जगन्नाथपुर गांव पहुंचने पर चिराग पासवान ने कहा कि यह घटना जितनी भयावह है, उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। एक मासूम बच्ची से पहले दुष्कर्म और फिर इलाज के नाम पर लापरवाही ने उसकी जान ले ली। उन्होंने कहा कि हम पीड़ित परिवार का दर्द कम तो नहीं कर सकते, लेकिन इस लड़ाई में हर कदम पर उनके साथ रहेंगे। आरोपी को ऐसी

सजा दिलवाई जाएगी कि भविष्य में कोई भी इस तरह की घिनौनी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुष्कर्म का आरोपी जितना बड़ा अपराधी है, उतने ही दोषी पटना स्थित पीएमसीएच अस्पताल के वे कर्मी भी हैं जिनकी लापरवाही के चलते बच्ची की जान गई। उन्होंने कहा कि एक तरफ बच्ची दुष्कर्म से जूझ रही थी और दूसरी ओर इलाज में कोताही बरती गई। ऐसे चिकित्सीय अमले पर कार्रवाई न हो तो ऐसे हादसे दोहराए जाते रहेंगे। चिराग पासवान ने पीड़िता की मेडिकल जांच में देरी, आरोपी के प्रभाव और पुलिस-प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जब इतनी गंभीर घटना हुई, तब प्रशासन की ओर से तुरंत कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उन्होंने आशंका जताई कि आरोपी और प्रशासन के बीच सांठगांठ हो सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बुलडोजर कार्रवाई और फिर आरोपी का सरेंडर कई सवालों को जन्म देता है, जिनकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। चिराग पासवान ने कहा कि वह इस पूरे मामले को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने रखेंगे और उच्चस्तरीय जांच की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक बच्ची का मामला नहीं है, यह पूरे समाज के सुरक्षा और न्याय व्यवस्था पर सवाल है। घटना पर राजनीति गमार्ते देख चिराग पासवान ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव एक घटना में तो जाते हैं, लेकिन दूसरी को नजरअंदाज करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह रीी्र३५ी ड्ड४३१ी भी संदेह पैदा करता है। चिराग पासवान ने कहा कि क्या आरोपियों को किसी राजनीतिक दल का संरक्षण है?

चिराग पासवान जब पीड़िता के गांव पहुंचे तो उनके साथ भारी संख्या में लोग मौजूद थे। उनके साथ वैशाली की सांसद वीणा देवी सहित कई लोजपा (रामविलास) के नेता भी थे। चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि यह मामला सिर्फ धरना और भाषण तक सीमित नहीं रहेगा। वह इसे बिहार की न्याय व्यवस्था की परीक्षा के रूप में देख रहे हैं और इसके लिए विधानसभा से लेकर संसद तक आवाज उठाएंगे।

पटना में कार सवार चार अपराधी गिरफ्तार, दो पिस्तौल और लाखों की नकदी बरामद;

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना ःपटना जिले के नौबतपुर अनुमंडल अंतर्गत पिपलावा थाना की पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए कार में सवार चार अपराधियों को हथियारों और नकदी के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो पिस्तौल, मैगजीन सहित जिंदा कारतूस और लगभग 3.50 लाख रुपये बरामद किए हैं। इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की सजगता की सराहना हो रही है। फुलवारी डीएसपी टू दीपक कुमार ने इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पिपलावा थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के इरादे से इलाके में प्रवेश कर चुके हैं। सूचना के आधार पर पिपलावा बाजार के पास वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें एक सफेद रंग की कार को जांच के लिए रोका गया।

जैसे ही पुलिस ने वाहन की तलाशी ली, उसमें से दो देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस, मैगजीन और करीब साढ़े तीन लाख रुपये नकद बरामद हुए। इसके साथ ही पुलिस ने चार युवकों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान राजा कुमार और संजीव

कुमार (दोनों मसौढ़ी निवासी), नीतीश कुमार और प्रमोद कुमार (प्रमोद सारण जिले के छपरा का रहने वाला) के रूप में हुई है।

पुलिस सूत्रों की मानें तो प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि ये सभी आरोपी किसी गंभीर आपराधिक घटना को अंजाम देने के इरादे से निकले थे। हालांकि समय रहते पुलिस ने सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए इन्हें पकड़ लिया, जिससे एक बड़ी वारदात टल गई। पुलिस ने चारों आरोपियों के मोबाइल फोन भी जब्त कर लिए हैं, जिनकी तकनीकी जांच की जा रही है ताकि इनके नेटवर्क और आपराधिक पृष्ठभूमि की विस्तृत जानकारी मिल सके। वहीं, पुलिस की एक टीम अपराधियों के निशानदेही पर अन्य संभावित ठिकानों पर छापामारी कर रही है। इस त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। इलाके में असामाजिक तत्वों की बढ़ती सक्रियता को देखते हुए पुलिस की सक्रियता को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया सामने आ रही है। फिलहाल सभी आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है और जल्द ही मामले में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई की जाएगी और अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बक्सर सांसद और रामगढ़ विधायक क्रेडिट खातिर आमने- सामने

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

कैमूरः कैमूर जिले के दुर्गावती प्रखंड स्थित धड़हर पम्प कैनाल शुरू होने वाला है, जिस पर राजद बक्सर सांसद सुधाकर सिंह और रामगढ़ विधायक अशोक सिंह किसानों के बीच क्रेडिट लेने में जुटे हैं कि हमने कैनाल पम्प बनवाया। रामगढ़ भाजपा विधायक अशोक सिंह का दावा है कि मेरी मेहनत की बदौलत धड़हर पंप कैनाल बनकर तैयार हुआ। खरीफ सीजन में किसानों को इससे पानी मिलेगा। उन्होंने कहा कि मैं कथनी नहीं करनी पर विश्वास रखता हूं। दुर्गावती प्रखंड का मामला ःकैमूर जिले के दुर्गावती प्रखंड के दक्षिणी क्षेत्र के किसानों की सिंचाई परियोजना धड़हर पम्प कैनाल अब बनकर तैयार हो गया है। जल्द ही इसका पानी किसानों के खेतों में पहुंचेगा। ये बातें स्थानीय विधायक अशोक कुमार सिंह ने पम्प कैनाल पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में कही। बताया जाता रहा है कि इसे लेकर किसानों की मांग पिछले 5 दशकों से थी, जो अब पूरी हो रही है, 84 क्यूसेक की प्रवाह क्षमता वाली इस परियोजना से दुर्गावती के दक्षिणी इलाके के 6 पंचायतों के दर्जनों गांवों के किसान लाभान्वित होंगे। पंप कैनाल बनकर तैयार ःउन्होंने आगे कहा कि यह मेरे लिए पम्प कैनाल नहीं बल्कि विकास तीर्थ है। किसानों की खुशहाली और समृद्धि ही हमारी प्राथमिकता है। यही नहीं भाजपा विधायक ने विपक्ष के राजद सांसद सुधाकर सिंह पर भी तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा है कि विपक्ष के लोग सिर्फ फोटो सेशन कराने आते हैं। उन्हें विकास से कोई मतलब नहीं है। विधायक से लेकर सांसद इस क्षेत्र से रहे पर आज तक इस कैनाल पम्प पर बात तक नहीं किया।

किसानों को फायदा ःउन्होंने आगे कहा कि उनके पिता बिहार सरकार मंत्री रह चुके है पर किसानों के सिंचाई की समुचित व्यवस्था नहीं हुआ। हम जो किसानों के प्रति वादा करते हैं वह धरातल पर लाकर दम रखते हैं। खैर धड़हर कैनाल पम्प बनकर तैयार है सिर्फ उद्घाटन करना है और शुरू हो जायेगा। इस क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है कि अब खेत पटवन के लिए कोई परेशानी नहीं करनी होगी।

पढ़ाई को लेकर पिता ने डांटा तो नाराज बेटे ने लगाई फांसी, मौत के बाद गांव में पसरा मातम

क्राइम संवाददाता द्वारा

खगड़िया ःखगड़िया के मड़ैया थाना क्षेत्र के अररिया गांव में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने सभी को झकझोर कर रख दिया। महज 14 वर्ष के रंगीला कुमार ने अपने ही गांव के पास एक बगीचे में पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार, घटना से ठीक पहले पिता ने उसे पढ़ाई को लेकर डांटा था, जिसके बाद वह गुस्से में घर से निकल गया और फिर कभी नहीं लौटा।

जानकारी के अनुसार, रंगीला कुमार मध्य विद्यालय अररिया में छठी कक्षा का छात्र था। उसे उसके पिता निरंजन यादव ने शनिवार सुबह पढ़ाई के लिए जगाया। यह बात रंगीला को नागवार गुजरी और वह बिना कुछ कहे घर से निकल गया। कुछ देर बाद जब ग्रामीण पास के बगीचे की ओर गए तो उन्होंने पेड़ से उसका शव लटका देखा। यह दृश्य देखकर पूरे गांव में कोहराम मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही मड़ैया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए खगड़िया सदर अस्पताल भेजा। थाना अध्यक्ष मोहम्मद फिरदौस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और परिवार के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

रंगीला कुमार अपने दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। उसकी असमय मौत से परिवार सदमे में है और पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। स्कूल में भी शिक्षकों और छात्रों में गहरा शोक व्याप्त है, क्योंकि रंगीला एक शांत और सामान्य छात्र माना जाता था।

दिल्ली की 8वीं विधानसभा के सौ दिन पूर्ण होने पर रिपोर्ट कार्ड जारी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने अपनी आठवीं विधानसभा के 100 दिन पूरे होने के अवसर पर रिपोर्ट कार्ड जारी किया। रिपोर्ट कार्ड विधानसभा की प्रमुख उपलब्धियों, नवाचारों और समावेशी विधायी दृष्टिकोण का प्रतिपादन करता है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की। उनके साथ दिल्ली सरकार के समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह, उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट तथा मुख्य सचेतक अभय वर्मा भी मंच पर उपस्थित रहे। राज्यमंत्री मल्होत्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट कार्ड उल्लेखनीय उपलब्धियों का प्रतिबिंब है।

उन्होंने इसकी प्रेरणादायक थीम 'विरासत से विकास की ओर' को विशेष रूप से रेखांकित किया। मल्होत्रा ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत में विजेंद्र गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्य करने को याद करते हुए कहा कि उनका अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा आज भी उन्हें संसदीय कार्यों को सक्षम रूप से निभाने में मदद करती है।केंद्रीय मंत्री कहा कि अध्यक्ष के संतुलित नेतृत्व में विधानसभा की कार्यवाही ने पिछले 100 दिनों के दौरान स्पष्ट परिवर्तन देखा गया है। इस पूरी अवधि में सदन में कोई भी अव्यवस्था या व्यवधान नहीं हुआ, जो पहले सामान्य हो चला था। गुप्ता ने लोकतांत्रिक परंपराओं को सुदृढ़ करते हुए विपक्ष को भी समान अवसर और सदन की गरिमा सुनिश्चित की है।

जले हुए शव की डीएनए से हुई पहचान

नई दिल्ली। बाहरी उत्तरी जिले के अलीपुर इलाके के पुस्ता रोड, मुखमेलपुर में जली हुई हालत में मिली एक अज्ञात लाश की पहचान हो गई है। शव की पहचान संतोष कुमार (62) के रूप में हुई है। संतोष परिवार के साथ बुराड़ी के नत्थुपुरा इलाके में रहते थे।

मृतक की पत्नी उर्मिला रानी ने पांच जून को स्वरूप नगर थाने में पति की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अलीपुर थाने में एफआईआर संख्या 297/25 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1)/238(ए) में मुकदमा दर्ज किया। जली हुई लाश मिलने के बाद पहचान मुश्किल हो रही थी, लेकिन गुमशुदगी की शिकायत और डीएनए व अन्य माध्यमों से पहचान की पुष्टि की गई। मृतक संतोष कुमार एक सेवानिवृत्त शिक्षक थे और हाल ही में स्वरूप विहार, स्वरूप नगर में प्रॉपर्टी डीलिंग का काम कर रहे थे। उनका रहन-सहन सामान्य था। फिलहाल पुलिस मामले की हर पहलु से जांच कर रही है। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि यह हत्या है या किसी अन्य कारण से मौत हुई। मृतक के संपर्क में आए लोगों से पूछताछ की जा रही है और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मृतक के परिवार को सूचित कर दिया है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। आगे की जांच जारी है।

मंत्री रविंद्र इंद्राज ने नरेला में दिव्यांगों के लिए बन रहे भवन का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने नरेला में मानसिक रूप से दिव्यांगों के लिए तैयार हो रहे भवन का लोक निर्माण विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों के साथ निरीक्षण कर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि कैम्पस दिव्यांगों के लिए आवश्यक सुविधाओं के अनुरूप तैयार हो रहा है।

इसके तैयार होने पर रोहिणी के आशा होम्स जैसे जिन शेल्टर होम्स में क्षमता से अधिक दिव्यांग रह रहे हैं, उन्हें यहां शिफ्ट किया जाएगा। मंत्री ने बताया कि नरेला में नर्सिंग कॉलेज हॉस्टल बिल्डिंग, प्राथमिक शहरी स्वास्थ्य केंद्र परिसर में दिव्यांगों के लिए तैयार हो रहे भवन में 220 दिव्यांगों के रहने की सुविधा होगी। यह सुविधा तीन महीने के अंदर शुरू हो जाएगी। राज्य में दिव्यांगों के लिए कई सुविधाएं विकसित हो रही हैं। मामूरपुर और दल्लूपुरा में भवन तैयार होने के बाद दिव्यांगों के लिए सुविधा, सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के विकल्प बढ़ेंगे।

श्यामलाल कॉलेज का वार्षिकोत्सव 9 जून को, मुख्यमंत्री होंगी मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 09 जून को दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध श्यामलाल कॉलेज के 61वें वार्षिकोत्सव समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। यह जानकारी श्यामलाल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. रबी नारायण कर ने दी। प्रो. कर ने बताया कि वार्षिकोत्सव समारोह सोमवार 9 जून को सुबह 10 बजे श्यामलाल कॉलेज परिसर में आयोजित किया जाएगा। समारोह की मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्त होंगी। यह समारोह हमारे संस्थान की समर्पित शिक्षण परंपरा, विद्यार्थियों की सतत उपलब्धियों और समाज के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का उत्सव होगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के तौर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बालाराम पाणि, भाजपा सांसद मनोज तिवारी तथा विधायक जितेंद्र महाजन शामिल होंगे। समारोह की अध्यक्षता कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की अध्यक्षा सविता गुप्ता करेंगी। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को विभिन्न अकादमिक, सांस्कृतिक और खेलकूद की उपलब्धियों के लिए पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। समारोह के दौरान कॉलेज की 60 वर्षों की विकास यात्रा और उसके भविष्य के संकल्पों को भी साझा किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले मुख्यमंत्री साय, बस्तर में शांति व्यवस्था सहित विभिन्न विषयों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाक़ात की। इस दौरान उन्होंने बस्तर में शांति व्यवस्था, विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों पर चर्चा की। इसके साथ हाल ही में छत्तीसगढ़ में आयोजित सुशासन तिहार की प्रधानमंत्री को जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब बस्तर का चेहरा बदल रहा है, जो कभी बंदूक और बारूदी सुरंगों के लिए जाना जाता था, आज वहाँ मोबाइल टावर खड़े हो रहे हैं, जो सिर्फ संचार का माध्यम नहीं बल्कि विकास और विश्वास के प्रतीक बन चुके हैं। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि सरकार द्वारा विगत डेढ़ वर्ष में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है। इन सुरक्षा चौकियों के आसपास गांवों में न केवल पुलिस की उपस्थिति से सुरक्षा

की भावना बनी है, बल्कि इन इलाकों में अब नेटवर्क भी पहुंच गया है। सरकार ने अब तक कुल 671 मोबाइल टावर चालू कर दिए हैं, जिनमें से 365 टावरों में 4फीसदी सेवा उपलब्ध है। यह न सिर्फ तकनीकी बदलाव है, बल्कि यह संकेत है कि अब आदिवासी क्षेत्रों में संचार क्रांति की शुरुआत हो चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर में सिर्फ मोबाइल टावर नहीं लग रहे हैं, बल्कि ये टावर इस बात का सबूत हैं कि वहां के बच्चे और युवा भी अब डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं। पहले जहां बच्चों को पढ़ाई या नौकरी की तैयारी के लिए शहर जाना पड़ता था, अब वही काम वे अपने गांव में मोबाइल नेटवर्क के ज़रिए ऑनलाइन कर पा रहे हैं। अब बस्तर का युवा भी स्मार्टफोन से अपनी दुनिया खुद बना रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सुरक्षा कैंपों के इर्द-गिर्द बसते गांवों में अब बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुँच रही हैं। नियद नेल्लानार योजना के तहत चिन्हित 146 ग्रामों में 18 सामुदायिक सेवाएं और 25 तरह की सरकारी योजनाएं एक साथ क्रियान्वित की जा रही हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री ने जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी को फोन कर दिया निमंत्रण

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस माह कनाडा के कनानास्किस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रण मिला है और उन्होंने सम्मेलन में भागीदारी की पुष्टि की है। यह निमंत्रण कनाडा के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने उन्हें आज टेलीफोन कर दिया। उल्लेखनीय है कि जी-7 शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन 15 से 17 जून को कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के कनानास्किस में होगा। इस सम्मेलन की मेजबानी कनाडा कर रहा है, जो इस वर्ष जी-7 की अध्यक्षता कर रहा है। फोन कॉल के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कार्नी को चुनाव में मिली जीत के लिए बधाई दी और सम्मेलन में आमंत्रित किए जाने पर आभार जताया। दोनों नेताओं ने भारत-कनाडा संबंधों की मजबूती पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देश जीवंत लोकतंत्र हैं और गहरे जनसंपर्क, साझा हितों और परस्पर सम्मान के आधार पर मिलकर काम करते रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत के बारे में 'एक्स' पर लिखा, कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से फोन पर बात करके खुशी हुई। उन्हें चुनाव में विजय पर बधाई दी और इस महीने कनानास्किस में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रण के लिए आभार जताया। भारत और कनाडा गहरे जनसंपर्क से जुड़े जीवंत लोकतंत्र हैं। हम परस्पर सम्मान और साझा हितों के आधार पर सहयोग को नई ऊर्जा देंगे। सम्मेलन में मुलाकात की प्रतीक्षा है।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने मुस्लिम समुदाय को दी बकरीद की बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय को बकरीद की बधाई दी। यह त्योहार बलिदान, आस्था और उदात्त आदर्शों के महत्व को समझाता है। राष्ट्रपति ने एक्स पर लिखा, ईद-उल-अजहा के पावन अवसर पर, मैं सभी देशवासियों, विशेष रूप से मुस्लिम भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। यह त्योहार बलिदान, आस्था तथा अनेक उदात्त आदर्शों के महत्व को समझाता है। आइए, इस शुभ अवसर पर हम सब मिलकर समाज और देश के लिए समर्पण की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लें। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, ईद-उल-जुहा के पावन अवसर पर सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई। ईद-उल-जुहा हमें त्याग की शक्ति और उदारता के आशीर्वाद की याद दिलाती है। ईद-उल-जुहा द्वारा जिन निस्वार्थता और सेवा के मूल्यों को बढ़ावा दिया जाता है, वे शाश्वत गुण हैं जो हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को समृद्ध करते हैं और हमारे विविध समाज के बंधनों को मजबूत करते हैं। यह अवसर हमें एकता की साझा भावना के साथ एक साथ आने और एक न्यायपूर्ण, शांतिपूर्ण और समतापूर्ण राष्ट्र के निर्माण के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रेरित करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स संदेश में कहा, ईद उल-अजहा की हार्दिक

शुभकामनाएं। यह अवसर सद्भाव को प्रेरित करे और हमारे समाज में शांति के ताने-बाने को मजबूत करे। सभी के अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि की कामना करता हूं। उल्लेखनीय है कि बकरीद का त्योहार मुस्लिम समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो बलिदान और आस्था के मूल्यों को बढ़ावा देता है। यह त्योहार लोगों को एकता की साझा भावना के साथ एक साथ आने और समाज में शांति और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है।

मुख्यमंत्री साय ने की केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात, नक्सल ऑपरेशन की उपलब्धियों और बस्तर के विकास की दी जानकारी

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नक्सल विरोधी अभियानों की अब तक की सफलताओं और बस्तर अंचल में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा तथा मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि राज्य सरकार की नई रणनीति और केंद्र के सहयोग से नक्सल उन्मूलन अभियान को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाया गया है। विगत डेढ़ वर्ष में चलाए गए सघन अभियानों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। 1,428 नक्सलियों (माओवादियों) ने आत्मसमर्पण किया है, जो बीते पांच वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। मुख्यमंत्री ने अवगत कराया कि 205 मुठभेड़ों में 427 नक्सली मारे गए, जिनमें संगठन के शीर्ष नेता महासचिव बसवा राजू और सेंट्रल कमेटी सदस्य सुधाकर जैसे कुख्यात माओवादी शामिल हैं। इसके साथ ही, राज्य में 64 नए फॉरवर्ड सुरक्षा कैंपों की स्थापना की गई है, जिससे सुरक्षा नेटवर्क मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि इन सुरक्षा कैंपों के आसपास बसे गांवों तक अब बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाएं और स्कूल जैसी बुनियादी सुविधाएं तेजी से पहुँचाई जा रही हैं। 'नियद नेल्लानार योजना' के अंतर्गत चिन्हित 146 ग्रामों में एकीकृत रूप से 18 प्रकार की सामुदायिक सेवाएं और 25 प्रकार की शासकीय योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं,

जिससे स्थानीय लोगों का विश्वास शासन तंत्र में बढ़ा है। गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री साय द्वारा प्रस्तुत प्रगति रिपोर्ट की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से माओवादी गतिविधियों पर निर्णायक नियंत्रण संभव हो रहा है और केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहायता देती रहेगी।

राहुल गांधी ने जाति जनगणना और कानून व्यवस्था का उठाया मुद्दा, युवाओं से की एकजुटता की अपील

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने नालंदा के राजगीर में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन के दौरान जाति जनगणना, संविधान और कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान और सामाजिक न्याय पर लगातार हमले हो रहे हैं, लेकिन हम संविधान को मिटने नहीं देंगे। यह देश संविधान से ही चलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि देश की 90 फीसदी आबादी की सत्ता और फैसलों में कोई भागीदारी नहीं है। मुझे अपने देश की सच्चाई जाननी है, इसलिए मैं देश का एक्स-रे करना चाहता हूं। आप लोग इस गलतफहमी में नहीं रहिए। ये लोग सही जाति जनगणना नहीं होने देंगे। क्योंकि ये लोग जानते हैं कि जिस दिन सही जाति जनगणना करा लेंगे, इनकी राजनीति खत्म हो जायेगी। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि

वे संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट हों। हम सब मिलकर इस देश को न्याय और भाईचारे के रास्ते पर आगे ले जाएंगे। राहुल गांधी ने कहा कि बिहार की पुरानी परिभाषा सत्य, न्याय और अहिंसा थी। लेकिन नयी परिभाषा 'क्राइम कैपिटल' ऑफ इंडिया हो गया। इस राज्य ने न सिर्फ हिंदुस्तान को, बल्कि दुनिया को भी रास्ता दिखाया है। लेकिन आज यहां कानून-व्यवस्था चौपट है और जनता असुरक्षित महसूस कर रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री जी बार-बार पाला बदलते रहते हैं। कभी इधर, कभी उधर। लेकिन बिहार की जनता अब समझ चुकी है कि असली मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है।

शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं आज भी आम लोगों से दूर हैं।राहुल गांधी पर्वत पुरुष (माउंटेन मैन) दशरथ मांझी के गांव भी पहुंचे और स्वर्गीय दशरथ के समाधि स्थल पर नमन किया। राहुल दशरथ मांझी के परिजनों से मुलाकात भी की। राजगीर से राहुल गांधी गयाजी लौटे, जहां उन्होंने गया-पटना मुख्य मार्ग स्थित पहाश्वर के एक रिसॉर्ट में महिलाओं के साथ एक विशेष संवाद कार्यक्रम में चर्चा की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। राहुल गांधी ने इस दौरान महिला अधिकारों, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक भागीदारी जैसे मुद्दों पर बात की।

मोदी सरकार के 11 साल के कामकाज की रिपोर्ट लेकर जनता के बीच जाएगी भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार के तीसरे कार्यकाल का 9 जून को एक साल पूरा होने जा रहा है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सरकार की उपलब्धियों को जनता के बीच ले जाने का फैसला किया है। इसके तहत 10 जून से सरकार के मंत्रियों के दौरे शुरू होंगे और तमाम जगहों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी। मंत्री अपने-अपने मंत्रालयों में किए गए कामों को गिनवाएंगे। इसके साथ देशभर में गोष्ठी और सभा का भी आयोजन होगा। पार्टी स्तर पर भी इसे लेकर तैयारियां की गई हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर संदेश साझा करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की आकांक्षाएं हमेशा से हमारी नीति निर्माण के केंद्र में रही हैं। मोदी सरकार के पिछले 11 वर्षों में, उन्हें पूरी तरह से सशक्त बनाने और उन्हें देश के विकास में सबसे आगे रखने के लिए बेहतर शिक्षा, कौशल विकास और

रोजगार के अवसर प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में स्किल इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया, अटल टिंकरिंग लैब्स और देशभर में विश्वविद्यालयों और एम्स जैसे संस्थानों के विस्तार जैसी पहलों के माध्यम से युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए परिवर्तनकारी कदम उठाए गए हैं। भारत के युवा न केवल परिवर्तन के लाभार्थी हैं बल्कि वे इसके पीछे प्रेरक शक्ति हैं।

छत्रपति शिवाजी के अनुरूप सशक्त, समर्थ भारत बनाना ही हमारा लक्ष्य- ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का कहना है कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने 'हिन्दवी स्वराज' की स्थापना कर एक सशक्त, समर्थ और आत्मनिर्भर भारत का जो सपना देखा था, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश उसी दिशा में दृढ़तापूर्वक अग्रसर है। एक पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम में 'आपरेशन सिंदूर' पर सिंधिया ने कहा, 'भारत ने दिखा दिया है कि उधर से गोली चलेगी तो इधर से गोला चलेगा।' उन्होंने कहा कि आज लोगों को सेना और सरकार पर भरोसा है। यह भरोसा बताता है कि 'यही समय है, सही समय है' जब हर देशवासी विकसित भारत के सपने को अपने मन में जगाए और उस अनुरूप कार्य भी करे। केन्द्रीय संचार और पूर्वोत्तर विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज 'हिन्दवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी' नामक पुस्तक का लोकार्पण किया। पुस्तक सुरूचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित की गई है और इसका सम्पादन प्रो. ओम प्रकाश सिंह और देवेन्द्र भारद्वाज ने किया है। लोकार्पण समारोह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय 'केशव कुंज' में स्थित विचार विनिमय केन्द्र के

सभागार में हुआ। पुस्तक में वर्णित इतिहास को बहुत उपयोगी बताते हुए सिंधिया ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि उन्हें गर्व है कि उनके वंशज भी मराठा संघर्ष में शामिल हुए थे और देश के लिए अपना बलिदान दिया था। छत्रपति शिवाजी के गौरवशाली इतिहास के कुछ प्रसंगों को साझा करते हुए सिंधिया ने कहा कि उन्होंने गौरिल्ला युद्ध से लेकर विश्व की सबसे पहली नौसेना का गठन किया। शिवाजी महाराज का उद्देश्य केवल अपना साम्राज्य स्थापित करना नहीं था, बल्कि भारत को आत्मनिर्भर, एकजुट और स्वाभिमानी राष्ट्र बनाना था। 'हिन्दवी स्वराज' की स्थापना भी इसी उद्देश्य से की गई थी। उद्देश्य था कि निर्धन से निर्धन व्यक्ति की भी देश के सम्राट तक पहुंच बन सके और उसे भी न्याय मिल सके। कार्यक्रम में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उपस्थित जनों से 'जय शिवाजी, जय भवानी' का उद्घोष दोहराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन नारों से बलिदान की प्रेरणा मिलती है ।

गाजा संघर्ष विराम में जारी गतिरोध के लिये अमेरिका ज़िम्मेदार : मौलाना अरशद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को वीटो करने पर तीखी प्रतिक्रिया में गाजा संघर्ष विराम में जारी गतिरोध के लिये अमेरिका को ज़िम्मेदार ठहराया है। उन्होंने एक बयान में कहा कि इज़राइल और हमास के बीच तत्काल व्यापक और स्थायी युद्ध विराम, मानवीय सहायता की तुरंत बहाली और गाजा में मूल अधिकारों की बहाली के संदर्भ में प्रस्ताव पेश किया गया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 में से 14 सदस्यों ने गाजा में युद्ध-विराम और मानवी सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण प्रस्ताव के समर्थन में वोट देने के बावजूद अमेरिका के वीटो पावर प्रयोग करने के कारण सुरक्षा परिषद यह प्रस्ताव पारित करने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि 14 देशों ने यह अति उत्तम प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, परन्तु अमेरिका ने इसका साथ नहीं दिया। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि गाजा में जारी संघर्ष और तबाही के लिये अमेरिका ज़िम्मेदार है। उन्होंने आशंका प्रकट करते हुये कहा कि अमेरिका यह चाहता है कि गाजा से फलस्तीनियों को विस्थापित करके यहां यहूदियों को बसाया जाए, लेकिन ऐसा कदापि नहीं होगा। मौलाना मदनी ने कहा कि जमीअत उलमा-ए-हिंद का शुरू ही से यह

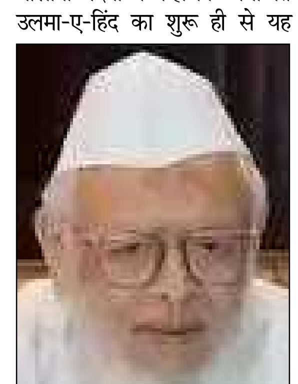

मानना है कि एक स्वतंत्र और संप्रभु देश की स्थापना ही फिलिस्तीन मुद्दे का स्थायी समाधान है। इन अकल्पनीय और खतरनाक परिस्थितियों में अमेरिका और उसके राष्ट्रपति का इज़राइल का अनुचित समर्थन अत्यंत शर्मनाक एवं निंदनीय है।

पंजाब पर जमानती नेताओं का कब्ज़ा, जनता देगी जवाबः चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। चुघ ने कहा कि दोनों दलों ने वीआईपी कल्चर के खिलाफ वोट मांगे थे, लेकिन अब सच सामने है। जिसे मिस्टर क्लीन कहा जाता था, वही अरविंद केजरीवाल दिल्ली शराब घोटाले में प्रमुख आरोपित पाए गए। जो खुद को वीआईपी कल्चर का विरोधी बताते हैं, वही पंजाब में विपश्यना करने सौ गाड़ियों के काफिले में पहुंचते हैं, अब वही भ्रष्टाचार के मामलों में जमानत पर बाहर नेता पंजाब को कब्जे में लेकर इसके संसाधनों का शोषण कर रहे हैं। चुघ ने एक बयान में कहा कि सत्ता की भूख इतनी है कि केजरीवाल ने जेल में रहते हुए भी इस्तीफा नहीं दिया। उन्हें कोर्ट ने सशर्त जमानत दी कि वे मुख्यमंत्री ऑफिस नहीं जाएंगे और सरकारी बैठकें नहीं करेंगे। चुघ ने कहा कि पंजाब की जनता ने जिस भगवंत मान पर भरोसा किया था, उन्होंने अपनी सरकार को केजरीवाल और उनके जमानती टोली के हवाले कर दिया है। यही नेता अब 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान का चेहरा बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह पाखंड की

चरमसीमा है कि दिल्ली शराब घोटाले के आरोपित अब पंजाब में नशे पर भाषण दे रहे हैं, पंजाब में कानून व्यवस्था की हालत बेहद खराब है। हर दिन कहीं ग्रेनेड हमला, कहीं फायरिंग, कहीं खुलेआम झगड़े- और मुख्यमंत्री हमारे सुरक्षा बलों की बहादुरी का मज़ाक उड़ाने में व्यस्त हैं। सिर्फ इतना ही नहीं पहलगाम में हुए निर्दोषों की हत्या पर भी हल्की और अपमानजनक टिप्पणियां करते हैं।ऑपरेशन सिंदूर पर चुग ने कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व और सम्मान की बात है कि हमारी सेनाएं पाकिस्तान के अंदर 100 किलोमीटर तक जाकर आतंक के ठिकानों पर प्रहार करती हैं, लेकिन कांग्रेस और आआपा नेताओं द्वारा लगातार ऑपरेशन और वीर सैनिको के पराक्रम पर सवाल उठाना बेहद शर्मनाक है। इसका जवाब लुधियाना की जनता जरूर देगी। चुघ ने कहा कि तीन साल से ज़्यादा हो गए, लेकिन आआपा का एक भी वादा ज़मीन पर नहीं दिखता। हर घर नौकरी का वादा किया गया था, लेकिन युवा विदेश और दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। किसानों का कर्ज माफ करने की बात थी, आज तक एक भी कर्ज माफ नहीं हुआ। महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का वादा था, 38 महीने बीत चुके हैं, अब तक कोई अमल नहीं किया। चुघ ने कहा कि आआपा और कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। दिल्ली में गठबंधन और पंजाब में दिखावटी लड़ाई। यह सब एक भ्रम है, जो अब पंजाब की जनता की समझ में आ चुका है।

भारतीय भाषा अनुभाग प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगाः अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली।केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारतीय भाषा अनुभाग का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि यह प्रशासन को विदेशी भाषाओं के प्रभाव से मुक्त करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना के साथ ही राजभाषा विभाग अब एक संपूर्ण विभाग बन गया है। उन्होंने कहा कि हमारी क्षमता का पूरा दोहन तभी हो सकता है जब हमारी सोच, विश्लेषण और निर्णय लेने की प्रक्रिया हमारी मातृभाषा में हो। देश की सभी स्थानीय भाषाओं को मजबूत करके ही हम भारत को उसके सनातन गौरवशाली स्थान पर ले जा सकते हैं। शाह ने कहा कि हमारी हर भाषा दूसरी भाषाओं से पूरी

तरह जुड़ी हुई है और सभी भाषाओं का विकास एक-दूसरे के बिना संभव नहीं है। हमारी सभी भाषा रूपी नदियां मिलकर भारतीय संस्कृति की गंगा बनती हैं। भारतीय भाषाएं हमारी संस्कृति की आत्मा हैं और हमारी संस्कृति भारत की आत्मा है। उन्होंने कहा कि यह अनुभाग भारत की भाषाई विविधता को समाहित करते हुए सभी भाषाओं को एक सशक्त और संगठित मंच प्रदान करेगा।

गृहमंत्री ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग सभी भाषाओं की भावना, समृद्धि और संवेदनशीलता को कम किए बिना किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अंग्रेजी को अपने ऊपर थोपने के खिलाफ लड़ाई में अवश्य जीतेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह सचिव और राजभाषा सचिव समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया ईद उल अजहा (बकरीद) का त्यौहार

मंडरोः

शनिवार को प्रखंड में ईद उल अजहा(बकरीद)का त्योहार धूमधाम से मनाया गया मस्जिदों और ईदगाहों में विशेष नमाज का आयोजन किया गया नमाजियों ने मुल्क में अमन और शांति की दुआएं मांगी। क्षेत्र के तेतरिया, शाहाबाद , नामनगर, मिर्जाचौकी शाही मस्जिद बैरियर समीप समेत अन्य गांवों में सुबह से ही में रौनक देखी गई ।बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी नए परिधानों में मस्जिदों की ओर निकले ।मस्जिदों और ईदगाहों में साफ सफाई की पूरी व्यवस्था की गई थी ।सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल भी तैनात रहा। नमाज के बाद एक दूसरे को मुबारकबाद दी गई। इसके बाद कुबार्नी का सिलसिला शुरू हुआ जो अगले तीन दिनों तक जारी रहेगा। वही बकरीद त्यौहार शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न हो इसको लेकर मिर्जाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के नेतृत्व में मिर्जाचौकी पुलिस प्रशासन सभी मस्जिदों पर चौकस रही। मौके पर मो गुलाम समदानी, बरकत अंसारी, अनवर रजा, जाकिर अंसारी, सलामत अंसारी, अलामत अंसारी, नूर आलम समेत अन्य मौजूद थे।

राधा नगर पुलिस के द्वारा चलाया गया वाहन जांच अभियान

मंडरोः

राधा नगर पुलिस के द्वारा क्राइम जैसी घटनाओं की रोकथाम को लेकर सख्ती से मंडरो भगैय्या चेकनाका पर चलाया गया दो पहिया व चार पहिया वाहन जांच अभियान । वाहन जांच के दौरान वाहन चालकों में मचा हड़कंप। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच के दौरान गाड़ी के डिक्की व वाहनों की तलाशी ली गई। इस दौरान वाहन चालकों को बताया गया कि अपने साथ गाड़ी के कागजात जरूर रखें। वही चालकों को निर्देश दिया गया कि बिना हेलमेट के वाहन न चलाए। गाड़ी अत्यधिक गति से बिल्कुल न चलाएं। राधा नगर पुलिस के द्वारा बताया गया की वाहन जांच अभियान लगातार चलाया जाएगा।

राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर को किया गया सम्मानित

साहिबगंजः

झारखंड पुलिस अकादमी, हजारीबाग द्वारा दिनांक 09 अप्रैल 2025 से 06 जून 2025 तक आयोजित आठ सप्ताह की प्रोन्नतिचर्या प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रोजेक्ट कार्य एवं प्रस्तुति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राजमहल थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने ततृतीय स्थान प्राप्त करने में सफलता हासिल किया है। इस पर झारखंड पुलिस अकादमी के निदेशक श्री अखिलेश कुमार झा (भारतीय पुलिस सेवा) ने गुलाम सरवर को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें उत्कृष्ट प्रेजेंटेशन, अनुसंधान कार्य और प्रशिक्षण के दौरान प्रदर्शित उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया गया। वही साहिबगंज जिला के पुलिस कर्मियों ने बधाई दी है।

राजेश ने रक्तदान कर बचाई जान

देवघर,

मोहनपुर प्रखंड के डुमरिया गांव निवासी राजेश यादव ने शनिवार को मानवता की मिसाल पेश की। जमुनिया गांव के मुकेश यादव, जिन्हें पित्त की थैली की बीमारी के कारण इलाज के दौरान खून की कमी हो गई थी, उनकी मदद के लिए राजेश तुरंत आगे आए। डॉक्टरों ने मुकेश के लिए तत्काल रक्त की आवश्यकता बताई थी। सूचना मिलते ही राजेश यादव अस्पताल पहुंचकर रक्तदान किया। राजेश ने कहा कि किसी की जान बचाना सबसे बड़ा पुण्य है। जब मुझे मुकेश की स्थिति के बारे में पता चला, मैं तुरंत मदद किया। और ब्लड बैंक देवघर में जाकर रक्तदान किया।

पंकज मिश्रा पहुँचे लिट्टीपाड़ा कार्यकताओं ने किया जोरदार स्वागत

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःलिट्टीपाड़ा में शनिवार को झामुमो के केंद्रीय सचिव सह केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा का पार्टी कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया। रांची से आने के क्रम में पंकज मिश्रा के काफिला जैसे ही लिट्टीपाड़ा पहुंचा, वैसे ही पार्टी कार्यकताओं ने उनका माला पहनाकर स्वागत किया। इसके पश्चात पंकज मिश्रा ने सिद्धू कान्हु व तिलका मांझी के आदमकद तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान वीर शिबू जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद, पंकज मिश्रा जिंदाबाद के नारों से पूरा लिट्टीपाड़ा गूंज उठा। मौके पर जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, जिला उपाध्यक्ष समद अली, प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, उपाध्यक्ष रंजन साहा, इसहाक अंसारी सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे। इसके बाद मिश्रा जी का काफिला बरहेट की ओर रवाना हो गया। पंकज मिश्रा के स्वागत में उमड़े जनसैलाब से यह स्पष्ट है कि झामुमो पार्टी के प्रति लोगों का समर्थन और विश्वास बढ़ रहा है। पंकज मिश्रा की लोकप्रियता और उनके नेतृत्व में पार्टी की मजबूती का यह एक बड़ा उदाहरण है।

भारत की क्रिप्टो कर नीति के अनपेक्षित परिणामः सरकार को घाटा, विदेशी एक्सचेंज को फायदा

नई दिल्ली, ।

भारत सरकार ने जब क्रिप्टो पर टैक्स लगाने का फैसला लिया था, तो मंशा साफ थी—ट्रेडिंग को रेगुलेट करना और राजस्व में इजाफा करना। लेकिन दो साल बाद, सच्चाई इससे बिल्कुल उलट दिख रही है। 30% कैपिटल गेन टैक्स और हर एक ट्रांजैक्शन पर 1% टीडीएस की नीति ने न सिर्फ लोकल क्रिप्टो इकोसिस्टम को तोड़ा है, बल्कि लाखों भारतीय ट्रेडर्स को विदेशी प्लेटफॉर्म्स की ओर मोड़ दिया है।

इसका नतीजा? भारत का क्रिप्टो बाजार तेजी से सरकार की पकड़ से बाहर होता जा रहा है। न टैक्स मिल रहा है, न डेटा और न ही किसी तरह का रेगुलेशन ।जुलाई 2022 से लागू क्रिप्टो टैक्स ढांचा—जो हर लाभ पर 30% टैक्स और हर लेन-देन पर 1% टीडीएस काटता है—ने पारदर्शिता लाने की कोशिश तो की, लेकिन इसके असर से देश का बड़ा हिस्सा सीधे ढ2ढ (पियर-टू-पियर) या फिर ऑफशोर ट्रेडिंग की ओर खिसक गया। इन प्लेटफॉर्म्स पर न कोई टैक्स कटता है, न जानकारी मिलती है, और न ही इन्हें भारतीय कानूनों का डर है। सीधे शब्दों में कहें तो यह 'रेगुलेशन का ब्लैक होल' बन चुका है। टीडीएस लागू होते ही भारत के लोकल क्रिप्टो एक्सचेंजों का ट्रैफिक तेजी से गिरा और विदेशी प्लेटफॉर्म्स का अचानक बूम आ गया। एक लीडिंग ग्लोबल एक्सचेंज ने सिर्फ एक महीने में 4.5 लाख भारतीय यूजर रजिस्ट्रेशन दर्ज किए। वर्तमान में 30-50 लाख भारतीय ट्रेडर्स विदेशी प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर रहे हैं—जो भारत के लिए न सिर्फ टैक्स लॉस है, बल्कि डिजिटल संप्रभुता का भी मुद्दा है। एक साल में भारतीय यूजर्स ने करीब 3.5 लाख करोड़ की क्रिप्टो विदेशी प्लेटफॉर्म्स पर एक्सचेंज की, लेकिन इस पर टैक्स वसूली सिर्फ 0.2% तक सीमित रही। इसकी तुलना में देश के लोकल एक्सचेंजों से सिर्फ 366 करोड़ की टीडीएस आय हुई, जबकि अनुमान के मुताबिक सरकार को 2,600 करोड़ से ज्यादा की आमदनी होनी चाहिए थी ।ढ2ढ प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेडर्स सीधे एक-दूसरे से डील

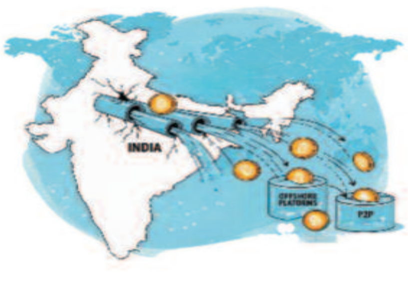

करते हैं। कोई रेगुलेटेड एक्सचेंज नहीं होता, इसलिए टैक्स वसूली की कोई गुंजाइश नहीं रहती। यहां तक कि कई यूजर्स बिना ङ उ प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल करते हैं, जिससे मनी लॉन्ड्रिंग और फ्रॉड की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। हाल के महीनों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां निवेशकों के अकाउंट ब्लॉक हो गए या उन्हें कानूनी नोटिस मिलने लगे। सरकार ने कुछ विदेशी प्लेटफॉर्म्स को ब्लॉक करने की कोशिश की, लेकिन यूजर्स ने वीपीएन और मिरर साइट्स के जरिए उसका तोड़ निकाल लिया। ब्लॉक की गई वेबसाइट्स पर ट्रैफिक थोड़े समय के लिए गिरा, लेकिन फिर वापस उसी स्तर पर पहुंच गया। भारत के पास दो ही रास्ते हैं—या तो टैक्स सख्ती के नाम पर इनोवेशन को देश से बाहर जाने दें, या फिर वैश्विक मानकों के मुताबिक नीति बनाकर इसे देश में मजबूत करें। जरूरत है एक इंटर-मिनिस्ट्री टास्क फोर्स की जो क्रिप्टो, वेब3 और ब्लॉकचेन जैसे सेक्टर्स के लिए व्यवहारिक, स्मार्ट और टैक्स-फ्रेंडली फ्रेमवर्क तैयार करे। यह सिर्फ क्रिप्टो की बात नहीं है, यह भारत की डिजिटल इकॉनमी पर नियंत्रण की लड़ाई है। अगर टैक्स नीतियां व्यवहारिक नहीं होंगी, तो भारत का अगला डिजिटल यूनिकॉर्न सिंगापुर या दुबई में खड़ा होगा—न कि बेंगलुरु या हैदराबाद में। अब वक्त है कि सरकार इस संकेत को पढ़े, और उसे दिशा दे।

साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी का हुआ समय परिवर्तन अब 5 बजे साहिबगंज से होगी रवाना

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के लगातार प्रयास के उपरांत आखिरकार मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक पूर्व रेलवे कोलकाता रोशन कुमार के पत्रांक CPTM/E.Rly.'s LNo/TT.350/2024-25/Pt.II के आलोक में 63406 डाउन साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी का खुलने का समय परिवर्तन संशोधित किया गया है ।पहले यह गाड़ी संध्या 6:55 पर साहिबगंज से रामपुरहाट के लिए प्रस्थान करती थी, अब यह संशोधित समयानुसार अपरा 5:00 बजे साहिबगंज से रामपुरहाट के लिए प्रस्थान करेगी ।यह समय सारणी में दिनांक 10 जून 2025 से प्रभावी होगी। बताते चलें कि दिनांक 26 दिसंबर 2024 को ईस्टर्न जोनल रेलवे पैसेंजर्स एसोसिएशन हावड़ा मंडल के प्रतिनिधिमंडल द्वारा महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता मिलिंद देउस्कर को मुख्य यात्री परिचालन प्रबंधक,पूर्व रेलवे कोलकाता रोशन कुमार तथा उप महाप्रबंध,पूर्व रेलवे कोलकाता वेद प्रकाश की उपस्थिति में दो सूत्री मांगों का ज्ञापन सोंपा गया था ।जिसे इस क्षेत्र की जनता के सुविधा को देखते हुए उन्होंने दोनों मांगों को पूरा करने का काम किया है। ईजरप्पा के अध्यक्ष हिसाबी राय ने बताया कि दिनांक 26 दिसंबर 2024 को महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे कोलकाता के कार्यालय कक्ष में 54406 डाउन साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी के समय परिवर्तन तथा पाकुड़ ग्रामीणों को जाम की समस्याओं से निजात पाने तथा पाकुड़ के आमजनों के आवागमन के सुविधार्थ अर्थ छ.उ गेट नंबर 39/इ/ळ पश्चिम केबिन के समीप रोड ओवर ब्रिज निर्माण हेतु लगातार वार्ता हुई।

तदोपरांत दोनों मांगों को पूरा करने की सहमति बनी थी,जिसे महाप्रबंधक ने पूरा किया है। पूर्व रेलवे कोलकाता की ओर से रोड ओवर ब्रिज के निर्माण कार्य का डीपीआर बनाने की प्रक्रिया तेजी पर है तथा ईसापुर फाटक पर रोड ओवर ब्रिज निर्माण स्थल की मिट्टी जांच हेतु रेलवे द्वारा भेजा गया है। ईजरप्पा के सचिव राणा शुक्ला ने बताया कि उक्त गाड़ी के समय परिवर्तन से साहिबगंज, तीनपहाड़ राजमहल, बरहरवा, पाकुड़ इत्यादि स्थानों से प्रतिदिन आवागमन करने वाले दैनिक यात्रियों सहित कोर्ट के कार्यों तथा विभिन्न कार्यालय से सारे कार्यों का निपटारा कर आमजनों अपने गन्तव्य स्थानों पर लौटने में सुविधा होगी। साहिबगंज रामपुरहाट सवारी गाड़ी के समय परिवर्तन पर करने पर नहीं वर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष सम्पा साहा,पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष बाबुधन मुर्मू, सीताराम सिंह,अनिकेत गोस्वामी,जितेंद्र सिंह,आफताब आलम,संदीप साहा,सुशील साहा,मंजूर आलम, पार्वती देवी,पिंटू हाजरा,अशोक प्रसाद,सादेकुल आलम,रणजीत राम, मोनी सिंह,चंदन प्रसाद,तारा गुप्ता, मोहन मंडल,अरुण चौधरी,सुबोध मंडल आदि ने महाप्रबंधक पूर्व रेलवे कोलकाता तथा मुख्य यात्री संचालन प्रबंधक,पूर्व रेलवे,कोलकाता का आभार व्यक्त किया है .

ईदगाह, मस्जिद पर पहुंचे डीसी-एसपी, पुख्ता सुरक्षा इंतजाम का किया मुआयना

लोगों से मिलकर बधाईयां दी, बच्चों को लगाया गले

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ शनिवार को बकरीद के मौके पर उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने गांधी चौक स्थित मस्जिद, मालपहाड़ी रोड स्थित कब्रिस्तान आदि मस्जिदों एवं चौक चौराहों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोगों को ईद उल अजहा की तहेदिल से बधाईयां दी। उपायुक्त ने कहा कि ईद उल अजहा में आपसी भाईचारे का खास महत्व है तथा लोग गिले- शिकवे भुलाकर एक दूसरे को गले लगाते हैं। ईद उल अजहा के इस खास मौके पर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सभी मस्जिदों और चौक चौराहों पर सुरक्षा के मद्देनजर दण्डाधिकारी के साथ पुलिस बल को तैनात किया गया है ताकि लोग खुशी से बेफिक्र होकर पर्व मनाए। सभी बीडीओ, सीओ, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो। सभी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में मुस्तैदी के साथ तैनात रहे। विशेष मानिटरिंग के लिए जिला कंट्रोल रूम से गतिविधियों पर नजर रखे गए। जगह-जगह ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। अमन चैन के इस पर्व पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आमजनों को बधाई संदेश दिए।

चार दिन से लापता युवक अचेत अवस्था मे जंगल से मिला,अस्पताल ले जाने के दौरान हुई मौत

शव यात्रा मे शामिल हुए पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला

दिव्य दिनकर चौपारण राजेश सहाय

प्रखंड अंतर्गत दादपुर पंचायत के ग्राम केंदुआ निवासी और क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी प्रहलाद सिंह के छोटे भाई सरवन कुमार (45 वर्ष) की मौत शनिवार को उस समय हो गई, जब उन्हें अचेत अवस्था में जंगल से निकालकर अस्पताल ले जाया जा रहा था। जानकारी के अनुसार सरवन कुमार बुधवार की शाम अचानक घर से लापता हो गए थे,जिसके बाद परिजनों ने खोजबीन शुरू की लेकिन कहीं पता नहीं चला ।शनिवार सुबह ग्रामीणों ने उन्हें जमुनिया तरी के जंगल में बेहोशी की हालत में पड़ा देखा और तत्काल इसकी सूचना परिजनों को दी। परिजन आनन-फानन में उन्हें चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाए,जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने

उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हजारीबाग रेफर कर दिया। हालांकि,बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग ले जाने के क्रम में बरही के पास रास्ते में ही सरवन कुमार की मौत हो गई ।मौके पर पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला भी अस्पताल पहुंचे और मरीज की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने परिजनों को ढाढ़स बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया। इसके बाद वे शव यात्रा में भी शामिल हुए, जहां उन्होंने सरवन कुमार के पार्थिव शरीर को कंधा दिया और अंतिम यात्रा में शामिल होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की ।परिजनों ने बताया कि सरवन कुमार पहले मुंबई में एक निजी कंपनी में कार्यरत थे। कुछ माह पूर्व वे ट्रेन से घर लौटते समय एक हादसे के शिकार हो गए थे,जिसमें उन्हें गहरी चोटें आई थीं। तब से वे घर पर ही रहकर इलाज करा रहे थे,लेकिन उस घटना के बाद से उनकी मानसिक स्थिति अस्थिर हो गई थी। कई बार वे असंतुलित व्यवहार करते थे,जिससे परिजन चिंतित रहते थे। आशंका है कि मानसिक असंतुलन के कारण ही वे घर से निकलकर जंगल की ओर भटक गए और वहां कई दिनों तक भूखे-प्यासे रहने से उनकी हालत बिगड़ गई ।इस दर्दनाक घटना से पूरे केंदुआ कला और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। समाजसेवी परिवार से जुड़े सरवन कुमार की असामयिक मौत से न केवल परिजन, बल्कि गांव के लोग भी गहरे सदमे में हैं। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है और लोग परिवार को सांत्वना देने उनके घर पहुंच रहे हैं।

गोकशी की योजना का भंडाफोड़, एक अभियुक्त गिरफ्तार

कोडरमा विजय यादव

कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कटहाडीह गांव में गोकशी की योजना का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। गुप्त सूचना के आधार पर जयनगर थाना प्रभारी बबलू कुमार के नेतृत्व में की गई छापेमारी के दौरान एस. के. राजा खान उर्फ छेना खान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से 11 मवेशी, एक लकड़ी का कुंदा और लोहे की छुरी बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने गोकशी व मांस बिक्री की बात स्वीकार की। इस संबंध में जयनगर थाना कांड संख्या 136/25 के तहत झारखंड गोवंशीय पशु वध प्रतिषेध अधिनियम, 2005 सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

अक ीदा और उल्लास के साथ मना ईद-उल अजहा का पर्व

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - प्रेम, त्याग व बलिदान का पर्व ईद-उल अजहा शनिवार को मांडर व चान्हो प्रखंड में आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया. इस अवसर पर क्षेत्र के मस्जिदों के ईदगाहों में ईद उल अजहा की विशेष नमाज अदा की गयी. और क्षेत्र में अमन चैन व खुशहाली की दुआ मांगी गयी. इस दौरान लोगों ने एक दूसरे को इस पर्व की बधाई भी दी. मांडर के मुख्य जामा मस्जिद में मौलाना इफ्तिखार कासमी, मुड़मा ईदगाह में कारी ताहा मसूदी, चान्हो के चटवल ईदगाह में मौलाना रफीक कासमी, बलसोकरा में मुफ़्ती मो खालिद, पंडरी में मुफ़्ती खतिबुर रहमान व तरंगा में मौलाना इरफान कासमी ने ईद उल अजहा की नमाज अदा करायी. ईद उल अजहा के पर्व को शांति व सौहार्द के साथ संपन्न कराने को लेकर स्थानीय पुलिस प्रशासन भी दिन भर क्षेत्र में मुस्तैद रही!

पाकुड़ व्यवहार न्यायालय ने लिया महत्वपूर्ण निर्णय कुबराज टुडू को दखल दिलाई गई

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ व्यवहार न्यायालय में एक महत्वपूर्ण मामले में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सब जज 1 विशाल मांझी के न्यायालय ने कुबराज टुडू के पक्ष में एक बड़ा निर्णय दिया है। न्यायालय ने टाइटल एग्जीक्यूशन वाद 9/23 कुबराज टुडू बनाम भारती मड़ैया और अन्य में पारित आदेश पर कुबराज टुडू को दखल दिलाई गई है। इस निर्णय के तहत, कुबराज टुडू को मौजा बाकडुबा, थाना महेशपुर, जिला पाकुड़ में स्थित करीब 20 बीघा जमीन का दखल दिलाया गया है। यह निर्णय 2 वर्षों से लंबित इस मामले में एक महत्वपूर्ण मोड़ है और कुबराज टुडू के लिए एक बड़ी जीत है। दखल दिहानी के दौरान, व्यवहार न्यायालय के नजीर कामेश्वर दास, अनुसेवक रामाशंकर यादव, ग्राम प्रधान, अमीन और अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। यह निर्णय न केवल कुबराज टुडू के लिए एक महत्वपूर्ण जीत है, बल्कि न्यायालय की कार्यवाही में पारदर्शिता और निष्पक्षता का भी प्रमाण है। इस निर्णय से कुबराज टुडू को अपनी जमीन पर अधिकार मिलेगा और उन्हें अपनी संपत्ति का उपयोग करने का पूरा अधिकार होगा। यह निर्णय क्षेत्र के लोगों के लिए भी एक संदेश है कि न्यायालय में पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निर्णय दिए जाते हैं।

आयशर ट्रक्स एंड बसेज ने रांची में पेश किए अत्याधुनिक कोयला परिवहन समाधान

नई आयशर प्रो 6048टी 1074 टिपर का लॉन्च, खनन क्षेत्र की बढ़ती जरूरतों को देखते हुए किया गया

रांची, :

वीई कमर्शियल व्हीकल्स की यूनिट आयशर ट्रक्स एंड बसेज ने झारखंड की राजधानी रांची में 'कोल सॉल्यूशन मीट' का आयोजन कर खनन और कोयला परिवहन क्षेत्र के लिए अपने अत्याधुनिक वाणिज्यिक वाहनों (कमर्शियल व्हीकल) की रेंज प्रदर्शित की। इस अवसर पर कंपनी ने नए आयशर प्रो 6048टी 10७4 टिपर को लॉन्च किया, जो भारी टन भार के कोयला परिवहन की मांग को ध्यान में रखते हुए डिजाइन की गई है। कार्यक्रम में ग्राहकों, वित्तीय संस्थानों, बॉडी बिल्डर्स, विक्रेताओं और आयशर श्योर पार्टनर्स सहित कई हितधारकों ने भाग लिया। खनिजों से समृद्ध छोटा नागपुर क्षेत्र में स्थित झारखण्ड के रांची को इस आयोजन के लिए इसलिए चुना गया क्योंकि यह भारत के कोयला खनन और खनिज आधारित उद्योगों का केंद्र माना जाता है।

प्रदर्शित प्रमुख वाहन मॉडलों में शामिल रहेः

आयशर प्रो 8035एक्सएम (रॉक और बॉक्स बॉडी में) झ ओवरबर्डन और कोयला खनन के लिए आयशर प्रो 6055 एक्सपी (4७2) झ लंबी दूरी के कोयला परिवहन के लिए कंपनी ने बताया कि अब उद्योग बहु-अक्षीय टिपर्स की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जिनकी 35 टन और 48 टन की श्रेणी में भारी मांग है। इसका उद्देश्य कम वाहनों में ज्यादा माल ढुलाई और लागत प्रति टन को कम करना है।

नई आयशर प्रो 6048टी झ प्रमुख विशेषताएँः

शक्तिशाली वीईडीएक्स8 इंजन के साथ 300 हॉर्सपावर और 1200 एनएम टॉर्क 29 क्यूबिक मीटर बॉक्स बॉडी के साथ उच्च पेलोड क्षमता उन्नत ईंधन दक्षता और कम परिचालन लागत आधुनिक स्लीपर केबिन, एचवीएसी, एयर सस्पेंडेड ड्राइवर सीट सुरक्षा तकनीकः वर्टिकल एग्जॉस्ट, हिल स्टार्ट असिस्ट, इंजन ब्रेक, इंटर-एक्सल डिफरेंशियल लॉक, एंटी-रोल बार फ्यूल कोचिंग और एडवांस्ड टेलीमैटिक्स जैसी स्मार्ट तकनीकें जो बेहतर फ्लीट मैनेजमेंट में मदद करती हैं आयशर ट्रक्स एंड बसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एचडी टिपर सेल और मार्केटिंग) देवरत सिंह ने कहा, ॄआयशर का उद्देश्य है भविष्य के लिए तैयार ट्रांसपोर्ट समाधान देना जो प्रदर्शन और तकनीक का बेहतरीन मेल हो। हमारी हेवी ड्यूटी रेंज को खासतौर पर भारत के खनन क्षेत्र की जरूरतों के अनसार तैयार किया गया है, जिससे लागत कम हो, माइलेज बेहतर मिले और उत्पादकता बढ़े। आयशर के सभी वाहन एआई-आधारित 'अपटाइम सेंटर' से जुड़े हैं, जो रिमोट और प्रेडिक्टिव डायग्नोस्टिक्स की सुविधा देता है। इसके अलावा 'माय आयशर' मोबाइल ऐप के जरिए रियल-टाइम वाहन प्रदर्शन की निगरानी की जा सकती है। देशभर में आयशर का नेटवर्क 1080+ टचपॉइंट्स, 500+ अधिकृत सर्विस सेंटर्स, 7000+ रिटेल सेंटर, और 350+ साइट सपोर्ट लोकेशंस तक फैला हुआ है, जिससे ग्राहकों को हर स्तर पर सहायता मिल सके। आयशर का यह नवाचार, कोयला परिवहन में विश्वसनीयता, सुरक्षा और दक्षता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक अहम पहल है।

ताइवान में भारत की महिला रिले टीम ने रचा इतिहास, एचआरडीएस इंडिया की स्नेहा के शानदार प्रदर्शन से मिली स्वर्ण जीत

सुधीक्षा, अभिनया, स्नेहा और नित्या की चौकड़ी ने 4100 मीटर रिले में पहला स्थान हासिल कर बनाया चैंपियनशिप रिकॉर्ड

नई दिल्ली, ।

भारत की महिला 4100 मीटर रिले टीम ने ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 में स्वर्ण पदक जीतकर नया इतिहास रच दिया है। टीम ने 44.07 सेकंड में रेस पूरी करते हुए चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाया। विजेता टीम में वी. सुधीक्षा, अभिनया राजराजन, एस. एस. स्नेहा और नित्या गांधी शामिल थीं, जिन्होंने बेहतरीन समन्वय और गति के साथ यह उपलब्धि हासिल की है।

यह जीत भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक बड़ी उपलब्धि और एचआरडीएस इंडिया स्पोर्ट्स अकादमी के लिए गर्व का क्षण है, जो विजेता टीम की सदस्य एस. एस. स्नेहा को प्रशिक्षण और सहयोग देती है। यह वही टीम है (जिसमें पहले सुधीक्षा की जगह सीनियर धाविका स्त्रबनी नंदा थीं) जिसने एक सप्ताह पहले कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में रजत पदक जीतकर भारत को 2025 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप (टोक्यो) में क्वालीफाई कराया था।ताइवान में सुधीक्षा के शामिल होने से टीम में बदलाव जरूर हुआ, लेकिन प्रदर्शन में कोई कमी नहीं आई। चारों धाविकाओं ने उत्कृष्ट तालमेल, सटीक बैटन पासिंग और तेज रफ्तार के साथ दौड़ पूरी की और एशिया की प्रमुख टीमों को पीछे छोड़ा। एचआरडीएस इंडिया स्पोर्ट्स अकादमी के निदेशक अजी ने कहा कि ह्लयह स्वर्ण पदक सिर्फ खेल में सफलता नहीं, बल्कि इस बात का प्रमाण है कि जब प्रतिभा को सही अवसर और मार्गदर्शन मिलता है, तो असाधारण परिणाम सामने आते हैं। स्नेहा की यह उपलब्धि ग्रामीण और आदिवासी बेटियों के लिए प्रेरणा बन चुकी है।संस्था के आध्यात्मिक मार्गदर्शक गुरु आत्मानंबी जी ने कहा कि ह्लहर जीत सिर्फ व्यक्तिगत नहीं होती–यह सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक होती है। स्नेहा की यह सफलता हर उस लड़की की जीत है जो सीमाओं से परे जाकर कुछ कर दिखाने का सपना देखती है।ह्व

यह अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक एचआरडीएस इंडिया स्पोर्ट्स अकादमी की पहली वैश्विक सफलता है, जो इसे भारत के वंचित और हाशिए पर खड़े युवाओं के लिए एक सशक्त मंच के रूप में स्थापित करता है। केरल स्थित यह संस्था विशेष रूप से आदिवासी और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण और संसाधनों की सुविधा देती है।जैसे-जैसे टोक्यो विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 नजदीक आ रही है, ताइवान में भारत की यह स्वर्णिम जीत स्पष्ट संकेत देती है कि हमारी महिला रिले टीम वैश्विक मंच पर चुनौती देने के लिए पूरी तरह तैयार है

संक्षिप्त समाचार

नदी में मिला नाबालिक लड़की का शव, परिवार में मातम

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःमहेशपुर थाना क्षेत्र के बाबूदाहा गांव में शनिवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जब 15 वर्षीय लड़की की लाश बांसलोई नदी में तैरती हुई मिली। मृतिका की पहचान पूनम कुमारी के रूप में हुई है, जो अपने पिता दुलाल पाल के लिए खाना लेकर नदी पार कर रही थी। पूनम कुमारी के पिता दुलाल पाल बांसलोई नदी में बालू उठाव का काम करते हैं। शुक्रवार को पूनम अपने पिता को खाना देने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। शनिवार सुबह ग्रामीणों ने नदी में पूनम का शव तैरते हुए देखा। ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया। घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में मातम सा छा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

नाथनगर सीटीएस मैदान में बकरीद काफी धूमधाम से मनाया, शांति , सद्भाव, भाईचारा का एक विशाल स्थापित किया है भागलपुर सिल्क नगरी

दिव्य दिनकर

भागलपुर नाथनगर पूरे देश में धूमधाम से बकरीद मनाया जा रहा है ' वही नाथनगर सीटीएस के मैदान में शांति ,सद्भाव, भाईचारा से बकरीद मनाया गया' सार्वजनिक पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव कहते हैं कि सभी त्यौहार को हम दोनों भाई राम रहीम की तरह मानते आ रहे हैं' आज सिल्क नगरी भागलपुर की यही खूबसूरती है ' मौके पर विधानसभा पूर्व प्रत्याशी पूजा समिति अध्यक्ष पप्पू यादव, डीएसपी राकेश 2 नाथनगर वीडियो थाना अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ललमटिया प्रभारी राजीव रंजन, निजात अंसारी, देवाशीष बनर्जी ,भावेश यादव, अशोक राय ,अमरकांत मंडल, शंकर चौधरी ,लक्ष्मी यादव ,संजय यादव, मोहम्मद सिकंदर ,जाबिर अंसारी ,डॉ अनवारुक ,अयाज अंसारी, असलम नियाजी सभी लोग शांति ,सद्भाव भाईचारा का एक मिसाल स्थापित किया है'

गोदान काव्य रूपांतरण का लोकार्पण में शाहाबाद के डीआईजी डॉ सत्यप्रकाश होंगे मुख्य अतिथि

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित जिला मुख्यालय औरंगाबाद से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित औरंगाबाद पटना रोड के बाईं ओर चित्रगोपी मोड़ के समीप दशरथ प्रसाद रामानंदन पांडेय बी एड कॉलेज के प्रांगण में 8 जून को झारखंड के चर्चित साहित्यकार एवं कवि राकेश कुमार मिश्र प्रणीत गोदान काव्य रूपांतरण का लोकार्पण समारोह जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन औरंगाबाद एवं समकालीन जवाबदेही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा।इस आशय की जानकारी देते हुए संस्था के उपाध्यक्ष सह मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि शाहाबाद के डीआईजी डॉ सत्यप्रकाश,डॉ सुधीर कुमार मिश्र प्राचार्य सच्चिदानंद सिंहा कॉलेज एवं औरंगाबाद के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडेय होंगे।वहीं पंचदेव धाम चपरा के संस्थापक अशोक कुमार सिंह उद्घाटन कर्ता एवं मुख्य वक्ता के रूप में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह की गरिमामई उपस्थिति होगी।आर एन पी ग्रुप के संस्थापक शंभूनाथ पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन टाइम्स आफ इंडिया के ब्यूरो प्रमुख प्रेमेंद्र मिश्रा द्वारा किया जाएगा।जबकि,मेदिनीनगर के वरिष्ठ साहित्यकार श्रीधर चतुर्वेदी एवं गढ़वा के साहित्यकार प्रोफेसर सुरेंद्र मिश्रा जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।स्वागत काव्य धनंजय जयपुरी एवं धन्यवाद ज्ञापन समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा द्वारा किया जाएगा।प्रोफेसर शिवपूजन सिंह, प्रो रामाधार सिंह एवं सिद्धेश्वर विद्यार्थी की गरिमामई उपस्थिति में स्वागत कर्ता के रूप में पुरुषोत्तम पाठक,चंदन कुमार,लालदेव प्रसाद एवं सुरेश विद्यार्थी अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।लोकार्पण समारोह की समीक्षा की गई।समीक्षोपरांत पाया गया कि सारी तैयारियां पूर्ण हो गई हैं।

प्रखंड ईदगाह व मस्जिदों में धर्मावलंबियों ने पढ़ा नमाज

रिपोर्ट – निशांत कुमार

हसपुरा -- ईद - उल - अजहा (बकरीद) का त्योहार को लेकर प्रखंड के सभी जगहों पर ईदगाह व मस्जिदों में धर्मावलंबियों ने नमाज पढ़ा। सभी जगहों पर पुलिस की गशित दल घुम-घुम कर निगरानी में लगे हुए थे। अमझरशरीफ के पुरानी जामा मस्जिद में आबिद कादरी व दारूल उलूम सैयदना मस्जिद मे नमाज अदा करा रहे मौलाना युनूस, मौलाना अख्तर, हाफिज पैगाम ने कहा ईद - उल - अजहा (बकरीद) का त्योहार समर्पण और बलिदान का प्रतीक है। इस्लाम धर्म में बलिदान का बहुत अधिक महत्व है। ईद - उल - अजहा पर्व हमें सच्चाई की राह पर चलते हुए हर तरह की कुबार्नी देने की प्रेरणा देता है। नमाज में शामिल भोला कुरैशी, ताहिर कुरैशी, शाहबाज अंसारी,मो.तसउअर सहित तमाम लोगों ने अमन चैन व सुख समृद्धि की अल्लाह से दुआ मांगी।

बकरीद पर अजहर बने फरिश्ताघर-घर पहुँचाया सौगात

गरीब, असहाय, जरूरतमंदों के चेहरे पर दिखा मुस्कान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ बकरीद के मौके पर पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र में एक बार फिर इंसानियत ने धर्म से बड़ा रूप ले लिया। पूर्व एनडीए प्रत्याशी सह समाजसेवी अजहर इस्लाम ने गरीब व जरूरतमंद परिवारों की ईद को खास बनाने की अनूठी पहल की। उन्होंने बीती रात अपने समर्पित कार्यकताओं के साथ मिलकर ईद किट का वितरण किया, ताकि कोई भी परिवार त्योहार की रौनक से वंचित न रहे।अजहर इस्लाम ने कहा, ?ईद की खुशी हर घर तक पहुँचे, यही हमारा संकल्प है। हमारा प्रयास है कि कोई भी जरूरतमंद खुद को अकेला न समझे। जब तक हम हैं, हर खुशी में साथ देंगे।?इस दौरान उन्होंने खास-ाकर उन महिलाओं और बुजुर्गों तक मदद पहुँचाई, जिनके घर में आर्थिक तंगी के कारण त्योहार फीका पड़ने वाला था। वितरण में सेवइयां, दूध, चीनी, चावल, दाल सहित अन्य जरूरी सामग्री शामिल थी।

रातभर चला वितरण अभियान, हर चेहरे पर लौटाई रौनक

शुक्रवार देर रात शुरू हुआ यह अभियान शनिवार सुबह तक जारी रहा। क्षेत्र के कई मोहल्लों और बस्तियों में स्वयं अजहर इस्लाम ने पहुँचकर लोगों को ईद की बधाई दी और किट सौंपी। उनके इस कदम से जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई।स्थानीय लोगों ने इसे सराहनीय कदम बताया और कहा कि यह पहल बताती है कि आज भी समाज में ऐसे लोग हैं जो दूसरों की खुशी में ही अपनी ईद मानते हैं.

धूमधाम से मनाया गया त्याग एवं बलिदान का महापर्व बकरीद,अमन की दुआ मांगी,पुलिस प्रशासन रहें मौजूद

दिव्य दिनकर(प्रभात कुमार मिश्रा)

जयनगर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के द्वारा त्याग और बलिदान का पर्व बकरीद भारी उत्साह के साथ गले से गले मिल कर मनाया गया। क्षेत्र के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बरही,बलडीहा,जयनगर,बस्ती,बैरा,यूनियन टोल,देवधा,बेला आदि स्थानों पर स्थित ईदगाहों को विशेष रूप से साफ सफाई कर रंगाई-पोताई कर सजाया गया था । जहां काफी संख्या में जुटे अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय के लोगों ने शनिवार की सुबह बकरीद की नमाज अदा कर एक-दूसरे को गले मिलकर आपसी सौहार्द एवं भाईचारा से रहने का संदेश दिया। इस दौरान थाना क्षेत्र के सभी ईदगाहों पर पुलिस चौकसी बढ़ा दी गई थी।इस मौके पर इमाम मौलाना मोहम्मद कलीम अशरफ ने बताया कि बकरीद का तात्पर्य सिर्फ कुबार्नी देना ही नही है बल्कि अल्लाह ताला एवं खुदा के समक्ष अपनी अजीज इच्छाओं एवं भावनाओं को समर्पण करने का पर्व है। लोग हजरत इब्राहिम की कुर्बानियों का अपने जीवन में अमल करें। जिसने खुदा के समक्ष अपने एकलौते पुत्र की कुबार्नी देकर दुनिया को त्याग और बलिदान का संदेश दिया था।बेल्ही पश्चिमी पंचायत के सरपंच मोहम्मद जहाँगीर हाशमी ने बताया कि ईद-उल-अजहा की नमाज हर शख्स पर वाजिब है। अल्लाह की वफादारी के साथ ही उन्हे राजी एवं खुशी करने के लिए अपना सबकुछ कुर्बान कर देना ही इसका उद्देश्य है।नमाज समाप्त होने पर इस्लाम धर्मावलंबियों ने पूरे विव के साथ भारत में अमन शांति व आपसी भाईचारा को लेकर अल्लाह से दुआ मांगी।नमाज पढ़ने के बाद सभी उम्र के लोगों ने सभी मनमुटाव को भूल कर एक दूसरे के गले लग कर ईद की मुबारकबाद पेश की। इस्लाम धर्मावलंबियों ने कहा कि बकरीद का तात्पर्य सिर्फ कुबार्नी देना ही नही बल्कि खुदा के समक्ष अपनी अजीज इच्छाओं एवं भावनाओं को समर्पण करने का पर्व है।इस मौके पर कई लोग मौजूद थे।

ईद-उल-अजहा का पर्व पूरे अकीदत और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

दिव्य दिनकर जिला चीफ ब्यूरो दीप नारायण यादव

मेहसी/मोतिहारी। प्रखंड क्षेत्र में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व शुक्रवार को पूरी श्रद्धा, भक्ति और भाईचारे के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोगों में पर्व को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इलाके की सभी ईदगाहों और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई और देश-दुनिया में अमन-चैन, एकता और खुशहाली के लिए दुआ मांगी गई।

मिर्जापुर ईदगाह में हजारों की संख्या में नमाजी उमड़े सबसे बड़ी नमाज मिर्जापुर ईदगाह में अदा की गई, जहाँ लगभग 10 हजार से अधिक नमाज़ियों ने एक साथ ईद-उल-अजहा की नमाज पढ़ी। नमाज की इमामत मौलाना अमजद अली मनजरी ने की। नमाज के बाद मौलाना ने विशेष खुतबा (उपदेश) देते हुए लोगों से एकता, भाईचारा और इंसानियत के मार्ग पर चलने की अपील की। उन्होंने भारत सहित पूरी दुनिया में अमन, विकास और सलामती की दुआ की। दूसरी जमाअत में हाफिज इरशाद आलम ने पढ़ाई नमाज ईदगाह में दूसरी जमाअत भी हुई जिसमें हाफिज इरशाद आलम ने नमाज अदा कराई। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और समाज में सौहार्द बनाए रखने का संकल्प लिया।

प्रखंड के विभिन्न गाँवों में भी अदा की गई ईद की नमाज प्रखंड क्षेत्र के अन्य गाँवों–ढरगावां, मैनमेहसी, बथना, हरपुरनाग, सराय बनवारी, काजी चक, कोठिया हरिराम समेत अन्य ईदगाहों में भी मुस्लिम भाइयों ने नमाज अदा की। नमाज के बाद मिल्लत और मुल्क की सलामती के लिए दुआएँ मांगी गईं। कुबार्नी, बलिदान और मानवता की सेवा का पैगाम ईद की नमाज के बाद जिन लोगों पर कुबार्नी फर्ज. थी, उन्होंने अपने-अपने घरों पर बकरों की कुबार्नी दी। इस्लामी परंपरा के अनुसार कुबार्नी का गोश्त तीन भागों में बांटा गया–एक हिस्सा गरीबों, एक रिश्तेदारों और एक स्वयं के लिए। कई स्थानों पर गोश्त विशेष रूप से जरूरतमंद और बेसहारा लोगों के बीच वितरित किया गया, जिससे इस पर्व की मानवीय भावना और सामाजिक समरसता उजागर हुई। प्रशासन रहा मुस्तैद, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद पूरे पर्व के दौरान मेहसी थाना अध्यक्ष सानू गौरव स्वयं अपने दलबल के साथ क्षेत्र में गश्त करते रहे। प्रशासन ने हर संभावित स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम किया था। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है, जिससे यह पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही विशेष इस अवसर पर क्षेत्र के कई प्रतिष्ठित व सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति रही, जिनमें मोहम्मद अखलाक, अताउर रहमान, मास्टर शाहिद रजा, फैज अहमद टीपू सुल्तान, नसीम अहमद, रिजवान अहमद, लतीफुर रहमान, ताजुल हक ताज, फैजान अहमद, मोहम्मद फारूक, हाजी कारीमुल्लाह, हाजी वकील अहमद, नजीबुर रहमान, कलामुद्दीन खान, मोहम्मद हदीस, हाजी मोईम, हाजी गयासुद्दीन, कलीमुर रहमान, हाफिज कैसर अली, अबुल कलाम आजाद, मोहम्मद रियाज, मौलाना कौसर अली, अब्दुल रशीद, हाजी महबूब अली, फजलुर्रहमान, कलाम राईन, जाहिद रजा, खालिद रजा, जफर इकबाल, वाजिद अली, साजिद अली, अतीकुर्रहमान सहित अनेक समाजसेवी, शिक्षक, व्यवसायी व युवाओं की सक्रिय भागीदारी रही।

ईद-उल-अजहा पर ईदगाह व मस्जिदों में सामूहिक नमाज

नमाज अदा करने को एक-दूसरे से गले मिल दिया मुबारकवाद

औरंगाबाद :-

ईद-उल-अजहा यानि बकरीद शनिवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। ईदगाह एवं मस्जिदों में सामूहिक नमाज अदा की गई। ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक-दूसरे का गले मिल त्याग व बलिदान के त्योहार ईद-उल-अजहा की बधाई दिया। इधर ईदगाह के पास सामूहिक नमाज के बाद मेले जैसा दृश्य देखने को मिला। पर्व पर शांति व्यवस्था कायम करने के लिए ईदगाहों एवं चौक चौराहों पर सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। कहीं कोई अप्रिय घटना न हो इसको लेकर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। शहर में लगातार पुलिस गश्ती हो रही थी। शहर के हर चौक-चौराहे पर ईदगाह, जामा मस्जिद, मदरसा इस्लामिया में ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। मौके पर ईद मिलन का आयोजन किया गया। पर्व के दौरान इस्लाम टोली, शाहगंज, नावाडीह रोड, पठान टोली, कुरैशी मोहल्ला, टिकरी रोड, अलीनगर में सुबह से उत्साह दिखा। समाजसेवी मो. शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान, सिकंदर हयात ने बताया कि यह पर्व अल्लाह के लिए अपने चहेते की कुबार्नी के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। वैसे ईद-उल-अजहा की दूसरी विशेषता यह है कि इसी ईद पर वर्ष में एक बार मक्का शरीफ में हज होता है। यहां दुनिया भर के मुस्लिम धर्मावलंबी सफर तय कर एक जगह जमा होते हैं। इस्लाम के एक रहम फरीजे को याद करते हैं। इधर बकरीद पर बच्चों में काफी उत्साह देखा गया। बच्चों ने भी एक दूसरे को गले मिल बधाई दिया। जामा मस्जिद के पास नमाज के समय सुरक्षा के सख्त प्रबंध किए गए थे। एसडीओ संतन कुमार सिंह, एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय, नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह शहर के विभिन्न मस्जिद की गश्ती कर रहे थे। स्वयं सुरक्षा का जिम्मेदारी संभाले हुए थानाध्यक्ष शुक्रवार को रात्रि में बकरीद का लेकर सुरक्षा का जायजा में लग रहे। नागरिकों से शांतिपूर्वक बकरीद पर्व मनाने की अपील किया। ट्रैफिक डीएसपी मनोज कुमार, नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर उमेश कुमार, जयप्रकाश सिंह, प्रवीण कुमार, नगर थाना के सब इंस्पेक्टर चंदन दास भी शहर में विभिन्न जगहों पर सुरक्षा का जायजा लेते रहे।क्यों मनाया जाता है बकरीद बकरीद को ईद-उल-अजहा या कुबार्नी की ईद के नाम से जाना जाता है। इस्लाम धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह पर्व हज यात्रा के समापन पर मनाया जाता है, जो इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। बकरीद हमें सिखाती है कि सच्चा धर्म वही है जिसमें त्याग, सच्चाई और इंसानियत की भावना हो। इस दिन मुसलमान कुबार्नी की रस्म निभाकर उस ऐतिहासिक घटना को याद करते हैं। यह त्योहार हमें संदेश देता है कि अल्लाह की राह में खुद को समर्पित करना ही सच्ची भक्ति है।

इक से गिरकर किशोर घायल हुआ

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद : नगर थाना क्षेत्र में गांधी मैदान के पास शनिवार को बाइक से गिरकर किशोर घायल हो गया। शाहपुर निवासी कपिल दास के 17 वर्षीय पुत्र रुपेश कुमार का इलाज सदर अस्पताल में किया गया। ड्यूटी पर रहे चिकित्सकों ने उपचार किया। सदर अस्पताल में घायल किशोर ने बताया कि किसी कार्य से फारम की तरफ जा रहे थे। गांधी मैदान के पास बाइक अनियंत्रित होकर पलट गया जिस कारण घायल हो गए।

विश्व शांतिदूत डॉ. के. ए. पॉल: अमेरिकी शिविर से नई दिल्ली तक, शांति का संदेश

नई दिल्ली ,

।प्रसिद्ध शांतिदूत डॉ. के. ए. पॉल ने हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के सबसे बड़े 5,000 एकड़ के शिविर में सैकड़ों युवा अमेरिकियों को एक प्रेरक भाषण दिया, जो उनकी वैश्विक शांति और एकता को बढ़ावा देने की निरंतर मिशन का हिस्सा था।उच्च-स्तरीय बैठकों की एक श्रृंखला में, डॉ. पॉल ने प्रमुख रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक नेताओं के साथ मुलाकात की, जिनमें वरिष्ठ सीनेटर और पूर्व राष्ट्रपति उम्मीदवार जैसे कोरी बुकर, एमी क्लोबुचर, बर्नी सैंडर्स, टेड क्रूज, और लिंडसे ग्राहम शामिल थे। उन्होंने ट्रम्प के अंतरराष्ट्रीय राजदूत, तीन बार के सीनेटर और दो बार के गवर्नर सैम ब्राउनबैक से भी मुलाकात की। इन चचाओं के दौरान, डॉ. पॉल ने वैश्विक शांति की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित किया:1. पाकिस्तान से आतंकवादी हमलों और चीन के सीमा क्षेत्रों पर कब्जे के बीच भारत के लिए समर्थन। 2. रूस के यूक्रेन पर आक्रमण, जिसके परिणामस्वरूप 850,000 रूसी सैनिकों और लाखों यूक्रेनियनों की मृत्यु हुई।3. इजराइल, फिलिस्तीन और ईरान के बीच शांति की आवश्यकता। डॉ. पॉल ने दुनिया भर में 56 सक्रिय युद्धों के भारी नुकसान पर प्रकाश डाला, जो अरबों डॉलर की लागत और लाखों लोगों की जान ले रहे हैं। उन्होंने एकजुट कार्रवाई का आह्वान किया और अमेरिकी नेताओं को आगामी वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया, जिसमें से कई ने सैद्धांतिक रूप से भाग लेने के लिए सहमति व्यक्त की। एक महत्वपूर्ण विकास में, हाउस और सीनेट में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों यूक्रेन में रूस की कार्रवाइयों को संबोधित करने के लिए रूस के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों को सर्वसम्मति से मंजूरी देने के लिए तैयार हैं। इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए, डॉ. के. ए. पॉल 10 जून, 2025 को दोपहर 12:00 बजे आंध्र भवन, नई दिल्ली में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया को संबोधित करेंगे। सभी मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे इस महत्वपूर्ण शांति संदेश को विश्व के राष्ट्रों तक पहुंचाने के लिए उपस्थित हों।

डॉ. के. ए. पॉल एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त शांति अ॰िड्ढ़ेशी हैं, जो संघर्षों को हल करने, संवाद को बढ़ावा देने और राष्ट्रों के बीच सामंजस्य स्थापित करने के लिए समर्पित हैं। अपने वैश्विक शांति पहल के माध्यम से, वे एक शांतिपूर्ण भविष्य के निर्माण के लिए विश्व नेताओं और समुदायों के साथ जुड़ना जारी रखते हैं।

सलवार का इंडो-वेस्टर्न टच

आप इंडो-वेस्टर्न टच कैरी करना चाहती है तो सलवार के साथ पा सकती है स्टाइलिश लुक। कुछ खास डिजाइंस पर कानपुर के एक्सपर्ट्स की नजर..

सलवार ट्रेडिशनल आउटफिट होने के साथ ही अब और भी स्टाइलिश और ट्रेंडी हो गई है। गर्ल्स के पास सलवार के एक या दो नहीं, कई डिजाइंस कैरी करने के ऑप्शंस है। इन्हे आप इंडियन के साथ इंडो-वेस्टर्न स्टाइल में भी कैरी कर सकती है।

पटियाला का टशन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक रंजना पांडेय बताती है, पटियाला सलवार कंपलीट पंजाबी कुड़ी का लुक देता है। यह काफी घेर वाली लेयर्ड होती है और हर तरह की फैब्रिक के लिए सूटेबल भी। इसके साथ नीलेंथ कुर्ती बहुत फबती है। इसके साथ दुपट्टा कैरी कर सकती है लेकिन कैजुअल लुक चाहती है तो दुपट्टा अवॉइड करना ठीक रहेगा।

जोधपुरी का जलवा

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल बताती है, इसकी मोहरी ज्यादा चौड़ी नहीं होती और यह काफी घेरदार होती है। इसके प्लेन और प्रिंटेड दोनों ही डिजाइंस स्टाइलिश दिखते है। सलवार अगर प्लेन कैरी करे तो कुर्ती प्रिंटेड पहनें। यह कंपलीट ट्रेडिशनल लुक देती है इसलिए इसके साथ मैचिंग की चूड़ियां जरूर पहनें।

हेरम के रंग

जेडी फैशन डिजाइनिंग इंस्टीटयूट की निदेशक डॉ. आशा सिंह बताती है, हेरम सलवार ऊपर से काफी लूज और नीचे से नैरो होता है। इसे टॉप के साथ कैरी कर स्टाइलिश लुक पा सकती है। अगर भीड़ से जुदा दिखना चाहती है तो इसे शॉर्ट कुर्ती के साथ कैरी करे। हेरम एंकल पर खुली होती है इसलिए एंकलेट पहनकर मैचिंग जमा सकती है।

काउल की टॉप मैचिंग!

यूआईडी की फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, काउल सलवार के साथ टॉप या फिर किसी तरह की कुर्ती को मैच कराकर पहन सकती है। यह पटियाला की तरह ही लेयर्ड होती है और एंकल्स पर थोड़ी खुली हुई। जब इसे टॉप के साथ पहनें तो वेस्ट पर लटकन वाली बेल्ट आजमाएं। इससे डिफरेट लुक मिलेगा।

ऐसे दिखें फ्रेश

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

पसंद आ रहे है स्टाइलिश पेंडेट

मार्केट वॉच

स्टाइलिश लुक के लिए हमेशा ही कुछ नए की तलाश में रहने वाली गर्ल्स के बीच पेंडेट्स का चलन बढ़ रहा है। गर्ल्स की इसी चाहत के चलते शहर की जूईलि व गिफ्ट शॉप्स में पेंडेट्स की कई नई वैरायटियां उपलब्ध हैं।

जंक पेंडेट

इस समय जंक पेंडेट अपने डल और सोबर कलर से गर्ल्स को खूब आकर्षित कर रहे है। कॉपर के ब्राउन, ब्लैक और यलो जैसे डल शेड्स के पेंडेट अट्रैक्टिव लुक देते है। इन पेंडेट को डिफरेंट लुक देने के लिए कॉपर चेन या पर्ल सेट का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

व्हाइट मेटल पेंडेट

फैशन डिजाइनर तरु सेठ कहती है, व्हाइट मेटल पेंडेट आपको हर डिजाइन व शेप में मार्केट में मिल जाएंगे, किस तरह का पेंडेट आप पर जंचेगा यह तो आपकी ड्रेस पर ही डिपेंड करेगा। यह पेंडेट आप थ्रेड चेन में पहन सकती है। सफेद चमकदार होने के कारण यह हर तरह से आपको सोबर लुक देगा।

ब्लैक मेटल पेंडेट

काकादेव स्थित गिफ्ट शॉपी के संचालक आशीष सिंह बताते है, इन पेंडेट की खासियत होती है कि यह हर तरह की चेन पर फिट हो जाते है। इन्हें अधिक स्टाइलिश लुक देने के लिए इनमें कई चेन डाल कर भी पहना जा सकता है। यह डिफरेट शेप में और हर साइज में अच्छा लगता है।

बीड एंड पर्ल पेंडेट

लार्ज सिंगल बीड और क्रिस्टल बॉल वाले पेंडेट भी यूनीक स्टाइल में उपलब्ध है। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी बताती है, यह जींस टॉप और सलवार सूट दोनों पर परफेक्ट लगता है। इन पेंडेट को डिफरेट लुक देती है इनके साथ अटैच मोती व क्रिस्टल की माला। अगर आप भारी-भरकम जूईलि को किनारे कर कुछ सिंपल और गार्जियस लुक चाहती है तो हार्ट शेप स्वरोस्की पेंडेट्स बेहतर विकल्प साबित हो सकते है। बस इसके लिए जरूरत है मार्केट में उपलब्ध रेज में अपने लिए उचित पेंडेट्स का चयन।

हॉट है पोलका डॉट

फैशन में पोलका डॉट हिट है। इन्हे कैरी कर पा सकती है वेस्टर्न व एथनिक लुक, बता रही है कानपुर की कुछ फैशन एक्सपर्ट..

रट्रो फैशन से पोलका डॉट की फिर वापसी हुई है। डिजाइनर कलेक्शस से लेकर कूल कैजुअल्स तक में पोलका के ढेरों अंदाज देखने को मिल रहे है। ड्रेसेज के अलावा इन दिनों बैग्स, शूज, बेल्ट, स्कार्फ और सॉक्स तक में पोलका डॉट्स छाए हुए हैं।

ओकेजन के हिसाब से चयन

फैसकॉस फैशन डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट की निदेशक रंजना पांडेय कहती है, हर बॉडी टाइप को सूट करने वाले इस ट्रेंड को कैरी करने के लिए आपको थोड़ा केयरफुल रहने की भी जरूरत है। पोलका डॉट्स ट्रेंड में है लेकिन स्टाइलिश दिखने के लिए ड्रेस के कट्स पर ध्यान देना भी जरूरी है। इसकी हर ड्रेस अलग लुक देती है इसलिए अकेजन के मुताबिक ही इसे कैरी करे।

कलर्स का रखें ध्यान

फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल कहती हैं, ब्लैक और वाइट पोलका हमेशा ट्रेंड में रहता है। दिन में ब्राइट व पेस्टल कलर के पोलका और रात को डीप कलर वाले पोलका अच्छे लगते हैं। डीप कलर में इन दिनों बॉटल ग्रीन, यलो, नेवी ब्लू, चॉकलेट ब्राउन, ब्लैक जैसे कलर्स आप ट्राय कर सकती हैं।

साड़ी में अट्रैक्शन

पोलका डॉट की बयार ड्रेस से लेकर साड़ी तक में देखी जा सकती है। साड़ियों के पल्ले व किनारियों में आप इन प्रिंट्स को कई तरह के डिजाइंस में देख सकती हैं। फैशन डिजाइनर रुचि रोहतगी कहती है, पोलका डॉट से साड़ी भी मॉडर्न ड्रेस में शुमार हो जाती है। इसे आप हर तरह की पार्टी में कैरी कर सकती है।

कुर्तियां हुई स्टाइलिश

फैशन एक्सपर्ट कविता जोतवानी कहती है, इन दिनों कॉटन की कुर्तियों में पोलका डॉट्स प्रिंट खास बने हुए हैं। खास ओकेजन के लिए इनमें हैवी वर्क, एम्ब्रॉयडरी, सितारे , गोटा और पैच वर्क किया गया है। पोलका डॉट्स कुर्तियों में ग?र्ल्स घेरदार, अनारकली, ए लाइन व स्ट्रेट को अधिक पसंद कर रही हैं। ऑफिस गोइंग गर्ल्स में भी इन दिनों इस लुक को एडॉप्ट करने में खासा इंट्रेस्ट दिख रहा है। एक निजी कंपनी में कार्यरत नीतू त्रिवेदी कहती है,कॉलेज जाना हो या ऑफिस, गर्ल्स के बीच जींस सदाबहार रहती है। जींस के साथ अगर पोलका डॉट टॉप पहनी जाए तो ड्रेस का डिफरेट लुक आता है। कुछ चेंज चाहिए तो प्रयोग भी करने होंगे।

इस कोरोना का यथार्थ

कोरोना वायरस का संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है। हमारी निगाह संक्रमित मरीजों की संख्या पर थी। आश्वस्त किया जा रहा था कि कोरोना वायरस की यह नस्ल उतनी भयावह नहीं है, जितनी हम कोरोना की तीन लहरों के दौरान देख और झेल चुके हैं। यह नस्ल संक्रामक जरूर है, तेजी से फैलती है, लेकिन अपेक्षाकृत मारक नहीं है, लिहाजा चिंता न करें, लेकिन सावधानी जरूर बरतें। अब देश में संक्रमित लोगों की संख्या 4000 को पार कर चुकी है और दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार से स्टेटस रपट तलब की है, तब हम भी कुछ चिंतित हुए हैं। शुक्र है कि अदालत ने सरकार को नोटिस नहीं भेजा, क्योंकि देश में सैंपल कलेक्शन और पैथ लैब को लेकर कोई मानक प्रक्रिया ही नहीं है। जांच की गुणवत्ता पर भी सवाल उठते रहे हैं, क्योंकि पैथ लैब की रपटों में गहरी भिन्नता है। यह कोरोना की पूर्व लहरों के दौरान महसूस किया जा चुका है। फिलहाल केरल, महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक आदि राज्यों में संक्रमण का ज्यादा प्रभाव देखा गया है। अकेले केरल में ही संक्रमित मरीजों की संख्या 1500 के पास पहुंच चुकी है। आर्थिक राजधानी मुंबई और देश की राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। फिलहाल मौतों की संख्या आधा दर्जन है और 146 करोड़ की आबादी वाले देश में यह आंकड़ा नगण्य है। अभी तक जो मौतें हुई हैं, वे मधुमेह, उच्च रक्तचाप, निमोनिया, गुर्दे की पुरानी बीमारी, एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम आदि पहले से ही मौजूद बीमारियों के कारण हुई हैं, लेकिन चिकित्सकों ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कोरोना संक्रमण का असर कितना था? जिन राज्यों में संक्रमण तेजी से फैल रहा है, वे बेहतर संसाधनों और स्वास्थ्य ढांचे वाले राज्य हैं, लिहाजा उनकी जिम्मेदारी अधिक है कि संक्रमण का न्यूनतम विस्तार होना चाहिए। 2020-22 के दौरान भी कोरोना की शुरूआत इसी तरह हुई थी। अंततः 5.3 लाख मौतें दर्ज की गईं। जो मौतें दर्ज नहीं की जा सकीं, उनका आंकड़ा भी काफी होगा! गैर-सरकारी संगठन और एजेंसियां यह संख्या 45-47 लाख मानती हैं। बहरहाल उतनी दहशत में आने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) का कहना है कि ज्यादातर कोरोना संक्रमण हल्के हैं। उन्होंने एलएफ-7, एक्सएफजी, जेएन-1 और एनबी-1.8.1 जैसे कुछ सब-वेरिएंट की पहचान की है। उनमें एलएफ-7, एक्सएफजी और जेएन-1 सबसे सामान्य हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मई, 2025 तक ऐसे कोरोना वायरस को ह्यवेरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंग के वर्ग में रखा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन में मुख्य वैज्ञानिक रह चुकीं सौम्या स्वामीनाथन ने भी कहा है कि यह 2020-21 के भयानक दौर की वापसी का संकेत नहीं है, लेकिन इसके मायने ये भी नहीं हैं कि इसको हल्के में लिया जाए। चूंकि भारत में 70 फीसदी से अधिक आबादी में कोरोना का टीकाकरण हो चुका है, लिहाजा महामारी विशेषज्ञों और मेडिकल बिरादरी का मानना है कि कोरोना का मौजूदा वेरिएंट ह्यमौसमी फ्लूह्ल से कुछ ही ज्यादा है।

लेकिन थाईलैंड की खबर है कि वहां करीब 2.5 लाख लोग कोरोना की गिरफ्त में आ चुके हैं। यह सही है कि इस संक्रमण के लक्षण हल्के हैं, लेकिन पहले से गंभीर बीमारियों के शिकार लोगों, बच्चों और बुजुर्गों को किसी भी तरह की लापरवाही भारी भी पड़ सकती है। भारत में सिर्फ कोरोना का ही संकट नहीं है, लेकिन एच5एन1, डेंगू, चिकनगुनिआ, निपाह, जीका आदि खतरनाक वायरसों की घर-घर चर्चा है। ये संक्रमण भी फैलते हैं और मौतें भी होती हैं। हमने इनसे सबक सीखे हैं। जन स्वास्थ्य मशीनरी में जहां भी कमजोर कड़ी दिखाई देती है, उसे बेनकाब किया जाता है। हालांकि इन पर भी सवाल हैं। वायरस की नस्ल की पहचान करने में ही लंबा वक्त खर्च हो जाता है

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

–ललित गर्ग–

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी। भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए है। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत- पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, ह्यहम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं।ह्ल पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्ठा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रस्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी ह्यनो फर्स्ट यूजह्ल की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

जैसे उल्लू को सूर्य नहीं दिखाई देता वैसे ही दुष्ट को सौजन्य दिखाई नहीं देता। – स्वामी भजनानंद

सबसे उत्तम विजय प्रेम की है जो सदैव के लिए विजेताओं का हृदय बाँध लेती है। – सम्राट अशोक

(चिंतन-मनन)

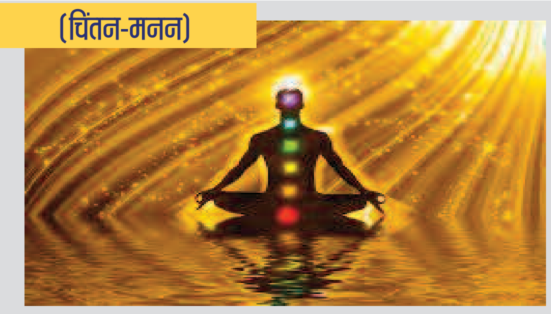

दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं

मनुष्य-जीवन नाना प्रकार के प्रपंचों और प्रवृत्तियों का पुंज है। हम सब में अनेक भाव-कुभाव प्रत्येक पल मन-हृदय से टकराते रहते हैं। हमारा जीवन इन्हीं अच्छाइयों-बुराइयों के बीच व्यतीत होता रहता है।प्रेम और घृणा, उपकार और अपकार भी हमारे जीवन के अनिवार्य अंश हैं। जीवन में उपकार की प्रवृत्ति का अत्यंत महत्व है।दया, प्रेम, करुणा हमारी मूल प्रवृत्तियां हैं।

इन्हीं से उपकार की भावना जाग्रत होती है।उपकार से व्यक्ति श्रेष्ठ बनता है। किसी आपदा में पड़े व्यक्ति का आप उपकार करके देखें।उसका तो कल्याण होगा ही, किंतु इससे आपका मन प्रसन्नता से भर जाएगा। आपका रोम-रोम प्रफुल्लित हो उठेगा और आपके अंग-अंग में सैकड़ों सुमन खिलकर मुस्कराने लगेंगे। 1नि:स्वार्थ उपकार में मिला सुख आपके जीवन को सार्थक कर देगा। कभी-कभी आप हम देखते हैं कि अचानक संकट की घड़ी में जब केवल भगवान का सहारा होता है, तब कोई आकर आपकी ऐसी सहायता कर देता है जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होती। सहायता करने वाला व्यक्ति मात्र भगवत प्रेरणा के चलते ही अयाचित उपकार करके आपको चकित कर देता है, किंतु ऐसा करके उसे जो संतुष्टि मिलती है वही उसका समुचित पुरस्कार है।

भारत में कोरोना की नई लहर और चुनौतियां

–डॉ. अंसार अहमद–

कोरोना (कोविड-19) की नई लहर भारतीय स्वास्थ्य तंत्र के लिए एक गंभीर परीक्षा है। हालांकि टीकाकरण, जांच, और जनसंचार के स्तर पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी अवसंरचनात्मक कमिया, असमान पहुंच और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां अभी बनी हुई हैं।

यदि अतीत से मिले सबक को अपनाते हुए निरंतर निवेश और ठोस रणनीति को अपनाएं तो भारत न केवल वर्तमान संकट से निपट सकता है बल्कि एक समावेशी, लचीले और भविष्य के लिए तैयार स्वास्थ्य तंत्र की स्थापना भी कर सकता है।

एसएआरएस-सीओवी-2 वायरस से फैली कोविड-19 महामारी वैश्विक स्तर पर भारी तबाही मचा चुकी है। मई 2025 तक भारत में 4.5 करोड़ से अधिक पुष्टि किए गए मामले और 5.33 लाख से अधिक आधिकारिक रूप से दर्ज की गई मौतें हो चुकी हैं। अब नए वेरिएंट्स के साथ कोविड-19 की एक नई लहर ने भारतीय स्वास्थ्य तंत्र को एक बार फिर गंभीर दबाव में ला खड़ा किया है। भारत में कोविड-19 का पहला मरीज 30 जनवरी 2020 को सामने आया था। वुहान (चीन) से लौटे तीन मेडिकल छात्रों में वायरस की पुष्टि हुई थी। इसके बाद विभिन्न वेरिएंट्स, जैसे बी.1.617 (डेल्टा) और बी.1.1.7 (अल्फा) ने खासकर 2021 की दूसरी लहर के दौरान व्यापक तबाही मचाई।

मई 2025 में सोशल मीडिया रिपोर्ट्स और सरकारी अलर्ट के अनुसार, जेएन.1 जैसे नए वेरिएंट्स की उपस्थिति ने स्वास्थ्य तंत्र को फिर से सतर्क कर दिया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च और भारतीय एसएआरएस-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) ने जीनोमिक निगरानी तेज कर दी है। अस्पतालों में गंभीर श्वसन रोग और फ्लू जैसे लक्षणों वाले मरीजों पर बारीक नजर रखी जा रही है। हालांकि इस लहर में अस्पताल में भर्ती और मृत्यु दर अपेक्षाकृत कम है, फिर भी मास्क पहनने की सलाह और सतर्क निगरानी इस वायरस के लगातार खतरे की पुष्टि करती है।

इस लहर के उभरने के प्रमुख कारणों में वेरिएंट्स की जेनेटिक परिवर्तनशीलता है। एसएआरएस-कोव-2 की निरंतर उत्परिवर्तन क्षमता ने मौजूदा वैक्सीन और उपचारों की प्रभावशीलता को कम कर दिया है। आईएनएसएसीओजी लगातार नए वेरिएंट्स की पहचान में जुटा है, लेकिन 1.3 अरब की आबादी में समग्र जीनोमिक निगरानी करना एक जटिल चुनौती बना हुआ है। दूसरा टीकाकरण की अपनी सीमा है। भारत ने अब तक अरबों वैक्सीन डोज वितरित की हैं, लेकिन बूस्टर खुराक की कम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित पहुंच से प्रतिरक्षा क्षमता कम हो गई है, जिससे पुनः संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। इसके सामाजिक औरआर्थिक कारक भी हैं। पिछली लहरों से क्षतिग्रस्त अर्थव्यवस्था, बेरोजगारी, और अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं ने जनता की भेद्यता को और बढ़ाया है, जिससे नई स्वास्थ्य पहलों की सफलता सीमित होती जा रही है।

भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। इनमें स्वास्थ्य अवसंरचना पर बोझ का बढ़ना है। 2021 की दूसरी लहर ने भारतीय स्वास्थ्य तंत्र की कमजोरियों को उजागर किया है। ऑक्सीजन, आईसीयू बेड और वेंटिलेटर की भारी कमी सामने आई। सरकार ने 600 से अधिक विशेष कोविड-19 केंद्र स्थापित किए और रेलवे कोच को आइसोलेशन वार्ड में परिवर्तित किया, फिर भी ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं आज भी अपर्याप्त हैं। भारत में डॉक्टर से मरीज का अनुपात 1:1700 है और कई ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में आवश्यक स्टाफ की भारी कमी है। जांच और निगरानी की सीमाएं भी हैं। 2020 के मध्य तक भारत में लगभग 49 लाख नमूनों की जांच की जा चुकी थी, लेकिन राज्यों के बीच जांच क्षमता में असमानता बनी रही। बिहार जैसे राज्यों में जांच दर दिल्ली की तुलना में बहुत कम रही। जीनोमिक निगरानी के बावजूद, त्वरित निदान और एकत्रित परीक्षण जैसी रणनीतियों की आवश्यकता बनी हुई है ताकि संक्रमण पर समय रहते काबू पाया जा सके।

स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा और थकावट से सब परिचित हैं। स्वास्थ्यकर्मी कोविड-19 की सबसे अग्रिम पंक्ति में रहे हैं। वैश्विक आंकड़ों के अनुसार, कुल मामलों में से 4-12 प्रतिशत मामले स्वास्थ्यकर्मियों में दर्ज हुए और 2020 तक भारत में 90 से अधिक डॉक्टर अपनी जान गंवा चुके थे। हालांकि रोजाना छह लाख पीपीई किट का उत्पादन शुरू हुआ, फिर भी गुणवत्ता और वितरण संबंधी समस्याएं बनी रहीं। स्वास्थ्यकर्मियों की शारीरिक और मानसिक थकावट स्वास्थ्य प्रणाली की लचीलापन क्षमता के लिए खतरा है। सामाजिक और व्यवहारिक अवरोध की दिक्कतें अलग हैं। शहरी इलाकों की घनी आबादी और अस्वच्छ परिस्थितियां सामाजिक दूरी का पालन करना मुश्किल बना देती हैं। 2020 का लॉकडाउन प्रवास, बेरोजगारी, और खाद्य संकट का कारण बना। गलत जानकारी और सामाजिक कलंक ने लोगों को जांच या उपचार से हतोत्साहित किया। जागरुकता अभियान शुरू किए गए, लेकिन व्यवहार में बदलाव धीमा और असमान रहा।

भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चलाया, जिसमें सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित कोविशील्ड प्रमुख रही। हालांकि बूस्टर डोज की कम दर और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच की समस्या आज भी बरकरार है। आईसीएमआर ने आरटी-पीसीआर किट को मंजूरी दी और रैपिड एंटीबॉडी टेस्ट शुरू किए। एकत्रित परीक्षण और स्व-परीक्षण किट जैसे उपाय संक्रमण की शृंखला को तोड़ने में सहायक हो सकते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मास्क पहनने, सामाजिक दूरी बनाए रखने और पोस्ट-कोविड देखभाल पर जोर दिया। हालिया दिशा-निदेर्शों में सतर्कता और संतुलन की रणनीति को प्रमुखता दी गई है। 2021 के बजट में वन हेल्थ कार्यक्रम की शुरूआत की गई, जो मनुष्य, पशु और पर्यावरण की संयुक्त स्वास्थ्य दृष्टिकोण को महत्व देता है। इसके लिए नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ एनिमल बायोटेक्नोलॉजी ने एक विशेष केंद्र की स्थापना की है। हालांकि कुछ महत्वपूर्ण कमियां अब भी मौजूद हैं। मसलन राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 में जूनोटिक महामारियों की आशंका को समुचित रूप से शामिल नहीं किया गया। टीबी नियंत्रण और टीकाकरण कार्यक्रमों पर असर पड़ा, जैसे कि 2019 से 2020 के बीच टीबी के मामलों में 24 फीसद की गिरावट आई। कोरोना महामारी ने लैंगिक असमानता को और गहराया। महिलाओं को नौकरियों से हाथ धोना पड़ा और देखभाल का बोझ भी अधिक पड़ा।

सबक और आगे की राह

स्वास्थ्य बजट को जीडीपी के न्यूनतम 2.5 फीसद तक बढ़ाना समय की मांग है। डिजिटल तकनीक और विकेंद्रीकृत मॉडल अपनाकर प्रतिक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। उच्च गुणवत्ता वाले पीपीई, पर्याप्त स्टाफिंग और मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं दी जानी चाहिए। पारदर्शी संदेशों और सांस्कृतिक संवेदनशीलता पर आधारित अभियानों से गलतफहमियां दूर की जा सकती हैं। आयुर्वेद और अन्य पारंपरिक पद्धतियों को रोकथाम में सम्मिलित कर सामुदायिक प्रतिरक्षा को मजबूत किया जा सकता है। वैक्सीन वितरण और वेरिएंट निगरानी में अंतरराष्ट्रीय सहयोग भारत की तैयारी को सुदृढ़ कर सकता है।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

हर साल जलभराव वाले क्षेत्रों की पहचान करें अधिकारी: राव नरबीर

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह मानसून से पहले जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सक्रिय रूप से भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों की टीम के साथ 15 स्थानों का दौरा किया। जल निकासी के लिए किए जा रहे प्रबंधों का जायजा लेने के दौरान कार्य को और अधिक तेज गति से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।राव नरबीर सिंह ने कहा कि आगामी मानसून के दौरान नागरिकों को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने जीएमडीए, एचएसआइआइडीसी तथा नगर निगम सहित अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि नालों की सफाई समय पर पूरी की जाए। जल निकासी के सभी सिस्टम सक्रिय रखे जाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि हर उस क्षेत्र की पहचान करें जहां हर वर्ष जलभराव की स्थिति बनती है और वहां विशेष प्रबंध करें। किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जलभराव की समस्या को स्थायी रूप से हल करने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर भी काम करने की हिदायत दी। मंत्री ने कादीपुर स्थित नगर निगम गुरुग्राम की नर्सरी का अवलोकन किया तथा वहां पर रुद्राक्ष का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण को लेकर उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण इसका एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुलिस जवानों को स्वस्थ व खुश रखने के लिए किए जा रहे खास प्रयास: शशांक सावन

हिसार। जिला पुलिस लाइन में जिला स्तरीय योग कार्यक्रम के तहत योग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पुलिस जवानों ने योग किया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि योग शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पुलिस कर्मियों को स्वस्थ और सकारात्मक जीवन शैली के लिए योग का महत्व समझाना है। पुलिस के जवान स्वस्थ और खुश रहें, इसके लिए खास प्रयास किए जा रहे है। पुलिस जवानों के लिए योग शिविर लगाया गया है जिसमें सकारात्मक मानसिक विचार एवं मेडिटेशन से रोगों से छुटकारा पाने के तरीके भी सुझाए गए है। योग शिविर में विभिन्न प्रकार के योगाभ्यास किए गए। योग शिक्षकों द्वारा योग की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन कर योग के लाभ के बारे में बताया गया। योग शिविर में जवानों को फिटनेस बनाए रखने और तनाव को कम करने के बारे में जानकारी दी। योग से जीवन का आधारभूत सुख निरोगी काया बनती है। योग मस्तिष्क को निरोगी बनाने में सहायक होता है। सभी को रोजाना योग का अभ्यास कर इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

मुआवजा नीति पर असंतोष, किसानों की उपायुक्त से नई मांग

सोनीपत। सोनीपत में बिजली ग्रिड लाइन से प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के बैनर तले किसान उपायुक्त कार्यालय पहुंचे। किसानों ने जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपकर मांग की कि मुआवजा की दरें वास्तविक बाजार मूल्य के आधार पर तय की जाएं और इसकेलिए एक वैल्यूअर कमेटी का गठन किया जाए। भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब ने बताया कि किसानों का यह आंदोलन औचंदी बॉर्डर से 13 सितंबर 2023 को शुरू हुआ था। 11 फरवरी 2024 को एक बड़ी पंचायत के बाद निर्णय लिया गया कि जब तक किसानों को न्यायपूर्ण मुआवजा नहीं मिलेगा, खेतों में ग्रिड का काम नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद से कार्य रुकवाया गया। आंदोलन के दबाव में मई 2024 में किसानों ने एसीएस एके सिंह व मुख्यमंत्री हरियाणा से मुलाकात की। अप्रैल में नाहरा गांव में भी बड़ी पंचायत हुई।14 जून 2024 को केंद्र सरकार ने टावर बेस क्षेत्र के लिए 200 प्रतिशत व रॉ कॉरिडोर के लिए 30 प्रतिशत मुआवजा तय करते हुए नई नीति जारी की। परंतु किसानों ने इसे अस्वीकार कर दिया।

इनेलो व जेजेपी हैं भाजपा की बी टीम: जयप्रकाश

जींद। हिसार के सांसद जयप्रकाश ने कहा कि हरियाणा में सुशासन के नाम पर भाजपा की सरकार बनी, लेकिन वास्तव में सुशासन कहीं नहीं है। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर एचपीएससी का उदाहरण दिया और कहा कि पेपर लीक मामले में सरकार ने केवल परीक्षा रद्द की लेकिन अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं की। सांसद जयप्रकाश उचाना के पीडब्लूडी रेस्ट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने इनेलो और जेजेपी को भाजपा की बी टीम करार दिया। सांसद ने राहुल गांधी के समर्थन में बोलते हुए कहा कि वह सिर्फ एक सांसद नही बल्कि नेता प्रतिपक्ष हैं। उन्होंने जातिगत जनगणना के मुद्दे पर सरकार को झुकने पर मजबूर किया। इनेलो पर तीखा प्रहार करते हुए सांसद ने कहा कि यह पार्टी भाजपा की बैसाखी बन गई है। विधानसभा चुनाव में इनेलो के नेता भाजपा के इशारे पर काम करते रहे हैं। जेजेपी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने पांच साल तक सत्ता का लाभ उठाया। उन्होंने उचाना के लोगों का धन्यवाद किया कि उन्होंने जेजेपी को सबक सिखाया। सांसद ने कहा कि जेजेपी नेता कार्यकर्ताओं के साथ दोहरा व्यवहार करते थे। उन्होंने कहा कि जेजेपी और इनेलो को तो कांग्रेस और भूपेंद्र हुड्डा रात को सपने में दिखते हैं।

अगस्त तक सरकारी कार्यालय एवं आवासीय कॉलोनियों में प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य : मनोहर लाल

- **प्रीपेड मीटर लगाने पर बिल में मिलेगी दो से पांच प्रतिशत की छूट**
- **मांग के अनुसार सभी राज्यों को पूरी मिलेगी बिजली**

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि अगस्त 2025 तक सरकारी भवन, कार्यालय और आवासीय कॉलोनियों में प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रीपेड मीटर लगाने पर बिल में दो से पांच प्रतिशत की प्रति महीना रियायत दी जाएगी। हरियाणा को पांच प्रतिशत रियायत देने की घोषणा की गई है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल चंडीगढ़ में आयोजित उत्तर भारतीय राज्यों के बिजली मंत्रियों के सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। सम्मेलन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी की ओर कदम बढ़ाया जा रहा है। जिन प्रदेशों में बिजली की कमी होती थी, वे आज सरप्लस प्रदेश बन चुके हैं।ऊर्जा मंत्रियों के सम्मेलन में हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू-

कश्मीर, राजस्थान सहित कई अन्य प्रदेशों के मंत्रियों एवं अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन के दौरान इंटर-स्टेट ट्रांसमिशन कैपेसिटी, ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और संसाधनों की पर्याप्तता सुनिश्चित करने सहित ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। इसके साथ ही केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर देश के ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर को सशक्त बनाने में दिशा में लगातार कार्य कर रही है, इसपर भी केंद्रीय मंत्री ने ऊर्जा मंत्रियों को विस्तार से अवगत कराया।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि छह घंटे चली लंबी बैठक में ट्रांसमिशन कैपेसिटी को बढ़ाने के साथ लाइन लोस को घटाने पर चर्चा हुई। वहीं, उत्तरी राज्यों को अगस्त 2025 तक सभी सरकारी भवन, कार्यालय और आवासीय कॉलोनियों में प्रीपेड मीटर लगाने का लक्ष्य दिया गया। इसके बाद कर्मिशयल और हाईलोड वाले उपभोक्ताओं को प्रीपेड मीटर लगाए जाएंगे। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने बताया कि गर्मियों के सीजन में बिजली की डिमांड पीक पर होती है। वर्ष 2024 में 250 गीगावाट डिमांड थी, जबकि 2025 में यह बढ़कर 260 गीगावाट के ऊपर पहुंच गई है। डिमांड के हिसाब से देशभर में बिजली पर्याप्त है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने स्पष्ट किया कि ऊर्जा मंत्रियों को लाइन लोस कम करने का लक्ष्य दिया गया है। फिलहाल राष्ट्रीय स्तर पर लाइन लोस की औसत 16 प्रतिशत है, जबकि कई राज्यों में यह औसत 17 से 20 प्रतिशत है। लाइन लोस को कम करने और विद्युत निगमों की आमदन बढ़ाने के लिए स्मार्ट मीटर लगाने का फैसला लिया गया है।

सोनीपत हो प्लास्टिक मुक्त, नगर निगम की दुकानदारों से अपील

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से नगर निगम कार्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक सामान विक्रेताओं की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम मेयर राजीव जैन व आयुक्त हर्षित कुमार ने की। दोनों अधिकारियों ने दुकानदारों से आग्रह किया कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक, विशेषकर कैरी बैग का प्रयोग बंद करें। मेयर राजीव जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने दुकानदारों से अपील की कि वे आपसी सहमति से इस अभियान में सहयोग करें और प्लास्टिक कैरी बैग के स्थान पर जूट के थैले बेचने को बढ़ावा दें। आयुक्त हर्षित कुमार ने कहा कि प्लास्टिक से पर्यावरण दूषित हो रहा है, सड़कों पर गंदगी फैलती है और सीवरेज जाम की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल 120 माइक्रोन मोटाई वाली थैली ही प्रयोग की जा सकती है।

सीजेएम ने नशा मुक्ति केंद्र व सेफ हाउस का किया निरीक्षण

एजेंसी

नारनौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने नागरिक अस्पताल स्थित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। इसके अलावा उन्होंने पुलिस लाइन में बने सेफ हाउस का भी दौरा किया। सीजेएम नीलम कुमारी ने निरीक्षण के दौरान नशा मुक्ति केंद्र में मौजूद मरीजों से हालचाल जाना। उन्होंने मरीजों से बातचीत करते हुए कहा कि नशा न केवल शारीरिक क्षति पहुंचाता है, बल्कि मानसिक रूप से भी व्यक्ति को कमजोर बना देता है। नशा परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। नशे के कारण परिवारों में कलह, आर्थिक समस्याएं और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती है। उन्होंने कहा कि हमें जीवन में कभी भी नशा नहीं करना चाहिए। यदि कोई परिचित नशे की गिरफ्त में है तो उसे दृढ़ इच्छा शक्ति के द्वारा इससे बाहर लाने के लिये प्रयास करें। वहीं, न्यायिक परिसर नारनौल, महेंद्रगढ़ व कनीना में 12 जुलाई को राष्ट्रीय लोक

अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में आम नागरिक आपसी सौहार्दपूर्ण माध्यम से मामले का निपटारा करवा सकते हैं। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर व्हीकल एक्सीडेंट, एनडीपीएस एक्ट, फौजदारी, दीवानी, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवादों का निपटारा किया जाएगा। सीजेएम ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों को परस्पर सहयोग व सौहार्दपूर्ण माध्यम से निपटाने के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो वह राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निस्तारण करवा सकता है।

'विकसित कृषि संकल्प अभियान' से किसानों को मिलेंगे बाजार से जुड़ाव के नए अवसर: चौधरी धर्मबीर सिंह

एजेंसी

नारनौल। कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है, जो किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह बात भिवानी-महेंद्रगढ़ सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने राजकीय स्कूल मुसनौता में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि भारत सरकार की ओर से विकसित कृषि संकल्प अभियान का आयोजन 12 जून तक देश के 700 जिलों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान राज्य के किसानों को आधुनिक तकनीकों, टिकाऊ खेती, जल संरक्षण, जैविक खेती और बाज़ार से जुड़ाव के नए अवसर प्रदान करने के लिए एक समर्पित प्रयास है। यह अभियान हर जिले में चरणबद्ध ढंग से चलाया जा रहा जिसमें किसानों को प्रशिक्षण, स्मार्ट खेती और नई कृषि योजनाओं की जानकारी दी जा रही हैं। इस कार्यक्रम

का उद्देश्य किसानों को कृषि के लिए जागरूक करना और उन्हें नवीनतम तकनीकों और योजनाओं के बारे में जानकारी देना है। इस मौके पर नांगल चौधरी एसडीएम मनोज कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र से संयोजक डॉ जयलाल, बीजेपी जिला प्रधान यतेन्द्र राव, पूर्व जिला प्रधान दयाराम यादव, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, कृषि उपनिदेशक डॉ देवेंद्र सिंह, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक डॉ पूनम, कृषि विभाग से एसडीओ मनमीत सहित अनेक अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

सीईटी पंजीयन के लिए फर्जी वेबसाइट बनाने में महिला समेत छह गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। पंचकूला पुलिस ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की प्रदेशभर में होने वाली सीईटी के पंजीकरण के लिए फर्जी पोर्टल बनाने वालों को भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने एक महिला समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है।इन पकड़े गए आरोपितों से पुलिस पूछताछ कर रही है। दरअसल, तीन दिन पहले हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की सीईटी पंजीकरण के लिए एक फर्जी वेबसाइट बनने का खुलासा हुआ था। इस पर आयोग ने पंचकूला पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने फर्जी वेबसाइट तथा क्यूआर कोड को फ्रीज कर आईपी एड्रस के आधार पर मामले की जांच शुरू की। पंचकूला की डीसीपी सृष्टि गुप्ता, डीसीपी क्राइम

अमित दहिया तथा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य भूपेंद्र चौहान ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस फर्जीवाड़े से संबंधित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उनसे पूछताछ की जारी है। उन्होंने बताया कि 4 जून को फर्जी पोर्टल का मामला संज्ञान में आने के तुरंत बाद कार्रवाई शुरू कर दी गई थी। एचएसएससी ने इस फ्राड को लेकर पुलिस में शिकायत दी गई थी। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि इस मामले में चार लोग गोरखपुर, एक फतेहाबाद और एक कुरुक्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है। इन आरोपितों में एक महिला भी शामिल है। उन्होंने बताया कि अभी तक की जांच में यह बात सामने आई कि फर्जी वेबसाइट के माध्यम से 77 युवाओं ने खुद को पंजीकृत किया और 22 हजार रुपये फीस अदा की थी। उन्होंने बताया कि इस फर्जी साइट का सर्वर गोरखपुर से ऑपरेट हो रहा था। पुलिस अभी यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन आरोपितों के अलावा अन्य कितने लोग इस गिरोह से जुड़े हैं। पुलिस के अनुसार फर्जी वेबसाइट पर सीईटी के पेपर के लिए अभ्यर्थियों का पंजीकरण करवा कर और उनसे ऑनलाइन पैसे ले रहे थे।

बहादुरगढ़ के भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री से मिलकर विकास कार्यों पर की चर्चा

एजेंसी

झज्जर। हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर हलके के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उन्हें सभी मामलों पर गौर करने का आश्वासन दिया। बहादुरगढ़ के भाजपा नेता एवं विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक, नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी व पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मिले।

दिनेश कौशिक ने बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों के कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखे। इनमें उत्तरी बाईपास का मुद्दा भी शामिल रहा।कौशिक व नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने बहादुरगढ़ में विकास कार्यों व परियोजनाओं पर चल रहे काम की जानकारी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दी। दिनेश कौशिक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया है कि बहादुरगढ़ क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बहादुरगढ़ सब्जी मंडी में आयोजित माता सावित्रीबाई फुले की जयंती पर रखी गई मांगों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकतर मांगें पूरी हो चुकी हैं। जो रह गई हैं उन कार्यों की अधिकारियों के साथ मिलकर फीजिबिलिटी चेक करवाएं, ताकि उन पर भी जल्द से जल्द काम शुरू हो सके। दिनेश कौशिक ने कहा कि मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री से बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में रैली के लिए समय मांगा गया है, जिस पर उन्होंने जल्द ही समय देने की बात कही है।

योग मानसिक स्वास्थय को भी बनाता है मजबूतर: एसपी भूपेंद्र सिंह

एजेंसी

पानीपत। पानीपत पुलिस लाईन में पुलिस कर्मियों के लिए योगाभ्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस कर्मियों व उनके परिजनों ने आयुष विभाग के प्रशिक्षकों की देखरेख में विभिन्न व्यायाम व योगासनों का अभ्यास किया। योग की शुरूआत प्राणायाम से की गई। प्राणायाम और ध्यान तकनीकों का अभ्यास करवाया। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह, अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ ताड़ासन, भुजंगासन, वज्रासन, त्रिकोणासन, कपालभाति तथा अनुलोम-विलोम जैसे आसनों का अभ्यास किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह आईपीएस ने योग के फायदे बताए। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा एक चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी है, जिसमें अक्सर शारीरिक थकान और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। ऐसे में योग न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि मानसिक स्वास्थय को भी मजबूत बनाता है। योग हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाकर जीवन में नई ऊर्जा का संचार करता है। योगासन शरीर को शक्तिशाली एवं

लचीला बनाए रखता है, साथ ही तनाव से मुक्ति दिलाता है जो हमारे दैनिक जीवन के लिए आवश्यक है। उन्होंने भी पुलिस कर्मियों को योग के महत्व बारे बताते हुए कहा कि वे योग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं, ताकि वे न केवल खुद को स्वस्थ रख सकें, बल्कि समाज की बेहतर सेवा भी कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे आयोजन और नियमित योग सत्र जारी रहेंगे। कार्यक्रम में आयुष विभाग की प्रशिक्षक नीलीमा व आर्ट ऑफ लिविंग के सुरेंद्र गोयल ने योग की शुरुआत प्राणायाम से करवाई। इस अवसर पर डीएसपी मुख्यालय सतीश वत्स, डीएसपी राजबीर सिंह, डीएसपी नरेंद्र सिंह, डीएसपी सुरेश कुमार सैनी व अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी व उनके परिजन मौजूद रहें।

नगर निगम गुरुग्राम के कर्मचारियों को मिला जॉब सिक्योरिटी अधिनियम का लाभ

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा संविदात्मक कर्मचारियों के लिए सेवा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लागू किए गए सेवा की सुनिश्चितता अधिनियम का लाभ अब नगर निगम गुरुग्राम के संविदात्मक कर्मचारियों को मिलने लगा है। प्रथम चरण में नगर निगम गुरुग्राम के 805 कर्मचारियों को इस अधिनियम के तहत लाभान्वित किया गया है। नगर निगम ने आश्वासन दिया है कि शेष बचे कर्मचारियों को भी शीघ्र ही इस अधिनियम का लाभ प्रदान किया जाएगा। इस उपलब्धि से उत्साहित नगर निगम कर्मचारियों ने मेयर राजरानी मल्होत्रा और निगमायुक्त प्रदीप दहिया के माध्यम से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार प्रकट किया। कर्मचारियों ने कहा कि यह अधिनियम उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की दूरगामी सोच के तहत हरियाणा सरकार द्वारा अगस्त 2024 में लागू किया गया यह अधिनियम राज्य के लाखों संविदात्मक कर्मचारियों के लिए उम्मीद की किरण बना है। मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और श्रमिक हितैषी नीतियों के कारण अब संविदा पर कार्यरत कर्मियों को स्थायित्व और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियां मिलेंगी।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में मेट्रो लैब्स स्थापित

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ में अत्याधुनिक 'मेट्रो लैब्स' का शुभारंभ किया गया। आयोजन में डीएमआरसी एकेडमी के महानिदेशक घनश्याम बंसल बतौर मुख्य अतिथि सहित विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार आदि मौजूद रहे। इस मौके पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय व दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन एकेडमी के बीच आपसी साझेदारी हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर भी किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेशवर कुमार ने कहा कि वर्तमान में अधिकांश मेट्रो स्टेशनों का निर्माण भूमिगत हो रहा है। ऐसे में टनलिंग लैब विद्यार्थियों को भूमिगत संरचनाओं की जटिलताओं को समझने में सक्षम बनाएगी। लैब में एकीकृत 'मिडाज सॉफ्टवेयर' के माध्यम से विद्यार्थी जटिल टनलिंग सिस्टम का मॉडल व डिज़ाइन तैयार करने के साथ-साथ उसका विश्लेषण भी कर सकेंगे, जिससे वे भविष्य हेतु उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह लैब्स किसी भी विश्वविद्यालय में स्थापित अपनी तरह की पहली लैब्स है। डीएमआरसी एकेडमी के महानिदेशक घनश्याम बंसल ने कहा कि यह प्रयास विद्यार्थियों को मैट्रो इंजीनियरिंग व टनलिंग से संबंधित एडवांस सुविधाओं को जानने और उससे संबंधित कौशल विकास में मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एसओईटी) में स्थापित ये प्रयोगशालाएं मेट्रो रेलवे इंजीनियरिंग शिक्षा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने में मददगार होगी। विश्वविद्यालय में ये प्रयोगशालाएं शिक्षण को वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों से जोड़ने का कार्य करेंगी। हकेवि में यह मेट्रो

लैब्स विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मिले अनुदान से स्थापित की गई है। विश्वविद्यालय में डॉ विकास गर्ग और डॉ अजय बंसल इस परियोजना में मुख्य अन्वेषक के रूप में कार्यरत है। डॉ.भास्कर ने बताया कि प्रशिक्षण और शैक्षणिक सहयोग को और सुदृढ़ करने के लिए इसमें 50 सीटों वाला आधुनिक ऑडियो.विजुअल सुविधाओं से सुसज्जित सेमिनार हॉल भी स्थापित किया गया है।

राहुल गांधी व कांग्रेस पार्टी को देश से मांगनी चाहिए माफी: नायब सैनी

एजेंसी

पलवल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पलवल की अनाज मंडी में आयोजित धन्यवाद रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। राहुल के 'लंगड़ा घोड़ा' बयान पर पलटवार करते हुए सीएम ने कहा, लंगड़ा घोड़ा तो आप थे। हमारे हरियाणा के लोग रेस के घोड़े हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की दौड़ में आगे बढ़ रहे हैं। सीएम ने राहुल और कांग्रेस से देश की जनता से माफी मांगने की मांग की। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल तक देश पर शासन किया, लेकिन हरियाणा की जनता से पैसा लूटकर अपनी तिजोरी भरी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, जब तक लूट का पैसा आता रहा, तब तक आपको हरियाणा के लोग रेस के घोड़े दिखे। लेकिन जब जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर किया, तो अब आप इन्हें लंगड़ा घोड़ा कह रहे हैं। सैनी ने राहुल के बयान पर हैरानी जताते हुए कहा कि कांग्रेस नेता खुद सदमे में हैं कि राहुल ने ऐसा क्या बोल दिया। राहुल गांधी ने हाल ही में भोपाल में कांग्रेस नेताओं को संबोधित करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को तीन श्रेणियों- रेस का घोड़ा, बारात का घोड़ा और लंगड़ा घोड़ा- में बांटा था। उन्होंने कहा था कि रेस के घोड़ों को दौड़ाया जाएगा, बारात के घोड़ों को बारात में भेजा जाएगा और लंगड़े घोड़ों को रिटायर कर चारा-पानी दिया जाएगा। इस बयान को लेकर अब सियासी बवाल मचा है, जिसे बीजेपी ने भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सीएम सैनी ने कहा कि राहुल के बयान से हरियाणा कांग्रेस के नेता सदमे में हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, कांग्रेस को जनता ने नकार दिया है। उनके नेता समझ नहीं पा रहे कि अब क्या करें। सैनी ने बीजेपी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में किसानों को सम्मान निधि नहीं मिलती थी, लेकिन बीजेपी सरकार किसानों के खातों में सीधे पैसा भेज रही है। राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी का हमला और सीएम सैनी का यह तीखा जवाब हरियाणा की सियासत में नया रंग ला सकता है। सीएम सैनी ने कहा कि कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल में प्रदेश में फसल खराबे पर किसानों को केवल 1155 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया।

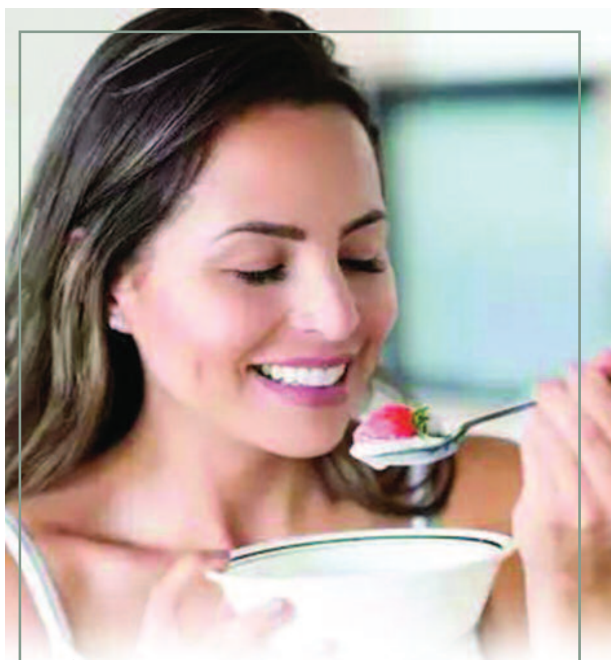

कितना सही है नाश्ते में दही लेना

नाश्ते में हम सभी कुछ ऐसा खाना पसंद करते हैं, जो खाने में टेस्टी हो और हमारे शरीर को पूरा दिन काम करने की एनर्जी देता रहे। ऐसे में ज्यादातर लोग किसी ना किसी रूप में नाश्ते में दही खाना पसंद करते हैं। लेकिन क्या नाश्ते में दही लेना एक स्वस्थ विकल्प है?

पाचक होती है लेकिन नींद दिलाती है

- यदि आपके दिन शुरुआत ही दही के साथ हो रही है तो यह आपको एनर्जी देने के स्थान पर नींद दिला सकती है और शरीर में सुस्ती बढ़ा सकती है। इसलिए दही कभी भी आपके फर्स्ट फूड का भाग नहीं होना चाहिए। हालांकि दही नाश्ते का एक शानदार हिस्सा है। यदि आप इसे खाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं तब.

समझे विरोधी बातों का अर्थ

- एक तरफ तो हम कह रहे हैं कि दही नाश्ते में खाना अच्छा है। वहीं दूसरी तरफ यह भी कह रहे हैं कि इसे खाने से सुस्ती बढ़ सकती है। दरअसल, ये दोनों ही बातें सही हैं। दही खाने पर आपको एनर्जी मिलेगी या सुस्ती आएगी, यह इस बात पर निर्भर करता है कि दही खाने का आपका तरीका क्या है।

इस तरह खाएं और इस तरह ना खाएं दही

- आप नाश्ते में चपाती, पराठा, चिल्ला आदि के साथ दही खा सकते हैं। एक कटोरी दही का सेवन नाश्ते में करना शरीर के लाभकारी होता है और पाचनतंत्र को सही करता है। साथ ही शरीर को दिनभर के लिए ऊर्जा देने में लाभकारी होता है।
- लेकिन नाश्ते में दही का सेवन तभी करना चाहिए जब आप सुबह के समय नाश्ते से पहले कुछ खा या पी चुके हों। जैसे, सुबह की शुरुआत आपने पानी के साथ की हो और फिर चाय-टोस्ट, स्प्राउट्स या ड्राईफ्रूट्स आदि खाए हों। इसके एक घंटे बाद यदि आप नाश्ते में दही का सेवन करते हैं तो आपको नींद नहीं आएगी। आपको गैस बनने की समस्या है तो इन 5 सब्जियों से बचना चाहिए

खाली पेट नहीं खानी चाहिए दही

- सुबह के समय आप नाश्ते में केवल मीठी दही का उपयोग कर सकते हैं। खट्टी दही खाने से परहेज करें। साथ ही नाश्ते में दही खाते समय आप इसमें एक चम्मच शक्कर मिला सकते हैं। यदि आपको शुगर की समस्या नहीं है तब।
- दिन की शुरुआत यदि किसी भी कारण देरी से हुई हो और आपके पास नाश्ता करने का समय ना हो तो भूलकर भी खाली दही ना खाएं। यदि आप खाली पेट दही खाते हैं तो आपको जबदस्त नींद आएगी और आप खुद को बहुत थका हुआ अनुभव करेंगे।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि खाली पेट दही खाने से कुछ लोगों को ब्लड प्रेशर कम होने की समस्या हो जाती है। इससे शरीर में ब्लड का फ्लो कम होता है और ऑक्सीजन का स्तर घटने लगता है। यही कारण है कि बहुत तेज नींद आती है और बेहोशी जैसा अनुभव होता है।

आप चाहे मानसिक काम अधिक करते हैं या शारीरिक काम। यदि आपको काम करते समय बहुत जल्दी थकान होने लगती है तो इसका एक अर्थ यह होता है कि आपके शरीर में डिहाइड्रेशन की समस्या है। जी हां, केवल पोषण की कमी के कारण ही नहीं बल्कि शरीर में पानी की कमी के कारण भी जल्दी थकान होती है। जो लोग नियमित रूप से जरूरी पानी नहीं पीते हैं, उन्हें काम करते समय अधिक थकान होना और अन्य लोगों की तुलना में जल्दी थकान होने जैसी समस्याएं होती हैं। जानें, जल्दी थकान होने के अन्य कारण और उनके निवारण के तरीके

लगातार बनी रहती है थकान तो ऐसे रखें अपना ध्यान

जल्दी थकने की वजह

- आमतौर पर जो लोग बहुत जल्दी थकान होने की समस्या से पीड़ित होते हैं, उनके शरीर में कुछ खास तत्वों की कमी देखने को मिलती है.
- पानी की कमी
- खून की कमी
- विटमिन-बी12 की कमी
- फोलेट या फॉलिक एसिड की कमी देखने को मिलती है।

जल्दी थकान से बचने के तरीकों में ना केवल अपने खान-पान पर ध्यान देना है बल्कि यह भी ध्यान देना है कि जिस डायट का सेवन आप कर रहे हैं और जिन ड्रिक्स को आप ले रहे हैं, क्या वे आपके शरीर की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। यहां जानें कैसे रखा जाएगा इस बात का ध्यान.

तरल पदार्थों का सेवन

- जल्दी-जल्दी होने वाली थकान की समस्या से बचने के लिए जरूरी है कि आप तरल पदार्थों का सेवन बढ़ा दें। इनमें जूस, सूप, छांछ, दाल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही समय-समय सादा पानी पीते रहें। वयस्कों को हर दिन कम से कम 8 गिलास पानी पीना चाहिए।

तनाव को नियंत्रित करना सीखें

- जल्दी थकने की एक बड़ी वजह लगातार बना रहनेवाला तनाव भी होता है। तनाव का कारण चाहे जो भी लेकिन यह व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से जल्द थका देता है। इसलिए तनाव से बचने के लिए हर दिन कुछ समय के लिए मेडिटेशन यानी ध्यान जरूर करें। यह आपको मानसिक रूप से फिट रखने का काम करेगा।

फलियों का सेवन करें

- हरी फलियां कई तरह की वरायटी में आती हैं। खास बात यह है कि मौसम की प्रकृति और उस दौरान शरीर की जरूरत के अनुसार हर सीजन में आनेवाली फलियां पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं।
- हरी फलियां फाइबर युक्त होती हैं और इनका पाचन धीमी गति से होता है। इसलिए ये शरीर को लंबे समय तक ऊर्जा देने का काम करती हैं, जिससे शरीर पर थकान कम हावी होती है।

ड्राईफ्रूट्स

- ऐसा नहीं है कि ड्राईफ्रूट्स का सेवन केवल सर्दियों में ही करना चाहिए। बल्कि सीमित मात्रा में और दूध के साथ ड्राईफ्रूट्स का सेवन गर्मियों में भी हर दिन किया जा सकता है।
- क्योंकि ड्राईफ्रूट्स केवल हमारे शरीर को गर्माहट देने का ही काम नहीं करते हैं बल्कि पोषण देने का काम भी करते हैं। शरीर की कमजोरी को दूर करने में मीट भी अच्छी भूमिका निभाता है। लेकिन कोरोना संक्रमण के दौर में हम आपको मीट खाने की सलाह नहीं देना चाहते हैं। इस समय में आप थकान से बचने के लिए ड्राईफ्रूट्स यानी सूखे मेवों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण

शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो जाना कई रोगों का कारण बनता है। ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर सबसे जल्दी और सबसे बुरा असर हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है। इस स्थिति में कोई भी वायरस और बैक्टीरिया हमारे शरीर पर हावी हो सकता है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण और कारण क्या होते हैं.

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के लक्षण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने से अर्थ है कि शरीर को अपनी नियमित क्रियाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए जितनी मात्रा में ऑक्सीजन चाहिए, उतनी मात्रा में ऑक्सीजन ना मिल पाना।
- जब शरीर में ऑक्सीजन की कमी होती है तो सबसे पहले व्यक्ति को थकान महसूस होती है, सांस लेने में दिक्कत होने लगती या सांस फूलने लगता है। इसके बाद शरीर में रक्त के प्रवाह की गति धीमी हो जाती है। इससे थकान और घबराहट बढ़ जाती है।

हो सकती हैं ये बीमारियां

- यदि शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बहुत कम हो जाए तो ब्रेन डैमेज और हार्ट अटैक तक की स्थिति बन जाती है। शुगर के रोगियों में यदि ऑक्सीजन की कमी हो जाए तो उनकी शुगर अचानक बहुत अधिक बढ़ सकती है, जो कि एक जानलेवा स्थिति भी बन सकती है।
- ऑक्सीजन का स्तर अचानक से बहुत अधिक घट जाने पर शरीर में थायरॉइड हॉर्मोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। इस स्थिति में थायरॉइड का स्तर या तो बहुत अधिक बढ़ सकता है या बहुत अधिक घट सकता है।

शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कारण

- शरीर में ऑक्सीजन की कमी के कई कारण होते हैं, जो व्यक्ति की लाइफस्टाइल पर निर्भर करते हैं। जो लोग बहुत अधिक आलस से भरपूर जीवनशैली जीते हैं यानी फिजिकल ऐक्टिविटी नहीं करते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो जाती है।
- जो लोग बहुत अधिक शारीरिक श्रम करते हैं लेकिन उसके हिसाब से डायट नहीं लेते हैं, उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है।
- जिन लोगों के भोजन में आयरन की मात्रा कम होती है अगर वे लंबे समय तक इसी तरह का भोजन लेते रहें तो उनके शरीर में भी ऑक्सीजन की कमी हो सकती है। क्योंकि फेफड़ों सहित पूरे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह करने में आयरन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

चैन की नींद सोना है तो जरूर करें यह काम

अगर आप चाहते हैं कि रात में आपको सुकून की नींद आए, पैरों में कुलन और बेचैनी के कारण आपकी नींद में किसी तरह की बाधा ना आए तो आपको सोने से पहले एक खास काम करना होगा। यह काम आपके शरीर को राहत देने के साथ ही दिमाग को भी शांति देगा। आइए, जानते हैं कि आखिर क्या और कैसे करना है.

आपको क्या करना है?

- बिस्तर पर जाने से पहले आपको अपने पैर साफ पानी से धुलकर कॉटन के कपड़े से पोछकर साफ करने हैं। इसके बाद सरसों के तेल से अपने पैरों की मालिश करें। यह मालिश 2 से 3 मिनट की भी हो तो काफी है। यहां जानें इस तरह हर दिन मालिश करने से आपको किस तरह के लाभ होंगे.

पैर के तलुए में होते हैं सभी एक्युप्रेशर पॉइंट्स

- हमारे पैर के तलुओं में पूरे शरीर के एक्यूप्रेशर पॉइंट्स होते हैं। पैर के तलुओं पर मसाज करने से इन पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है, जिससे शरीर का तनाव कम होता है और मानसिक शांति बढ़ती है। इसलिए आप अच्छी नींद आती है।

ताउम्र रहेंगे युवा

- अगर आप हर दिन सोने से पहले अपने पैर के तलुओं पर सरसों के तेल से मालिश करेंगे तो आप ताउम्र युवा बने रहेंगे। यहां युवा बने रहने से हमारा आशय है कि आपके दांत, आपकी दृष्टि और आपके शरीर के जोड़ों में किसी तरह का दर्द या समस्या नहीं हो पाएगी।

चश्मा नहीं लगेगा

- यदि आप सोने से पहले हर दिन अपने पैरों पर सरसों तेल से मालिश करते हैं तो आप अपनी कमजोर आइसाइट को भी ठीक कर सकते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है कि आपको एक या दो हफ्ते में ही इसका असर देखने को मिल जाएगा।

पाचन को ठीक रखे

- आपको जानकर थोड़ी हैरानी हो सकती है। लेकिन यह सही है कि जो लोग नियमित रूप से अपने पैर के तलुओं पर मालिश करते हैं या किसी और से कराते हैं, उनका पाचनतंत्र अन्य लोगों की तुलना में काफी ठीक रहता है। साथ ही उन्हें पेट संबंधी रोग नहीं घेरते हैं।
- साथ ही ऐसे लोगों के शरीर पर थकान हावी नहीं हो पाती है। पैर के तलुओं की मसाज करने से शरीर के डैमेज सेल यानी क्षतिग्रस्त कोशिकाओं की जल्द मरम्मत होती है। इससे त्वचा भी चमकदार बनी रहती है। तो देर किस बात की, खूबसूरती और सेहत के लिए आज से ही शुरू करें पैर के तलुओं की मालिश।

ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत हो सकता है आंखों में पानी आना

आंखे शरीर का सबसे जरूरी, सुंदर और नाजुक अंग है। सर्दी के मौसम में नमी और ठंडक के कारण आंखों में पानी आ जाता है लेकिन यह ड्राई आई सिंड्रोम का संकेत भी हो सकता है। इस बीमारी में आंखों से बहुत ज्यादा पानी आना, धुंधला दिखाई देना और चुभन महसूस होना, सूजन, रैशेज, लालपन जैसे लक्षण दिखाई देते है। इस बीमारी का समय पर इलाज न करने पर आंखों की रोशनी जा भी सकती है। ऐसे में इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए आप डॉक्टर की दवाइ के साथ-साथ कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। इन घरेलू नुस्खों की मदद से आप बिना किसी नुकसान के इस परेशानी से छुटकारा पा सकते है।

गीला कपड़ा – आंखों को हाथों से इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आंखों में जलन, दर्द या खुजली होने पर साफ पानी में कपड़े को भिगोकर आंखों की सफाई करें। इससे किसी भी तरह की बीमारी का खतरा कम हो जाता है।

नारियल का तेल – नारियल तेल में मौजूद गुण आखों की गंदगी को साफ करते हैं। रोजाना आंखों के नीचे और आस-पास नारियल के तेल की मालिश करें। आपको इस समस्या से निजात मिल जाएगा।

हर्बल टी – कोमोमाइल या पेपरमिंट चाय की पत्तियों को थोड़ी देर गर्म पानी में भिगो दें। इसके बाद थोड़ी-थोड़ी देर में आंखों की सिकाई करें। ध्यान रहें कि पानी ज्यादा गर्म न हो।

नमक – कई बार आंखो में जलन और खुजली के कारण पानी आने लगता है। ऐसे में आप 1 गिलास गर्म पानी में चुटकीभर नमक डालकर आंखों की सिकाई करें। दिन में 3 बार इसका इस्तेमाल खुजली और जलन की परेशानी को दूर कर देगा।

बेकिंग सोडा – साफ पानी में 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाकर गर्म करें। पानी थोड़ा रह जाने पर इससे अपनी आंखों को धो लें। इससे आपको आराम मिल जाएगा।

ठंडा दूध – कॉटन बॉल को ठंडे दूध में डिप करके अपनी आंखों के आस-पास रगड़ें। इसके अलावा आप कॉटन बॉल को ठंडे दूध में भिगोकर रख भी सकते है। इन उपायों को सुबह-शाम करने से आपको आराम मिल जाएगा।

एलोवेरा – एलोवेरा जेल में 1 चम्मच शहद और 1/2 कप एल्डरबैरी चाय मिलाएं। रोजाना दिन में 2 बार इस मिश्रण से अपनी आंखों को धोएं। आपकी परेशानी कुछ समय में ही दूर हो जाएगी।

कच्चा आलू – एस्ट्रिंजेंट के गुणों से भरपूर कच्चा आलू आंखों में पानी आने की समस्या से जल्दी राहत देता है। आलू की पतली स्लाइस काट कर कुछ देर फ्रिज में रखें। इसके बाद इस ठँडी स्लाइस को 15 से 20 मिनट के लिए आंखों के उपर रख लें। 2-3 दिन तक इसका इस्तेमाल आपकी इस समस्या को दूर कर देगा।

अहमदाबाद में यूपीसीडा ने फार्मा रोड शो का किया सफल आयोजन

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश फार्मास्यूटिकल निवेश के लिए देश का सबसे आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने अहमदाबाद में उत्तर प्रदेश में फार्मास्यूटिकल सेक्टर में निवेश की संभावनाएं विषय पर एक भव्य रोड शो का आयोजन किया। इस रोड शो का उद्देश्य गुजरात के फार्मा उद्योगपतियों को उत्तर प्रदेश के निवेश अवसरों से अवगत कराना और उन्हें एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था के संकल्प में भागीदार बनाना था। इस आयोजन में फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के साथ कई अहम निवेश समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो राज्य की औद्योगिक प्रगति को नई गति देंगे। ललितपुर में बल्क ड्रग फार्मा पार्क, 250 करोड़ का निवेशयूपीसीडा द्वारा ललितपुर में 1,472.33 एकड़ क्षेत्र में बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है। इसमें 250 करोड़ का प्रारंभिक निवेश प्रस्तावित है। इस परियोजना से लगभग 12000 करोड़ का कुल निवेश और 14000 प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन की संभावना है। यह पार्क भारत को विश्व की फार्मेसी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने कहा, योगी सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों और उन्नत अधोसंरचना के साथ उत्तर प्रदेश फार्मा उद्योग के लिए एक आदर्श केंद्र बन रहा है।

मैं भगोड़ा नहीं हूं, सेटलमेंट करना चाहता था; विजय माल्या ने पॉडकास्ट में किया दावा

लंदन। भगोड़े घोषित किए जा चुके शराब कारोबारी विजय माल्या ने एक नए वीडियो पॉडकास्ट में चौंकाने वाले दावे किए हैं। चार घंटे की लंबी बातचीत में माल्या ने कहा कि उन्होंने 2012 से 2015 के बीच चार बार बैंकों को सेटलमेंट ऑफर दिए, लेकिन उन्हें स्वीकार नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि उनका हमेशा से इरादा बकाया चुकाने का था और उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि वह भुगतान नहीं करना चाहते। माल्या ने बताया कि उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के अध्यक्ष से हैदराबाद में मुलाकात कर सेटलमेंट की पेशकश की थी, लेकिन बैंकों ने 14,000 करोड़ रुपये की मांग करते हुए प्रस्ताव ठुकरा दिया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कंपनियों पर बैंकों का 6,203 करोड़ रुपये बकाया था, जबकि बैंकों ने उनकी संपत्तियों से 14,131.6 करोड़ रुपये की वसूली कर ली जो कर्ज से ढाई गुना अधिक है। पॉडकास्ट में माल्या ने कहा कि किंगफिशर एयरलाइंस ने कभी सीधे एसबीआई से पैसा नहीं लिया, बल्कि यह ऋणदाता समूह के माध्यम से लोन लिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी से मुलाकात कर एयरलाइंस का आकार छोटा करने की बात कही थी, पर मुखर्जी ने मना कर दिया।

रेपो दर में कटौती से आर्थिक गतिविधियों को मिलेगा बल: उद्योग

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की अप्रत्याशित कटौती के फैसले को साहसिक कदम बताया और कहा कि इससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। वाणिज्य एवं उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (फिक्की) के अध्यक्ष हर्षवर्धन अग्रवाल ने आरबीआई के निर्णय का स्वागत किया और इसे 'साहसिक और सक्रिय कदम' करार देते हुए कहा कि यह बाजार की अपेक्षाओं से कहीं अधिक है और इससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि आरबीआई आर्थिक वृद्धि को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब भारतीय अर्थव्यवस्था व्यापार अनिश्चितताओं, वैश्विक भू-राजनीतिक तनावों और वित्तीय बाजार में अस्थिरता जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। उन्होंने कहा, ‹यह समय पर लिया गया कदम घरेलू मांग को मजबूत करेगा, ऋण उठाव को प्रोत्साहित करेगा और समग्र आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करेगा।› उन्होंने आरबीआई के 6.5 प्रतिशत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) विकास दर के अनुमान और सौम्य मुद्रास्फीति दृष्टिकोण को भी भारतीय अर्थव्यवस्था की लचीलापन का प्रमाण बताया। फिक्की अध्यक्ष ने यह भी कहा कि आरबीआई ने मुद्रास्फीति पर नियंत्रण और आर्थिक वृद्धि के बीच संतुलन साधने में सफल रहे है, जो मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सेल ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता को दी प्राथमिकता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात उत्पादक कंपनी भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) ने डिफेंस कस्टमर कॉन्क्लेव-2025 में रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी। इस्पात मंत्रालय ने यहां बताया कि सेल ने 04 जून को दुर्गापुर स्थित अपने अलॉय स्टील्स प्लांट (एएसपी) में डिफेंस कस्टमर कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन किया। यह आयोजन सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आयात प्रतिस्थापन को बल देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (बीपीएसयू) के साथ सहयोग को बढ़ावा देना और रक्षा क्षेत्र की उभरती जरूरतों पर संवाद स्थापित करना था। कार्यक्रम में ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों सहित कई प्रमुख रक्षा संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेल के वाणिज्यिक निदेशक वी. एस. चक्रवर्ती और राउरकेला इस्पात संयंत्र एवं दुर्गापुर और बर्नपुर इस्पात संयंत्र के प्रभारी निदेशक आलोक वर्मा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए रक्षा क्षेत्र के लिए सेल की रणनीतिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

भारत और इटली वैमानिकी, ऊर्जा, परिवहन और वाहन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे

एजेंसी

ब्रेसिया। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और इटली के उप-प्रधानमंत्री तथा विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्री एंटोनियो तजानी के बीच इटली के प्रमुख व्यापार केंद्र ब्रेशिया में हुई बैठकों के दौरान कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। भारत और इटली विनिर्माण, ऑटो, एयरोस्पेस, ऊर्जा परिवर्तन, प्रवासन और गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। पीयूष गोयल ने इटली की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान भारत-इटली संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग (जेसीईसी) के 22वें सत्र की सह-अध्यक्षता की। भारत और इटली कई उभरते और रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग को प्राथमिकता देने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने कौशल विकास, डिजिटल परिवर्तन, प्रवास और गतिशीलता के साथ-साथ भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) जैसी वैश्विक कनेक्टिविटी पहलों में संयुक्त प्रयासों के महत्व पर भी जोर

दिया। संयुक्त आर्थिक सहयोग आयोग की ओर से इस दौरान एक उच्चस्तरीय ग्रोथ फोरम का आयोजन किया गया, जिसमें दोनों देशों के सीईओ और प्रमुख उद्योगपति शामिल हुए। यह मंच उभरते व्यापार के अवसरों और आपसी हितों के औद्योगिक सहयोग की पहचान करने में उपयोगी साबित हुआ। वाणिज्य मंत्री की दो दिवसीय इटली दौरा 5 जून को समाप्त हुई। इस यात्रा के दौरान पीयूष गोयल के साथ लगभग 90 कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व वाला एक मजबूत भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी था। प्रतिनिधिमंडल ने इतालवी उद्योगों का दौरा किया और स्थानीय कंपनियों के साथ कई बैठकें कीं। गोयल ने इतालवी उद्योगपतियों के साथ बातचीत भी की और भारत में परिचालन, विनिर्माण या कार्यालय का विस्तार करने की उनकी योजनाओं का स्वागत किया। गौरतलब है कि ब्रेशिया इटली का विनिर्माण केंद्र है। गोयल और उप-प्रधान मंत्री तजानी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रेशिया में एक प्रमुख इतालवी अपशिष्ट-से-ऊर्जा कंपनी ए2ए का दौरा किया। इस यात्रा ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग के अवसरों पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत एक प्रतीकात्मक रूप में दोनों नेताओं ने सांता जूलिया यूनेस्को विरासत परिसर में अपनी मां की याद में पौधे लगाए।

मुकेश अंबानी ने आईसीटी को दान में दिए 151 करोड़ रुपये, यहीं से किया है स्नातक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने मुंबई स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) को बिना शर्त 151 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। 1970 के दशक में उन्होंने यहीं से स्नातक की उपाधि हासिल की थी। मुकेश अंबानी ने आईसीटी में तीन घंटे से ज्यादा समय बिताया। वे प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी 'डिवाइन साइंटिस्ट' के प्रकाशन के लिए आयोजित समारोह में शामिल होने के लिए वहां गए थे। विमोचन समारोह में उन्होंने कहा कि प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी उनके प्राध्यापक रहे। उन्होंने कहा कि अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है लेकिन भारतीय संस्कृति में 'गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं'...।' उन्होंने यह भी याद दिलाया कि किस प्रकार यूडीसीटी में प्रोफेसर शर्मा द्वारा दिए गए व्याख्यान ने उन्हें प्रेरित किया तथा किस प्रकार

प्रोफेसर शर्मा ने बाद में भारत के आर्थिक सुधारों के एक शांत वास्तुकार की भूमिका निभाई। उस समय इसे यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (यूडीसीटी) के नाम से जाना जाता था।

रेपो रेट में 0.50 फीसदी कटौती आरबीआई का साहसिक एवं स्वागत योग्य कदम :खंडेलवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 0.50 फीसदी तक की कटौती करना और कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) को एक फीसदी घटाना एक साहसिक एवं स्वागत योग्य कदम है। ये भारती अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण समय पर आवश्यक समर्थन देने का संकेत है। चांदनी चौक के भाजपा सांसद एवं संसदीय वाणिज्य स्थायी समिति के सदस्य प्रवीण खंडेलवाल ने आरबीआई की नीतिगत ब्याज दर में कटौती पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि रेपो रेट में की गई यह कटौती केंद्रीय बैंक की गतिशील सोच और क्रेडिट वृद्धि को प्रोत्साहित करने की तत्परता को दर्शाती है। विशेष तौर पर सीआरआर में की गई कटौती से बैंकों की तरलता में तत्काल वृद्धि होगी, जिससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), व्यापारी वर्ग और खुदरा व्यवसायों जैसे क्षेत्रों तक धन की पहुंच आसान हो सकेगी, जो लंबे समय से लागत वृद्धि और सख्त ऋण स्थितियों का सामना कर रहे हैं। खंडेलवाल ने कहा कि अब यह कदम उपभोग में वृद्धि, उद्यमशीलता को बढ़ावा और आर्थिक गति की पुनःस्थापना की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इसका सीधा लाभ दिल्ली के व्यापारिक केंद्रों जैसे चांदनी चौक और

जरूरी है कि वाणिज्यिक बैंक इस राहत को शीघ्र और पूर्ण रूप से उधारकर्ताओं तक पहुंचाएं। मैं वित्त मंत्रालय और आरबीआई से आग्रह करता हूं कि वे इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए प्रभावी तंत्र सुनिश्चित करें, ताकि यह राहत अंतिम व्यक्ति तक वास्तव में पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह देश के अन्य प्रमुख व्यापारिक हब को मिलेगा। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है, जिससे बैंकों को सस्ता कर्ज मिलेगा। बैंक ग्राहकों को सस्ता दर पर होम लोन, ऑटो लोन देंगे, जिससे आम आदमी को राहत मिलेगी, ईएमआई का बोझ कम होगा।

एलन मस्क की स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं देने का लाइसेंस मिला

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाएं संचालित करने का दूरसंचार विभाग (डॉट) का लाइसेंस मिल गया है। स्टारलिंक को अब सिर्फ इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर के अप्रूवल का इंतजार है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को सरकार से जरूरी लाइसेंस मिल गया है। दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट (जीएमपीसीएस) लाइसेंस दिया है। इस लाइसेंस के मिलने से स्टारलिंक भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू कर पाएगी। भारती एयरटेल-यूटेलसैट की वनवेब और रिलायंस जियो के बाद स्टारलिंक तीसरी कंपनी है, जिसे यह लाइसेंस मिला है। इससे एक दिन पहले केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बताया था कि जल्द ही स्टारलिंक सैटकॉम लाइसेंस दिया जा सकता है, इसके

लिए प्रक्रिया चल रही है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि अब स्पेक्ट्रम का आवंटन होगा। इसके बाद बड़े पैमाने पर सेवाएं शुरू हो सकेंगी, जिससे भारत में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी।

उल्लेखनीय है कि स्टारलिंक 2021 से ही भारतीय बाजार में आना चाहती थी। लेकिन, कुछ नियमों के कारण कंपनी को पहले अपने प्रयास रोकने पड़े थे। इसके साथ ही प्री-ऑर्डर के पैसे भी वापस करने पड़े थे।

आरबीआई ने अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए उठाए कई अहम कदम, सीआरआर में कटौती का ऐलान

एजेंसी

मुंबई। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने घरेलू अर्थव्यवस्था को गति देने के मकसद से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 0.50 फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी कर दिया है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति की समीक्षा पेश करते हुए बैंकों में नकदी बढ़ाने को सीआरआर में कटौती करने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्थिति नाजुक है और विभिन्न देशों में आर्थिक परिदृश्य कमजोर बना हुआ है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कमजोर आर्थिक परिदृश्य के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। संजय मल्होत्रा ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट को 0.50 फीसदी घटाकर 5.50 फीसदी किया। मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था निवेशकों के लिए अपार अवसर प्रदान करती है। उन्?होंने कहा कि

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान 4 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी किया गया है।आरबीआई गवर्नर ने कहा कि रेपो रेट में इस वर्ष एक फीसदी की कटौती के बाद अब मौद्रिक नीति में वृद्धि को समर्थन देने के लिए सीमित गुंजाइश है। केंद्रीय बैंक ने लगातार तीसरी बार रेपो रेट में कटौती की है। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा, भू-राजनीतिक तनाव एवं मौसम संबंधी अनिश्चितताएं बाधाएं उत्पन्न कर सकती हैं। मल्?होत्रा ने कहा कि अब एमपीसी भविष्य की नीति तैयार करने के लिए आय के आंकड़ों और उभरते परिदृश्य का सावधानीपूर्वक आकलन करेगी। गवर्नर ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में चालू खाते का घाटा (कैड) कम रहा, जो वित्त वर्ष 2025-26 में भी प्रबंधन के स्तर पर बना रहेगा। संजय मल्होत्रा ने कहा कि विदेशी मुद्रा भंडार 691.5 अरब अमेरिकी डॉलर पर 11 महीने से अधिक की आयात जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गिरावट के बावजूद भारत आकर्षक गंतव्य बना हुआ है। मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई ने नकद आरक्षित अनुपात (सीआआर) 1 फीसदी घटाने की घोषणा की, इससे बैंकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपये की नकदी बढ़ेगी। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मौद्रिक नीति समिति का मानना है कि नीतिगत ब्याज दर में कटौती से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार उम्मीद के अनुरूप है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि नकदी के 'संतोषजनक' स्तर पर होने से बैंक ग्राहकों को कम ब्याज दर का लाभ तेजी से दे सकेंगे।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए महंगाई दर का अनुमान घटाकर 3.7 फीसदी किया

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने महंगाई दर के अनुमान को मौजूदा 4.0 फीसदी से घटाकर 3.7 फीसदी कर दिया है। रिजर्व बैंक ने उम्मीद जतायी है कि जिंसों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी के साथ मुख्य मुद्रास्फीति नरम बनी रहेगी।आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मुंबई में तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि सामान्य मानसून के मद्देनजर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति यानी खुदरा महंगाई दर अब 3.7 फीसदी पर रहने का अनुमान है। इसके अप्रैल-जून तिमाही में 2.9 फीसदी, जुलाई-सितंबर तिमाही में 3.4 फीसदी, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 3.9 फीसदी और जनवरी-मार्च तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है। मल्होत्रा ने कहा कि महंगाई दर का यह अनुमान सभी प्रमुख चीजों में कीमतों के अनुकूल रहने की ओर इशारा करता है।

रबी फसल के मौसम में रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन और प्रमुख दालों के उच्च उत्पादन से प्रमुख खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित होनी चाहिए। भविष्य में सामान्य से बेहतर मानसून और इसके जल्दी आने की संभावना खरीफ फसल की संभावनाओं के लिए अच्छे संकेत है। मल्होत्रा ने कहा, ''अधिकतर अनुमान कच्चे तेल सहित प्रमुख वस्तुओं की कीमतों में निरंतर नरमी की ओर इशारा करते हैं।''

सर्राफा बाजार में तेजी: 1 लाख के करीब पहुंच सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये से लेकर 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,310 रुपये से लेकर 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 2,000 रुपये की तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा- अब रेपो रेट में और कटौती की गुंजाइश काफी कम

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि रेपो रेट में 0.50 फीसदी कटौती करने की घोषणा के बाद इसमें आगे और कम करने की बहुत कम गुंजाइश दिख रही है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में नीतिगत दर को आधा फीसदी घटाकर 5.5 फीसदी पर लाने का फैसला किया गया है। रिजर्व बैंक फरवरी से लेकर अबतक रेपो रेट में एक फीसदी की कटौती कर चुका है। संजय मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भविष्य की मौद्रिक नीति कार्रवाई आने वाले आंकड़ों पर निर्भर करेगी। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए मौद्रिक नीति के लिए अब बहुत सीमित गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान लगभग 6.5 फीसदी है, जबकि हम महंगाई दर के इस साल 3.7 फीसदी और अगले वर्ष के लिए चार फीसदी से अधिक रहने का अनुमान लगा रहे हैं। यदि यह सब होता है, तो फिर रेपो रेट में कटौती की बहुत सीमित गुंजाइश है। आरबीआई गवर्नर ने उम्मीद जताई कि रेपो रेट में कटौती का आर्थिक वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में ही नजर आएगा। मल?होत्रा ने कहा, ''हम आने वाले आंकड़ों पर नजर रखना जारी रखेंगे और मुख्य रूप से वही कदम उठाएंगे, जो आंकड़े हमें सुझाएंगे।'' उन्होंने कहा कि ताजा कटौती के बाद रेपो दर पिछले तीन साल के सबसे निचले स्तर पर आ गई है। पिछले रुझानों की तुलना में इस बार प्रमुख नीतिगत ब्याज दर में कटौती का ग्राहकों के स्तर पर रूपांतरण कहीं अधिक तेजी से होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना हुआ है और विदेशी निवेशकों द्वारा अपना पैसा वापस भेजने के मामले में वृद्धि एक परिपक्व बाजार का संकेत है। यह दर्शाता है कि विदेशी निवेशक भारत में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं और बाहर निकल सकते हैं। उन्होंने कहा कि सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह मजबूत बना हुआ है। यह वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 14 फीसदी बढ़कर 81 अरब डॉलर हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 71.3 अरब डॉलर था।

आरबीआई ने 2025-26 के लिए जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 6.5 फीसदी पर रखा बरकरार

नई दिल्ली।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भी 6.50 फीसदी की विकास दर दर्ज की गई है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद इसका ऐऐलान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती, स्थिरता और अवसर की तस्वीर पेश कर रही है। मलहोत्रा ने कहा कि एमपीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद के लिए अपने विकास दर के अनुमान को 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है, जो हमारे पहले के पूर्वानुमान के अनुसार जारी रहेगी। मल्होत्रा ने बताया कि वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया है। चालू वित्?त वर्ष 2025-2026 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में जीडीपी की वृद्धि दर 6.50 फीसदी, दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च 2026) में 6.4 फीसदी रहेगी।

रिजर्व बैंक के फैसले से स्टॉक मार्केट में जोश, निफ्टी 25 हजार अंक के पार पहुंचा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कटौती के फैसले का आज घरेलू शेयर बाजार के कारोबार पर जबरदस्त असर नजर आया। इस तेजी के कारण निफ्टी एक बार फिर 25 हजार अंक के स्तर को पार करके बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत सांकेतिक कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में गिरावट का रुख भी बना, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण शेयर बाजार में तेजी आ गई। सेंसेक्स निचले स्तर से 1,100 अंक से भी ज्यादा उछल गया। वहीं, निफ्टी में भी निचले स्तर से 350 अंक से अधिक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.92 प्रतिशत और निफ्टी 1.02 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में जबरदस्त खरीददारी होती रही। इसी तरह मेटल, रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, आईटी, ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कैपिटल गुड्स सेक्टर में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.91 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 451.06 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 447.50 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.56 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,156 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,282 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,741 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 133 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,591 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,459 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,132 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 27 शेयर बढ़त के साथ और 3 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 45 शेयर हरे निशान में और 5 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 7.80 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ 81,434.24 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक सुबह 10 बजे तक 301.93 अंक टूट कर 81,140.11 अंक तक गिर गया। इसके कुछ देर बाद रिजर्व बैंक द्वारा रेपो रेट में कटौती कर देने का ऐलान करते ही बाजार में चौतरफा खरीदारी शुरू हो गई, जिसके कारण थोड़ी ही देर में ये सेंसेक्स हरे निशान में पहुंच गया। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 1,150 अंक से अधिक उछल कर 857.85 अंक की मजबूती के साथ 82,299.89 अंक तक पहुंच गया।

पीयूष चावला ने 36 साल की उम्र में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज लेग स्पिनर और दो बार के वर्ल्ड कप विजेता पीयूष चावला ने पेशेवर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। 36 वर्षीय चावला ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 20 साल से ज्यादा समय तक मैदान पर रहने के बाद अब इस खूबसूरत खेल को अलविदा कहने का समय आ गया है। चावला ने 2007 में भारत को टी20 विश्व कप जिताने वाली टीम और 2011 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पेशेवर क्रिकेट में सभी फॉर्मेट मिलाकर 1000 से अधिक विकेट चटकाए। भारत के लिए उन्होंने 3 टेस्ट, 25 वनडे और 7 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल 43 विकेट हासिल किए। चावला ने महज 17 साल और 75 दिन की उम्र में भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ मार्च 2006 में टेस्ट डेब्यू किया था। वे इस फॉर्मेट में भारत की ओर से सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 16 साल और 205 दिन की उम्र में डेब्यू किया था।अपने पोस्ट में चावला ने लिखा, भारत का प्रतिनिधित्व करना और 2007 व 2011 की विश्व विजेता टीम का हिस्सा बनना मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ये यादें हमेशा मेरे दिल में रहेंगी।

आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप में भारत की ओर से एलवेनिल, रमिता, मड्डेनेनी समेत 23 निशानेबाज होंगे शामिल

नई दिल्ली। म्यूनिख (जर्मनी) में 8 जून से शुरू हो रहे आईएसएसएफ शूटिंग वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल इवेंट में भारत की ओर से 23 सदस्यीय दल भाग लेगा। इस दल में एलवेनिल वलारिवन, रमिता जिंदल और मड्डेनेनी उमामहेश जैसे प्रतिभाशाली निशानेबाज शामिल हैं, जो 'गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी' से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

एलवेनिल की उपलब्धियां और लक्ष्य

एलवेनिल वलारिवन अर्जुन अवॉर्ड विजेता हैं। उन्होंने दो बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और दो जूनियर वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। साल 2019 में उन्हें आईएसएसएफ शूटर ऑफ द ईयर का खिताब मिला था और वे 10 मीटर एयर राइफल (महिला वर्ग) में पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 भी रह चुकी हैं। इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने को लेकर उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं हमेशा अपने देश का प्रतिनिधित्व करने के अवसर के लिए आभारी हूं। मेरा लक्ष्य है कि देश और अपने सभी समर्थकों को गर्व महसूस करा सकूं। गन फॉर ग्लोरी ने मेरे करियर में अहम भूमिका निभाई है, मैं उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देती हूं।

अर्जेंटीना ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर में चिली को 1-0 से हराया

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 के क्वालीफाई मुकाबले में अर्जेंटीना ने चिली को 1-0 से हराकर तीन अंक हासिल किए। यह मुकाबला गुरुवार को सैंटियागो में खेला गया। अर्जेंटीना के लिए एकमात्र गोल जूलियन अल्वारेज़ ने 23वें मिनट में किया।अर्जेंटीना और चिली के बीच फुटबॉल में लंबे समय से जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता रही है, जिसमें 1942 की दक्षिण अमेरिकी चैम्पियनशिप से लेकर 2016 कोपा अमेरिका फाइनल तक के मुकाबले शामिल हैं। उस फाइनल में हार के बाद लियोनेल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय संन्यास की घोषणा कर दी थी, हालांकि बाद में वे दोबारा खेल में लौट आए थे इस मुकाबले में अर्जेंटीना पहले ही विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर चुका था, इसलिए कप्तान मेसी को शुरुआती ग्यारह खिलाड़ियों में शामिल नहीं किया गया। टीम ने युवा खिलाड़ियों निको पाज़, जूलियन अल्वारेज़ और जियोवानी सिमीओने के साथ शुरुआत की। हालांकि, मैच की पहली वास्तविक कोशिश चिली ने की, जब तीसरे ही मिनट में एलेक्सिस सांचेज़ ने बॉक्स के बाहर से ज़ोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज़ ने शानदार बचाव करते हुए रोक लिया। इसके बाद अर्जेंटीना ने खेल पर नियंत्रण बना लिया और पहले हाफ में चिली को कोई खास मौका नहीं दिया। 13 मिनट बाद थियागो आल्माडा ने एक शानदार पास दिया, जिसे अल्वारेज़ ने चिप शॉट से गोल में तब्दील कर दिया। गेंद गोलपोस्ट से लगकर भीतर चली गई।

सिनर और अल्काराज के बीच होगी फ्रेंच ओपन की खिताबी भिड़ंत

पेरिस। विश्व के नंबर वन टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज के बीच फ्रेंच ओपन के फाइनल मुकाबले में खिताब के लिए भिड़ेंगे। रात खेले दूसरे सेमीफाइनल में मुकाबले में इटली के जैनिक सिनर ने सर्बिया के नोवाक जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6 (3) से हराया। सिनर तीन घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में अपनी जीत पक्की की। सिनर की जोकोविच के खिलाफ लगातार चौथी जीत है। इसी हार के साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने का इंतजार बढ़ गया है। पहले सेमीफाइनल में स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के चोटिल लोरेंजो मुसेट्टी के मैच के बीच में हटने के बाद फ्रेंच ओपन पुरुष एकल के फाइनल में जगह बना ली थी। मैच की शुरुआत अल्काराज ने पहला सेट गंवाया लेकिन इसके बाद वह वापसी करते हुए 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे। इसी दौरान इटली के मुसेट्टी ने जांघ की चोट के कारण खेल छोड़ दिया।

बिहार में पहली बार टेबल टेनिस टूर्नामेंट का हो रहा आयोजन,पद्मश्री शरद कमल का मिलेगा मार्गदर्शन

एजेंसी

पटना। बिहार में पहली बार स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट 19 से 22 जून के बीच पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के इनडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवींद्र शंकरन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बिहार में पहली बार आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन खेल विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण (बीएसएसए) और बिहार टेबल टेनिस एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। राज्यस्तरीय रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन प्रत्येक राज्य में शीर्ष खिलाड़ियों को निर्धारित (चयनित) करने के लिए किया जाता है। राज्य सरकार उन खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनमें राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। पद्मश्री शरद कमल के मार्गदर्शन में आयोजनटूर्नामेंट का आयोजन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त टेबल टेनिस खिलाड़ी और पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित शरद कमल के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इससे यह आयोजन राज्य के खिलाड़ियों के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि उन्हें शरद कमल के मार्गदर्शन और उनके सामने अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। कुशल और अनुभवी चयनकर्ताओं द्वारा सभी आयु वर्ग से सफल और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। रवींद्र शंकरन ने कहा कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए अर्हता प्राप्त करने में टूर्नामेंट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। टूर्नामेंट में पुरुष और महिला एकल के लिए अंडर 11, 13, 15, 17 और 19 के विभिन्न आयु समूहों के लिए टेबल टेनिस प्रतियोगिताएं होंगी। पूरे राज्य के खिलाड़ी टूर्नामेंट में भाग ले सकते हैं। टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए प्रतिभागी गूगल फॉर्म भरकर अपना पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 12 जून 2025 है। प्रतिभागियों को 18 जून को खेल प्राधिकरण में रिपोर्ट करना होगा। प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण निःशुल्क होगा। बिहार सरकार और बीएसएसए खिलाड़ियों के आवास, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं का ध्यान रखेंगे।

अल्टीमेट टेबल टेनिस जूनियर्स सेमीफाइनलः चैंपियन बनने की जंग में उतरेंगी चार धाकड़ टीमें

एजेंसी

अहमदाबाद। ड्रीम अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) जूनियर्स सीज़न 1 अब रोमांचक नॉकआउट चरण में प्रवेश कर चुका है, जहां चार शीर्ष प्रदर्शन करने वाली टीमें सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगी। लीग स्टेज में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए यू मुंबा टीटी की जोड़ी प्रतीक तुलसानी और अनन्या मुरलीधर ने 29 अंकों के साथ टेबल टॉप किया और सेमीफाइनल में जगह पक्की की। अब सेमीफाइनल के पहले मुकाबले में यू मुंबा टीटी का सामना चौथे स्थान पर रही जयपुर पैट्रियट्स से होगा, जिसकी ओर से त्रिशाल सुरापुरेड्डी और श्रेय धीर मैदान में उतरेंगे। जयपुर ने 25 अंकों के साथ अंतिम चार में जगह बनाई है। दूसरे सेमीफाइनल में देम्पो गोवा चैलेंजर्स की ओर से साहिल रावत और आर्या रेडकर की जोड़ी 28 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जो तीसरे स्थान पर रही कोलकाता थंडरब्लेड्स से भिड़ेगी। थंडरब्लेड्स की ओर से ऋत्विक गुप्ता और स्वरा कर्मारकर सेमीफाइनल में चुनौती पेश करेंगे। कोलकाता ने 26 अंक जुटाकर टॉप चार में अपनी जगह बनाई। दोनों सेमीफाइनल के विजेता रविवार अहमदाबाद के एकेए एरिना में होने वाले फाइनल मुकाबले में भिड़ेंगे।

सेमीफाइनल 1: यू मुंबा टीटी बनाम जयपुर पैट्रियट्स - सुबह 9 बजे से 10 बजे तक

सेमीफाइनल 2: देम्पो गोवा चैलेंजर्स बनाम कोलकाता थंडरब्लेड्स - सुबह 10 बजे से 11 बजे तक

फाइनल में पहुंचने के लिए चारों टीमें पूरी ताकत झोंकने को तैयार हैं और दर्शकों को एक जबरदस्त टेबल टेनिस मुकाबले की उम्मीद है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक के लिए एंट्री लिस्ट घोषित, जापान के डीन की जगह चेक गणराज्य के कोनेक्नी शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। चेक गणराज्य के मार्टिन कोनेक्नी ने जापान के एशियन गेम्स कांस्य पदक विजेता गेन्की डीन की जगह ली है, आयोजकों ने नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए 12 खिलाड़ियों की अंतिम एंट्री लिस्ट की पुष्टि कर दी है। यह भारत में पहली बार आयोजित होने वाली अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता है, जिसे मूल रूप से 24 मई को पंचकूला में होना था, लेकिन भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के चलते इसे स्थगित कर दिया गया था।

ओलंपिक मेडलिस्ट चोपड़ा की खास पहलः इस प्रतिष्ठित आयोजन को दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा और छ्ब्स्ब्ब् स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसे एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की मान्यता प्राप्त है। चोपड़ा की यह ड्रीम प्रोजेक्ट मानी जा रही प्रतियोगिता विश्व एथलेटिक्स द्वारा कैटेगरी-ए का दर्जा प्राप्त कर चुकी है।

दिग्गज अंतरराष्ट्रीय नाम होंगे शामिल

मार्टिन कोनेक्नी के अलावा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों में ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, 2016 ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता थॉमस रोहलर (जर्मनी), 2015

विश्व विजेता जूलियस येगो (केन्या), कर्टिस थॉम्पसन (अमेरिका), लुइज मौरिसियो दा सिल्वा (ब्राज़ील) और श्रीलंका के रुमेश पथिरागे जैसे दिग्गज शामिल होंगे।

भारतीय दल में होंगे 5 स्टार एथलीट्सः नीरज चोपड़ा के साथ भारतीय दल में एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल भी अपनी चुनौती पेश करेंगे।

बदला वेन्यू, अब बेंगलुरु में होगा आयोजनः पहले यह प्रतियोगिता पंचकूला में होनी थी, लेकिन लाइव टेलीकास्ट में रौशनी की समस्या के चलते अब इसे बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में 5 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

टिकट की कीमत और प्रीमियम अनुभव

आयोजकों के मुताबिक, टिकट की कीमतें 199 से ?9,999 तक होंगी। 15 लोगों की क्षमता वाले कॉरपोरेट बॉक्स की कीमत 44,999 रखी गई है। थ्रोअर्स रनवे के पास विशेष स्टैंड ?9,999 में और नॉर्थ अपर स्टैंड में रनवे के ठीक पीछे स्थित प्रीमियम सेक्शन 2,999 में उपलब्ध होगा। नीरज चोपड़ा का उद्देश्य इस आयोजन के माध्यम से भारत को विश्व स्तरीय एथलेटिक्स आयोजनों का भरोसेमंद मेजबान बनाना है। यह प्रतियोगिता इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

केएल राहुल ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ लगाया शतक, जुरेल का लगातार तीसरा अर्धशतक

एजेंसी

लंदन। लंबे समय बाद लाल गेंद से क्रिकेट में लौटे केएल राहुल ने शानदार शतक लगाते हुए अपने फॉर्म का दमदार बयान दिया। इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के पहले दिन राहुल ने 116 रनों की लाजवाब पारी खेली, जिससे इंडिया ए ने 319/7 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। बारिश से प्रभावित दिन में राहुल और ध्रुव जुरेल की शतकीय साझेदारी टीम के लिए बड़ी ताकत बनी।

राहुल ने दिखाया क्लास, नहीं थे शुरुआती टीम में: केएल राहुल को शुरू में इस मुकाबले के लिए चुना नहीं गया था, लेकिन आईपीएल खत्म होने के बाद उन्होंने खुद को उपलब्ध कराया और पहले ही दिन शतक जड़कर चयनकर्ताओं को सोचने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने करुण नायर के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी की और फिर जुरेल के साथ मिलकर टीम को संकट से उबारा।

वोक्स ने तोड़ी शुरुआती कमर

इंग्लैंड लॉयंस के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज़ क्रिस वोक्स ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए 3 विकेट झटके। उन्होंने यशस्वी जायसवाल (17) और अभिमन्यु ईश्वरन को जल्दी पवेलियन भेजकर भारत की शुरुआत बिगाड़ दी। लेकिन इसके बाद राहुल और करुण नायर (40 रन) ने पारी को संभाला।

जुरेल फिर चमके, लगातार तीसरी फिफ्टी

ध्रुव जुरेल ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। पहले अनौपचारिक टेस्ट में 94 और नाबाद 53 रन बनाने वाले जुरेल ने यहां 52 रनों की अहम पारी खेली। राहुल के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने इंडिया

ए को मजबूत स्थिति में ला दिया।

अंत में हिल ने दिलाई इंग्लैंड को वापसी

दिन के आखिरी सत्र में जॉर्ज हिल ने दोनों सेट बल्लेबाजों – राहुल और जुरेल – को नौ गेंदों के अंदर पवेलियन भेजा जिससे इंग्लैंड लॉयंस ने थोड़ी वापसी की। इसके बाद नितीश रेड्डी और शार्दुल ठाकुर ने दिन का खेल खत्म होने तक संयम से बल्लेबाज़ी की, हालांकि बारिश की रुक-रुक कर बाधा बनी रही।

यूरोपा लीग खिताब जीतने के कुछ ही दिनों बाद टोटनहम ने कोच पोस्टेकोग्लू को किया बर्खास्त

एजेंसी

लंदन। यूरोपा लीग 2025 का खिताब जीतने के कुछ ही दिनों बाद टोटनहम हॉटस्पर ने अपने मुख्य कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को बर्खास्त कर दिया है। क्लब ने एक आधिकारिक बयान में इस फैसले की पुष्टि करते हुए कहा, प्रदर्शन की समीक्षा और गंभीर विचार-विमर्श के बाद क्लब यह निर्णय ले रहा है कि एंजे पोस्टेकोग्लू को उनके पद से मुक्त किया जा रहा है। 22 मई को टोटनहम ने मैनचेस्टर यूनाइटेड को 1-0 से हराकर यूरोपा लीग खिताब पर कब्जा जमाया था। यह क्लब का पिछले 17 वर्षों में पहला बड़ा खिताब था। इस ऐतिहासिक जीत के बावजूद पोस्टेकोग्लू को क्लब से बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

प्रीमियर लीग में बेहद निराशा जनक प्रदर्शन

खिताबी जीत के उलट, टोटनहम का प्रीमियर लीग 2024-25 में प्रदर्शन बेहद खराब रहा। क्लब लीग तालिका में 17वें स्थान पर रहा और 38 मैचों में सिर्फ 38 अंक हासिल कर सका। टीम किसी तरह रेलिगेशन से बच पाई।

बोर्ड ने कहा- भावनाओं में बहकर नहीं ले सकते फैसले

क्लब के बयान में आगे कहा गया, हम एंजे के समर्पण और उनके योगदान के लिए आभारी हैं। यूरोपा लीग जीतना क्लब के लिए एक महान क्षण है, लेकिन हम सिर्फ इस भावना के आधार पर भविष्य नहीं तय कर सकते। बोर्ड ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया है कि क्लब के हित में बदलाव जरूरी है। पोस्टेकोग्लू ने खिताबी जीत के बाद कहा था, मैंने प्रशंसकों से कहा था कि हम जीतेंगे, उन्होंने हँस कर टाल दिया। पर अब हम यहाँ हैं। और याद रखिए, सबसे अच्छी टेलीविजन सीरीज का तीसरा सीजन, दूसरे से भी बेहतर होता है। गौरतलब है कि पोस्टेकोग्लू ने 2023 में सेल्टिक से टोटनहम का कोच बनना स्वीकार किया था और उन्हें चार साल के अनुबंध पर लाया गया था। लेकिन दो वर्षों के भीतर ही यह साथ समाप्त हो गया।

टी-20 मैच में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 21 रनों से हराया

चेस्टर-ले-स्ट्रीट। जॉश बटलर (96) रन की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी के बाद लियम डॉसन (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पहले टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 21 से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। खेले गये मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में बेन डकेट (एक) का विकेट गवां दिया। उन्हें रोमारियो शेफर्ड ने विकेटकीपर साई होप के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जॉश बटलर ने सलामी बल्लेबाज जेमी स्मिथ के साथ दूसरे विकेट के लिए 79 रनों की साझेदारी कर इंग्लैंड की पारी को संभाला। सातवें ओवर में रोमारियो शेफर्ड ने जेमी स्मिथ 20 गेंदों में (38) को रदरफोर्ड के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। कप्तान हैरी ब्रूक (छह), टॉम बैंटन (तीन) और विल जैक्स (नौ) रन बनाकर आउट हुये। जॉश बटलर ने 59 गेंदों में चार छक्के और छह चौकों की मदद से (96) रनों की आतिशी पारी खेली। विस्फोटक बल्लेबाजी कर रहे बटलर अपना शतक पूरा नहीं कर सके। उन्हें अल्जारी जोसेफ ने पगबाधा आउट किया। इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 188 रन का स्कोर खड़ा किया। जेकब बेथेल (23) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट लिये । अल्जारी जोसेफ,रॉस्टन चेज और आंद्रे रसल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 : वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की रेस में उतरेगी भारतीय पुरुष हॉकी टीम, यूरोप में होगी कड़ी परीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 (पुरुष वर्ग) के अगले चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम यूरोप में अपना अभियान फिर से शुरू करने को तैयार है। इस चरण में भारत का सामना नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम जैसी मजबूत टीमों से होगा। स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में टीम का पहला मुकाबला 7 जून को वर्ल्ड नंबर-1 नीदरलैंड्स से एम्सटेलवीन में होगा।

वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन की राह पर नज़र

प्रो लीग न सिर्फ प्रतिष्ठा की लीग है बल्कि यह एफआईएच पुरुष वर्ल्ड कप 2026 के क्वालिफिकेशन का भी अहम जरिया है। ऐसे में भारत मैच से अधिकतम अंक बटोरने और अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। वर्तमान में भारत 20 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड और बेल्जियम

उससे आगे हैं।

हरमनप्रीत बोले – 'तीन या उससे अधिक गोल हों हमारा लक्ष्य'

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, कोच क्रेग हमेशा हमें मैच से पहले कहते हैं कि अगर हम तीन या उससे अधिक गोल करते हैं तो जीतने की संभावना ज्यादा होती है। इसके हर्लिए हमें हर क्वार्टर में कम से कम दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने की कोशिश करनी होगी और उन्हें गोल में बदलना होगा। इस बार हमारा खास फोकस फील्ड गोल्स पर है, और अगर वो संभव न हो तो पेनल्टी कॉर्नर को भुनाकर बढ़त लेने की रणनीति रहेगी।

क्रेग फुल्टन की रणनीतिः हर मैच को फाइनल मानकर खेलेंगे

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हम पहले ही जर्मनी, इंग्लैंड, स्पेन और आयरलैंड जैसी टीमों के खिलाफ खेले हैं और तीसरे स्थान पर हैं। अब नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना और बेल्जियम जैसी चुनौतीपूर्ण टीमों के खिलाफ खेलना है। हमारी रणनीति हर मैच के लिए अलग होगी और हम हर मुकाबले को फाइनल की तरह लेंगे। हमारा लक्ष्य हर मैच से पूरे तीन अंक हासिल करना है।

भारत बनाम नीदरलैंड्सः आंकड़ों में कांटे की टक्कर

दोनों टीमों के बीच अब तक 20 मुकाबले हुए हैं, जिनमें भारत ने 5 मैच जीते हैं और 7 ड्रॉ रहे हैं। पिछले सीजन में दोनों मुकाबले शूटआउट तक पहुंचे थे। पहला भारत ने जीता था, जबकि दूसरा नीदरलैंड्स ने।

शेड्यूलः यूरोपीय दौरे में ऐसे भिड़ेगी टीम इंडिया

भारत बनाम नीदरलैंड्सः

7 जून - रात 7:30 बजे IST

9 जून - शाम 6:00 बजे IST

भारत बनाम अर्जेंटीनाः

11 और 12 जून - एम्सटेलवीन, नीदरलैंड्स

भारत बनाम ऑस्ट्रेलियाः

14 और 15 जून - एंटवर्प, बेल्जियम

भारत बनाम बेल्जियमः

21 और 22 जून - एंटवर्प, बेल्जियम

सैलिसबरी और स्कूप्स्की की जोड़ी फ्रेंच ओपन युगल के फाइनल में

पेरिस। ब्रिटिश जोड़ी जो सैलिसबरी और नील स्कूप्स्की की जोड़ी ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग को हराया फ्रेंच ओपन पुरुष युगल के फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त ब्रिटेन की जोड़ी ने अमेरिकी जोड़ी को 6-7 (5-7) 6-3 7-6 (10-7) से हराया। यह पहली बार है जब सैलिसबरी - स्कूप्स्की की जोड़ी ने पेरिस में पुरुष युगल में फाइनल में पहुंची हो। ब्रिटेन की सैलिसबरी- स्कूप्स्की की जोड़ी का शनिवार को फाइनल में स्पेन के मार्सेल ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस से होगा।

ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के साथ आए एरोल मस्क, सर्वोटेक के साथ खेला फ्रेंडली मैच

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे अमीर और तकनीकी क्षेत्र के दिग्गज एलन मस्क के पिता एरोल मस्क भारत दौरे के दौरान सर्वोटेक स्पोर्ट्स टीम के साथ टेनिस क्रिकेट बाल के एक फ्रेंडली मैच में शामिल हुए। इस मनोरंजक मैच से परे मस्क ने जमीनी स्तर के खिलाड़ियों को पंख देने वाली टेनिस क्रिकेट बॉल लीग ड्रीम लीग ऑफ इंडिया (डीएलआई) को अपना मजबूत समर्थन दिया।

सर्वोटेक स्पोर्ट्स ने मई 2025 में ड्रीम लीग ऑफ इंडिया की शुरुआत की थी। इस लीग में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को टेनिस क्रिकेट बॉल वर्ल्ड कप और एशिया कप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। भारत दौरे के दौरान एरोल मस्क ने ना केवल खेल भावना दिखाई, बल्कि ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के उद्देश्य की सराहना भी की, जो पूरे देश में जमीनी स्तर की प्रतिभा को निखारने की दिशा में काम कर रही है। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के बारे में बात करते हुए सर्वोटेक स्पोर्ट्स के निदेशक ऋषभ

भाटिया ने कहा , हमारे लिए श्री एरोल मस्क की मेज़बानी करना गर्व की बात थी। उन्होंने न केवल खेल में भाग लिया, बल्कि उस सोच को भी समझा जो हम इस पहल के ज़रिए आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर की जा रही इस तरह की शुरुआत खेल और प्रतिभा को दुनिया भर में लोकतांत्रिक बनाने का सबसे सही तरीका है। उनके शब्द हमारी पूरी टीम के लिए प्रेरणादायक हैं। इस अवसर पर ड्रीम लीग ऑफ इंडिया के मुख्य रणनीतिकार चेतन्य नंदा ने कहा, एरोल मस्क का सर्वोटेक स्पोर्ट्स के साथ जुड़ना और ड्रीम लीग ऑफ इंडिया का समर्थन करना हमारी कोशिशों को वैश्विक पहचान दिलाने में मदद करेगा। सर्वोटेक स्पोर्ट्स का उद्देश्य जमीनी स्तर की प्रतिभा को निखारना है, ताकि टॉप परफॉर्मर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिल सके। ड्रीम लीग ऑफ इंडिया जूनियर (13-18 वर्ष) और सीनियर (18+ वर्ष) दोनों वर्गों के लिए होगी, जिसमें दोनों कैटेगरी में छह-छह फ्रेंचाइज़ी हिस्सा लेंगी। इस लीग के दौरान पूरे देश में होने वाले मैचों को स्काउट्स द्वारा बारीकी से देखा जाएगा और यहीं से वर्ल्ड कप एवं एशिया कप के लिए भारतीय टीम के चयन की आधारशिला रखी जाएगी।

भारत में बास्केटबॉल क्रांति की शुरुआतः एसीजी ने बीएफआई के साथ भारत की पहली प्रोफेशनल बास्केटबॉल लीग लॉन्च की

एजेंसी

मुंबई। भारतीय खेलों के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए एसीजी स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के साथ साझेदारी में भारत की पहली पेशेवर बास्केटबॉल लीग की शुरुआत की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक पहल पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए 5×5 और 3×3 प्रारूपों में संरचित प्रतिस्पर्धी लीग पेश करेगी, जो पूरे देश में एथलीटों को बास्केटबॉल को एक पेशेवर करियर के रूप में अपनाने का अवसर प्रदान करेगी। यह लीग भारत में बास्केटबॉल को खेलने, देखने और समर्थन करने के तरीके को पूर्णतः बदलने के उद्देश्य से डिज़ाइन की गई है। इसका लक्ष्य इस खेल को एक सीमित वर्ग तक सीमित रखने के बजाय मुख्यधारा के खेलों की श्रेणी में लाना है। यह पहल विश्वस्तरीय अवसंरचना, समग्र खिलाड़ी विकास और मजबूत सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से भारत को वैश्विक बास्केटबॉल मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने के लिए एक दीर्घकालिक उत्प्रेरक बनेगी। इस लीग का संचालन एसीजी स्पोर्ट्स प्रा. लि. द्वारा किया जा रहा है, जो कि एसीजी का ही एक डिवीजन है। एसीजी, फार्मास्युटिकल और न्यूट्रास्युटिकल उद्योगों के लिए एकीकृत विनिर्माण समाधान प्रदान करने वाला वैश्विक अग्रणी समूह है। एसीजी की समाज के उत्थान के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के चलते यह पहल उनके पिछले एक दशक से चल रहे जमीनी स्तर के बास्केटबॉल कार्यक्रमों का स्वाभाविक विस्तार है। ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय बास्केटबॉल लीग (एनबीएल) के पूर्व सीईओ और कमिश्नर जेरेमी लोएलिगर को एसीजी स्पोर्ट्स का निदेशक नियुक्त किया गया है, जो लीग की वैश्विक रणनीति और संचालन का नेतृत्व करेंगे। वे भारतीय परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर की गवर्नेंस, प्रतिस्पर्धा और व्यावसायिक नवाचार लेकर आएंगे।एसीजी के प्रबंध निदेशक करन सिंह ने कहा, बास्केटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं है, यह चरित्र निर्माण, नेतृत्व और अवसर प्रदान करने का माध्यम है। हमारी एक दशक की यात्रा, जो जमीनी स्तर से शुरू हुई थी, का उद्देश्य देश भर में बास्केटबॉल को सुलभ बनाना और युवाओं के लिए व्यावसायिक मार्ग प्रशस्त करना रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी इस प्रोफेशनल लीग की कल्पना एक ऐसे आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में की गई है, जहाँ हर प्रतिभाशाली बच्चा बास्केटबॉल में एक उज्जवल भविष्य देख सके। हम BFI के साथ इस साझेदारी के लिए आभारी हैं। यह शुरुआत तो सराहनीय है, लेकिन हमें पता है कि एक समृद्ध बास्केटबॉल संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयास और सामूहिक समर्थन आवश्यक है। एसीजी की इस पहल में भूमिका केवल लीग संचालन तक सीमित नहीं है। अपनी दीर्घकालिक रणनीति के तहत एसीजी भारत का पहला पूर्णतः आवासीय हाई-परफॉर्मेंस सेंटर इसी वर्ष शुरू करेगा। यह अकादमी विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त होगी, जिसमें अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया से श्रेष्ठ प्रशिक्षकों को लाया जाएगा, और यह खिलाड़ियों, कोचों व रेफरियों के लिए व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करेगी। पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक संतुलन को प्रशिक्षण का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाएगा, जिससे भविष्य के सितारों का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है।

बीबीए के बाद क्या है कॅरियर ऑप्शन

बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। बीबीए यानी बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हाल के दिनों में बेहद तेजी से यह कोर्स लोकप्रिय हुआ है। दुनिया में छोटे से लेकर बड़े व्यापार लोग कर रहे हैं, तो गवर्नमेंट भी चाह रही है कि लोग-बाग बिजनेस करें, ताकि देश की इकोनॉमी तेज गति से आगे बढती रहे।

इन तमाम चीजों में अगर एक कॉमन फैक्टर खोजा जाए तो वह यह है कि नए-पुराने सभी व्यापारों में मैनेजमेंट के स्टूडेंट्स की अहमियत दिनों दिन बढ़ती जा रही है। चूंकि ह्यूमन रिसोर्स से लेकर सेल्स डिपार्टमेंट, परचेज डिपार्टमेंट, तकनीकी डिपार्टमेंट, नेटवर्किंग और दूसरे विभाग बगैर मैनेजमेंट के चल ही नहीं सकते हैं। चाहे आप आईटी की बात कर लें, चाहे आप सर्विस की बात कर लें, या फिर किसी और डिपार्टमेंट की, जाहिर है कि मैनेजमेंट का रोल बढ़ जाता है। और ऐसी स्थिति में बीबीए को एक स्टूडेंट कॅरियर के रूप में बेहतरीन ऑप्शन के तौर पर चुन सकता है। ऐसी स्थिति में आपको कारपोरेट लीडर बनने का मौका मिल जाता है। अगर साधारण तौर पर भी बात की जाए, तो कॅरियर ग्रोथ के लिए बीबीए के बाद कैंडिडेट्स को एमआईएस अर्थात मैनेजमेंट इनफॉरमेशन सिस्टम का सर्टिफिकेशन कोर्स करने की सलाह भी एक्सपर्ट देते है। सॉफ्टवेयर की जानकारी से आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ेगा ही, साथ ही कारपोरेट वर्ल्ड में इन चीजों का बेहतर से बेहतर प्रयोग होता है, जिससे आपको काफी आसानी होगी। इसी प्रकार कम्युनिकेशन पर भी आपको खासा ध्यान देना चाहिए, क्योंकि प्रबंधन वही कर सकता है, जो तमाम पक्षों से बेहतरीन कम्युनिकेशन करने की दक्षता रखता हो।

मार्केट के कई पक्ष होते हैं, और उनके साथ आप तभी ठीक तरह से कम्युनिकेट कर पाएंगे, जब आप बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल अपने भीतर रखते हैं। इसके लिए आपको अपने कलीग्स के साथ इंटरेक्शन करते रहना चाहिए, तो भिन्न न्यूज पेपर्स भी पढ़ते रहना चाहिए। इतना ही नहीं, मार्केट ट्रेंड को आप अपने ध्यान में हमेशा बनाए रखें, जिससे चीजों को समझने की आपकी दक्षता काफी बढ़ेगी।

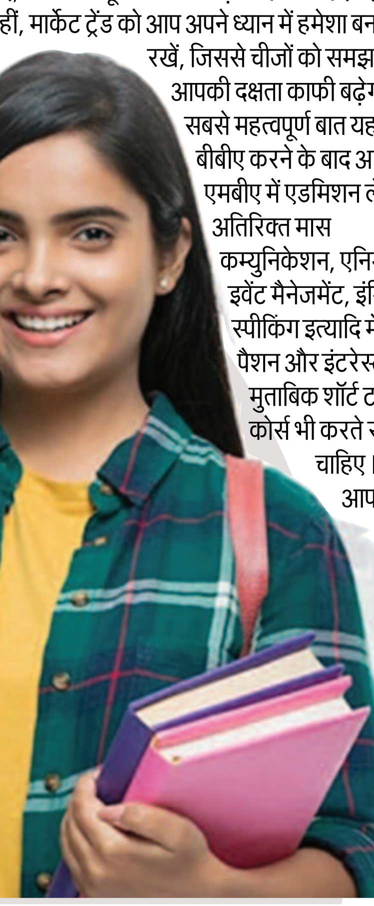

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बीबीए करने के बाद आपको एमबीए में एडमिशन लेने के अतिरिक्त मास कम्युनिकेशन, एनिमेशन, इवेंट मैनेजमेंट, इंग्लिश स्पीकिंग इत्यादि में अपने पैशन और इंटरेस्ट के मुताबिक शॉर्ट टर्म कोर्स भी करते रहना चाहिए। इससे आपकी दक्षता तो बढ़ती ही है, आपका फोकस क्लियर होने से आप सफलता की राह पर इतनी ही तीव्रता से आगे की ओर बढ़ सकते हैं।

ध्यान दीजिये कि अगर आप साधारण कॉलेज से बीबीए करते हैं, और मार्केट ट्रेंड्स पर नजर बनाए रखते हैं, तो शुरुआत में 12000 से 18000 तक की मासिक वेतन पर आपको शुरुआत मिल सकती है, और जैसे-जैसे आप अनुभव में दक्ष होते जाएंगे, वैसे-वैसे लीडर्स की पोजीशन आपको अपनाती चली जाएगी। हालाँकि बीबीए के बाद आपको एमबीए करने की सलाह भी कई एक्सपर्ट आपको देंगे और यह बेहद नॉर्मल है। बीबीए के बाद एमबीए तकरीबन 2 वर्ष का है और तमाम टॉप कॉलेज आपको आसानी से एक से बढ़कर एक आप्शन देते हैं। हालांकि इसके लिए आपको कैट और मैट जैसे एंट्रेंस एग्जाम पास करने पड़ते हैं, और फिर एमबीए में आप मार्केटिंग, एचआर, फाइनेंस और इंटरनेशनल ट्रेड इत्यादि दूसरे स्पेशलाइजेशन कोर्स कर सकते हैं, और अपने कैरियर को चुन सकते हैं। अगर आप के पास समय कम है और आप जॉब कर रहे हैं, तो एग्जीक्यूटिव एमबीए में भी आपको बेहतरीन ऑप्शन उपलब्ध हो सकते हैं, और फिर बाद में आप हेल्थकेयर, टेक्नोलॉजी, गवर्नमेंट एजेंसी, मैन्युफैक्चरिंग एनजीओ और एफएमसीजी ऑर्गेनाइजेशंस में काम करके अपने कैरियर को सेप दे सकते हैं, तो बेहतरीन पैसे कमा सकते हैं। अगर आप एमबीए नहीं कर पाते हैं, तो मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा कोर्स भी कर सकते हैं। हालांकि कई जगह पर इन दोनों के बीच में कोई फर्क नहीं है, लेकिन एमबीए जहाँ डिग्री कोर्स है, जबकि पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स माना जाता है। परंतु अगर आपने किसी बेहतरीन कॉलेज से डिप्लोमा भी किया हुआ है, तो बीबीए के बाद इसका काफी महत्व होता है। एमबीए और पीजी डिप्लोमा के अलावा आप एमएस कोर्स भी कर सकते हैं और मैनेजमेंट में मास्टर डिग्री ले सकते हैं। 2 वर्ष के इस कोर्स को किसी भी यूजीसी से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी द्वारा किया जा सकता है। सबसे बेहतरीन है कि आप कितनी तत्परता से इन कोर्सेज को सीखते हैं और कितनी स्पीड के साथ अपने कॅरियर में अपनाते हैं। अगर आप सावधानीपूर्वक और फोकस तरीके से इसे करते हैं, तो ना केवल एंटरप्रेन्योरशिप में, बल्कि फाइनेंस एंड अकाउंटिंग मैनेजमेंट, मार्केटिंग, सप्लाई चैन मैनेजमेंट, एचआर मैनेजमेंट, टूरिज्म मैनेजमेंट इत्यादि क्षेत्रों में भी अपने झंडे गाड़ सकते हैं। प्राइवेट सेक्टर में तो एडवरटाइजिंग, बैंकिंग, कंसलटेंसी, एविएशन, फाइनेंस, एंटरटेनमेंट, आईटी, इंश्योरेंस, ऑनलाइन मार्केटिंग, मैन्युफैक्चरिंग इत्यादि इंडस्ट्रीज आपको हाथों हाथ ले सकती हैं।

इन तरीकों से भी आप जुड़ सकते हैं ब्यूटी इंडस्ट्री से

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

जब भी ब्यूटी इंडस्टी में कॅरियर बनाने की बात होती है तो सबसे पहले मेकअप आर्टिस्ट बनने का ही ख्याल आता है। यकीनन यह कॅरियर ऑप्शन हर किसी के मन को लुभाता है और आजकल तो सिर्फ महिलाएं ही नहीं, पुरूष भी बतौर मेकअप आर्टिस्ट बनकर अच्छा खासा पैसा और नाम कमा रहे हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि आप सिर्फ मेकअप आर्टिस्ट बनकर ही अपना कॅरियर संवारें। अगर आप भी खुद को खूबसूरती की इस दुनिया में स्थापित करना चाहते हैं तो इसके लिए आप अन्य कई राहों को चुन सकते हैं। तो चलिए आज हम आपको इनमें से कुछ के बारे में बताते हैं-

मेकअप आर्टिस्ट

इसके बारे में तो हर कोई जानता है। एक मेकअप आर्टिस्ट पार्टी वियर मेकअप से लेकर ब्राइडल, फोटोशूट, मीडिया मेकअप आदि करता है। इनका मुख्य काम कॉस्मेटिक्स का सही तरह से एप्लीकेशन करना होता है और इन्हें कलर्स व शेड्स की काफी अच्छी जानकारी होती है। बतौर प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट आप सैलून, फिल्म, थिएटर, मॉडलिंग एजेंसी या फैशन डिजाइनर्स आदि के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

ब्यूटी ब्लॉगर

अगर आप अपने टैलेंट व स्किल को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं तो इसमें इंटरनेट की मदद लें। आप बतौर ब्यूटी ब्लॉगर खुद को स्थापित कर सकते हैं। आप लेखन या वीडियोज के जरिए अपने स्किल्स को लोगों के साथ बांट सकते हैं। अगर आप सच में मेकअप व ब्यूटी केयर की गहरी समझ रखते हैं तो यकीनन लोग आपको काफी पसंद करेंगे। आप अपने ब्लॉग में किसी मेकअप प्रॉडक्ट का रिव्यू करने से लेकर ब्यूटी व मेकअप करने की तकनीक, मेकअप ट्यूटोरियल, ब्यूटी टिप्स व टेंड के बारे में बता सकते हैं। बस आप अपना ब्लॉग या चैनल शुरू करें और अपना ज्ञान दूसरों के साथ बांटें। बतौर ब्यूटी ब्लॉगर आप खुद को काफी फेमस भी कर सकते हैं।

हेयर स्टाइलिस्ट

कभी भी मेकअप तभी अच्छा लगता है, जब हेयरस्टाइलिंग भी अच्छी हो। जहां कुछ समय पहले तक मेकअप आर्टिस्ट ही हेयर स्टाइलिंग करते थे, वहीं अब अलग से प्रोफेशनल हेयर स्टाइलिस्ट की डिमांड होने लगी है। हेयर स्टाइलिस्ट बालों को कटिंग, ट्रिमिंग, स्टाइलिंग और अन्य तरीकों से आपको एकदम परफेक्ट लुक देते हैं। बतौर हेयरस्टाइलिस्ट आप एक्टर्स, थिएटर प्रॉडक्शन, टेलीविजन सेट्स या मेकअप आर्टिस्ट के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

नेल टेक्नीशियन

पिछले कुछ समय से नेल आर्ट का क्रेज काफी बढ़ गया है। आजकल नाखूनों को एक कैनवास के रूप में देखा जा रहा है, जिस पर आप अपनी क्रिएटिविटी को आसानी से उकेर सकते हैं। प्रोफेशनल नेल टेक्नीशियन की मार्केट में अलग से डिमांड है। यह नाखूनों पर बेहद खूबसूरत नेल डिजाइन्स बनाते हैं। बतौर नेल टेक्नीशियन आप खुद का नेल सैलून खोल सकते हैं या फिर अन्य सैलून, स्पा या रिसॉर्ट आदि में काम कर सकते हैं।

इन प्रश्नों की मदद से आप किसी की भी पर्सनैलिटी के बारे में जान सकते हैं

अक्सर हम किसी भी व्यक्ति की पर्सनैलिटी के विषय में जब जानना चाहते हैं तो हम उससे कुछ सवाल पूछते हैं। उन सवालों के आधार पर हम ये जानने और समझने का प्रयास करते हैं कि व्यक्ति की पर्सनैलिटी कैसी है। आइए जानते हैं उन सैम्पल प्रश्नों के विषय में जिन्हें आधार बनाकर किसी की पर्सनैलिटी के विषय में पता लगाया जा सकता है।

आपका रोल मॉडल कौन है?

यह प्रश्न आपको किसी व्यक्ति की प्राथमिकताओं, आकांक्षाओं और उद्देश्यों के बारे में बहुत कुछ बताएगा। आप लोगों की लिस्ट पेश करके पूछ सकते हैं कि आप किस व्यक्ति की सबसे अधिक सराहना करते हैं और आपका रोल मॉडल कौन है। प्रत्येक विकल्प किसी व्यक्ति के लिए एक निश्चित प्रवृत्ति या प्राथमिकता की ओर निर्देशित कर सकता है। इस प्रश्न के जरिए किसी की पर्नैलिटी का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

आपको सबसे बेहतर कौन जानता है?

व्यक्ति के खुलेपन और घनिष्ठ संबंध बनाने की इच्छा के बारे में बहुत कुछ जानना चाहते हैं तो यह प्रश्न उस व्यक्ति के बारे में यह बताएगा। यदि उनकी अपनी मां उन्हें सबसे अच्छी तरह से जानती है, तो आप एक अंतर्मुखी के साथ बात कर रहे हैं। यदि कोई कहता है कि उन्हें अपनी बहन और एक दोस्त सबसे अच्छी तरह से जानते हैं, तो आप शायद किसी ऐसे व्यक्ति से बात कर रहे हैं जो मतभेदों और असहमति के बावजूद लोगों को जानने और उनके साथ बंधने के लिए हमेशा तैयार रहता है।

आपने अपनी सबसे बड़ी असफलता से क्या सीखा?

यह प्रश्न बताता है कि क्या कोई व्यक्ति क्रिएटिव तरीके से अपनी असफलता से निपटता है। इन प्रश्न के उत्तर के बाद आप जान सकते हैं कि व्यक्ति पॉजिटिव पर्सनैलिटी का है या नेगेटिव पर्सनैलिटी का।

अगर आपके घर में कोई चीज टूट जाती है, तो आप सबसे पहले क्या करते हैं?

यह आपको दिखाएगा कि एक व्यक्ति समस्याओं से कैसे निपटता है और काम में बाधा आने पर उनके कार्य करने की संभावना कैसे होती है। पर्सनैलिटी जांचने के लिए यह सबसे बेहतर तरीका हो सकता है।

वह कौन सा तरीका है जो आपको शांत करने में मदद करता है?

किसी के व्यवहार के बारे में जानना है तो ये जरूर जानिए कि व्यक्ति विषम परिस्थितियों में खुद को शांत कैसे रखता है। जो व्यक्ति विषम परिस्थियों में खुद को शांत रख सकता है वह जीवन में कुछ भी कर सकता है।

एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है।

एमबीए की पढ़ाई की है तो ऐसे मिल सकता है मोटा वेतन

एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। कॅरियर की चाहे जितनी भी संभावनाएं सामने आ जाएँ, ट्रेडिशनल कोर्सेज का अपना स्वैग है। आप इतना जान लीजिए कि एमबीए स्टूडेंट की डिमांड आज भी काफी ज्यादा है, और तमाम कंपनियां प्रबंधन में अलग-अलग बैकग्राउंड के एमबीए लड़कों को लेना प्रीफर करती हैं, क्योंकि कार्य करने वाले तमाम लोग तो किसी भी जगह पर उपस्थित होते हैं, पर बेहतरीन ढंग से प्रबंधन करना और कार्य कराना हर कंपनी की प्राथमिकता में सबसे ऊपर होता है। इसीलिए एमबीए करने वाले लड़कों को अच्छी खासी सैलरी भी मिलती है। हालांकि अगर आप अपने कॅरियर से लापरवाही बरतते हैं, इंटरव्यू को लेकर लापरवाही बरतते हैं, तो आप सैलरी के मामले में पिछड़ सकते हैं। आइए जानते हैं कि एमबीए करते समय और उसके पहले क्या सावधानियां आपको अच्छा खासा वेतन दिला सकती हैं।

विषय का रखें ध्यान

जी हां! 12वीं के तत्काल बाद आपको विषयों के चुनाव में सावधानी बरतना चाहिए। अगर आप बाद में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन में ही उन विषयों को चुनकर रखना चाहिए, जो बाद में एमबीए करने में आपकी मदद करें। साथ ही इंग्लिश पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि मल्टीनेशनल कंपनियां इंग्लिश को अच्छा खासा प्रेफरेंस देती हैं, तो शुरु से ही अगर आप इसकी तैयारी करते हैं, तो बाद के दिनों में आप इसमें महारत हासिल कर सकते हैं।

बिजनेस वर्ल्ड पर नजर रखें

शेयर मार्केट की उठापटक, मार्केट ट्रेस करना, कंपनी को रिस्ट्रक्चर किस तरह से किया जाता है, कंपनी के संभालने-रजिस्ट्रेशन इत्यादि से संबंधित कानून इत्यादि बिजनेस वर्ल्ड की तमाम बातों को आप अनदेखा ना करें, बल्कि उन पर केस स्टडी करें। ऑनलाइन तमाम मैटेरियल अवेलेबल हैं, किंतु आप अपने दूसरे फ्रेंड्स, कलीग्स इत्यादि से भी इन विषयों पर गहराई से बात कर सकते हैं। यह आपके नॉलेज को बढ़ाने में अच्छा खासा सहायक सिद्ध होगा, क्योंकि आखिरकार आपको बिजनेस वर्ल्ड में ही जाना और उसके अनुरूप कार्य करना है।

ध्यान रखिए एमबीए का मतलब प्रबंधन से जुड़ा हुआ है, तो प्रबंधन आप तभी करेंगे जब लोगों के बीच में रहेंगे। लोगों के बीच में रहने का मतलब नेटवर्किंग से भी जुड़ा होता है और ऐसी स्थिति में पार्टी- गैदरिंग इत्यादि में आपकी मौजूदगी जरूरी है। जाहिर तौर पर आप इस तरह की टीम स्पिरिट विकसित करके नेटवर्किंग बढ़ा सकते हैं, और इस मामले में अपनी स्किल को धार दे सकते हैं।

ग्रुप स्टडी

यह आपकी काफी मदद कर सकती है, क्योंकि एक विषय को जब आप पढ़ते हैं, तो आपका अपना एक नजरिया होता है, एक दिशा होती है, वहीं जब आप ग्रुप स्टडी करते हैं, तो कई सारे पक्ष आपके सामने आते हैं। इसके अलावा ग्रुप स्टडी का एक फायदा यह भी नजर आता है कि कई बार जो चीज आप नहीं पढ़े होते हैं, वह भी ग्रुप स्टडी में सुन-सुनकर आपका सबकॉन्शियस माइंड उन चीजों को ऐड कर लेता है।

लक्ष्य क्लियर रखें

ध्यान रखिए! प्रबंधन के विषयों में उद्देश्य समझना जरूरी है। आप क्या कर रहे हैं, क्यों कर रहे हैं, आप खुद से क्या चाहते हैं? अगर यह सारी चीजें आपके दिमाग में पहले से क्लियर हैं, तो उन उद्देश्यों को पाने से आपको कोई नहीं रोक सकता, किंतु अगर आप खुद ही क्लियर नहीं हैं, तो आप मुश्किल में पड़ने वाले हैं, और आप को नहीं समझ में आएगा कि आप जिंदगी से वास्तव में चाहते क्या हैं? सोचिये-समझिये कि आप अपने कॅरियर से चाहते क्या हैं और अपना लक्ष्य क्लियर रखें, और उसी के अनुरूप तैयारी करें। इसी के माध्यम से अगर आप इन विषयों में महारत हासिल कर लेते हैं, तो दुनिया की कोई ताकत आपको मोटा वेतन से और एक सफल कैरियर बनाने से नहीं रोक सकती। जहाँ तक एमबीए में प्रवेश के लिए योग्यता की बात है तो आपको ग्रेजुएशन में डिग्री के साथ-साथ कम से कम 50% मार्क्स होने आवश्यक हैं और अलग-अलग पैटर्न के एग्जाम देकर आप इस में प्रवेश ले सकते हैं।

मुख्य रूप से एमबीए इन फाइनेंस, एमबीए इन मार्केटिंग, एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, एमबीए इन इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए इन ऑपरेशन मैनेजमेंट, एमबीए इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के कोर्स मौजूद हैं। इसके लिए ऊपर बताये गए पॉइंट्स को अवश्य ही ध्यान में रखें और तभी आपका कांसेप्ट क्लियर रहेगा और आप एक सफल कॅरियर और मोटी तनख्वाह की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।

बड़े पर्दे पर दिखेगी आयुष्मान खुराना

शरवरी वाघ

की फ्रेश जोड़ी, सूरज बड़जात्या की फिल्म में होंगे साथ

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना इस वक्त अपनी आने वाली फिल्म थामा को लेकर सुर्खियों में हैं. ये फिल्म इसी साल दिवाली पर रिलीज होने वाली है. आयुष्मान इस फिल्म के साथ मैडॉक के हॉरर-कॉमेडी युनिवर्स का हिस्सा बनने जा रहे हैं. इस फिल्म में उनके साथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना भी होंगी. अब आयुष्मान के एक नए प्रोजेक्ट के बारे में भी एक बड़ा अपडेट सामने आ रहा है.कुछ वक्त पहले ये खबर आई थी कि आयुष्मान खुराना राजश्री प्रोडक्शन के मालिक सूरज बड़जात्या की आने वाली फिल्म में दिखाई दे सकते हैं. ये भी अपडेट थी कि वो अब बॉलीवुड के नए प्रेम हो सकते हैं. इससे पहले ये तमगा सलमान खान के पास था. अब इस फिल्म को लेकर एक नई खबर सामने आई है.

फीमेल लीड होंगी शरवरी

पिंकविला की खबरों के मुताबिक, सूरज और आयुष्मान की इस फिल्म में फीमेल लीड का रोल एक्ट्रेस शरवरी वाघ प्ले कर सकती हैं. ये फिल्म न्यूक्लियर फैमिलीज के बढ़ते चलन पर हो सकती है, और फिल्म में शरवरी और आयुष्मान की फ्रेश पेयरिंग देखने को मिल सकती है. पिंकविला की इसी रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि इस फिल्म की शूटिंग आयुष्मान नवंबर 2025 से शुरू कर सकते हैं, यानी थामा की रिलीज के बाद आयुष्मान इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकते हैं.

कब तक रिलीज होगी फिल्म

खबरों के मुताबिक, शरवरी, आयुष्मान और टीम को दिसंबर में ज्वॉइन कर सकती हैं. साथ ही इस फिल्म को शूट करने में 6 महीनों का वक्त लगेगा और फिल्म की रिलीज साल 2026 के सेकेंड हाफ यानी जुलाई के बाद हो सकती है. फिल्म की कास्टिंग का काम चल रहा है और कहानी को लॉक कर लिया गया है. ये एक रोमांटिक-कॉमेडी जॉनर की फिल्म हो सकती है. बात करें, एक्टर आयुष्मान खुराना और शरवरी के आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में तो आयुष्मान मैडॉक के साथ थामा, और करण जौहर के साथ एक अनटाइटिल्ड प्रोजेक्ट को लेकर खबरों में हैं. वहीं शरवरी, YRF स्पाई युनिवर्स की अगली फिल्म एल्फा में नजर आएंगीं. इसके अलावा भी उनके पास कई प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं.

72 साल पहले आई सुनील दत्त की वो फिल्म, जिसने सलमान खान की इस पिक्चर से ज्यादा पैसे छापे थे

60 के दशक में एक ऐसा एक्टर आया था, जिसने कई बेहतरीन फिल्में दीं. उनका नाम सुनील दत्त था. संजय दत्त के पिता और एक्ट्रेस नरगिस के पति सुनील दत्त एक जबरदस्त एक्टर थे. उनकी एक फिल्म आई थी 'मदर इंडिया', जिसने उस दौर में करोड़ों की कमाई की थी. इस फिल्म ने उस दौर में इतना कमा लिया था, जितना आज के दौर की कई बिग बजट और स्टारकास्ट वाली फिल्में नहीं कमा पातीं. आज सुनील दत्त के जन्मदिन पर आईए जानते हैं उनकी फिल्म मदर इंडिया की कमाई के बारे में.6 जून 1929 को ब्रिटिश इंडिया के खुर्द (अब पाकिस्तान) में जन्में सुनील दत्त ने बतौर आरजे काम शुरू किया था. किस्मत से उन्हें बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला और उनकी पहली फिल्म 'रेलवे प्लेटफॉर्म' (1955) रिलीज हुई. इसके बाद उन्होंने कई बेहतरीन फिल्में कीं जिनमें से एक 'मदर इंडिया' थी. अगर उस दौर की मदर इंडिया को कमाई के मामले में सलमान खान की फिल्म राधे से कम्पेयर किया जाए, तो भाईजान काफी पीछे रह जाएंगे.

'मदर इंडिया' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

1957 में रिलीज हुई फिल्म 'मदर इंडिया' का निर्देशन और निर्माण महबूब खान ने किया था. इस फिल्म में सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार ने उस दौर की सुपरस्टार एक्ट्रेस नरगिस के बेटे का रोल प्ले किया था. इस फिल्म की कहानी जबरदस्त थी और बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म 'मदर इंडिया' का बजट 1 करोड़ था जबकि इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन 9 करोड़ था, वहीं भारत में फिल्म ने 8.20 करोड़ का कारोबार किया था.

'राधे' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

2021 में आई सलमान खान की फिल्म 'राधे' का निर्देशन प्रभु देवा ने किया था, जबकि फिल्म का प्रोडक्शन सलमान खान और उनके जीजा अतुल अग्निहोत्री ने किया था. ये फिल्म कोरोना के दौर में लिमिटेड सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसकी वजह से इसके कलेक्शन पर असर पड़ा था. Sacnilk के मुताबिक, फिल्म का बजट 90 करोड़ था लेकिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने 18.60 करोड़ का कलेक्शन किया था, जबकि भारत में फिल्म ने महज 10 लाख का कलेक्शन किया था.

सर्जरी के बाद दीपिका के पति शोएब ने शेयर किया एक्ट्रेस का हेल्थ अपडेट, कहा- पहले दिन के मुकाबले...

टेलीविजन की कई एक्ट्रेसेस ऐसी हैं, जिन्हें घर-घर में पहचान मिली है, इन्हीं में से एक नाम दीपिका कक्कड़ का है. दीपिका सीरियल ससुराल सिमर का में लीड रोल निभाने के लिए जानी जाती हैं. हालांकि, वो काफी वक्त से किसी सीरियल में नजर नहीं आयी हैं, लेकिन उसके बावजूद उनके फैंस दिन-ब-दिन बढ़ते नजर आ रहे हैं. हाल ही में एक्ट्रेस तब ज्यादा चर्चा में आई, जब उनके लिवर में टेनिस-बॉल के साइज का ट्यूमर मिला, जो कि सेकेंड स्टेज के कैंसर है.

दीपिका कक्कड़ के फैंस सोशल मीडिया पर उनसे जुड़े हुए हैं. एक्ट्रेस और उनके पति शोएब इब्राहिम यूट्यूब और इंस्टाग्राम के जरिए अपने फैंस से जुड़े हुए हैं और अपनी जिंदगी से रोजमर्रा की चीजें शेयर करते हैं. इसी दौरान जब दोनों ने एक्ट्रेस के ट्यूमर के बारे में खुलासा किया, तो वो इमोशनल थे साथ ही एक्ट्रेस के फैंस भी काफी हैरान हो गए थे. हालांकि, अब एक्ट्रेस के ट्यूमर की सर्जरी हो चुकी है. शोएब ने हाल ही में एक्ट्रेस की लेटेस्ट हेल्थ अपडेट दी है.

ICU से आ गईं बाहर

हाल ही में शोएब ने अपने यूट्यूब पर एक नया व्लॉग शेयर किया है, जिसमें उन्होंने एक्ट्रेस की अभी की हालत के बारे में सभी को बताया है. उन्होंने बताया है कि दीपिका फिलहाल रिकवरी कर रही हैं और उन्हें ढ्ढष्ट से नॉर्मल रूम में शिफ्ट कर दिया गया है. साथ ही एक्टर ने ये भी बताया है कि जल्दी अगर रिकवरी हो जाती है, तो दीपिका घर भी जा पाएंगी. दीपिका की सर्जरी के बारे में एक्टर ने शेयर करते हुए कहा कि उनकी सर्जरी 14 घंटे की थी. शोएब ने बताया कि जब ज्यादा वक्त लगने लगा तो मैं पैनिक करने लगा था.

पैनिक करने लगे थे शोएब

शोएब ने कहा, जब दीपिका IC में गई तो काफी वक्त के बाद अंदर से को खबर नहीं आ रही थी. मैं और मेरा परिवार पैनिक कर लगे, क्योंकि किसी ने अभी तक इतनी लंबी सर्जरी नहीं देखी थी. हालांकि, उन्होंने अभी के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले दिन के मुकाबले दीपिका बहुत ज्यादा बेहतर हैं. साथ ही उन्होंने ये भी बताया है कि दीपिका का चलना-फिरना शुरू हो गया है और अब वो नॉर्मल डाइट पर हैं. एक्ट्रेस की सर्जरी 3 दिन पहले हुई है.

शादी के बाद से सीधा रियलिटी शो में दिखेंगे

हिना खान

रॉकी जायसवाल, बाकी कपल के बीच साबित करेंगे अपना प्यार

हिना खान काफी वक्त से कैंसर की बीमारी से जूझ रही थीं. इस दौरान उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ अपने रिश्ते को सोशल मीडिया पर पूरी तरह से सामने ला दिया था. हालांकि, रॉकी ने इस मुश्किल वक्त में हिना का काफी ख्याल भी रखा था. हालांकि, दोनों के फैंस को तब झटका लगा, जब दोनों ने शादी की फोटोज अपने सोशल मीडिया पर शेयर की. 4 जून को एक्ट्रेस ने रॉकी के साथ प्राइवेट तरीके से शादी रचा ली. अब उनके फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आ गई है.

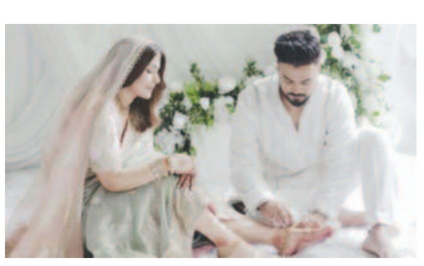

हिना ने शादी की अनाउंसमेंट सोशल मीडिया पर ही की है. उन्होंने काफी सिंपल लुक में तैयार होकर शादी रचाई है. अब शादी की खबर आने के साथ ही साथ ये न्यूली वेड कपल अपने असल जिंदगी के कनेक्शन को रियलिटी शो में भी दिखाने के लिए तैयार हैं. इस शो में और भी कई सारे कपल नजर आने वाले हैं. शो की बारे में बा करें, तो ये कपल सेलिब्रिटी रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आएगा, जहां उनकी रियल लाइफ केमेस्ट्री देखने का मौका मिलेगा.

प्रोमो किया गया है रिलीज

हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन इस शो को होस्ट करने के लिए बेहद खूबसूरत बॉलीवुड एक्ट्रेस का नाम सामने आया है, जो कि सोनाली बेंद्रें हैं. शो के मेकर्स की माने, तो ये शो पति-पत्नी के रिश्ते में टीम वर्क, नोकझोंक को दिखाएगा. ये शो कलर्स चैनल पर टेलीकास्ट किया जाएगा. कुछ वक्त पहले कलर्स के ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शो का प्रोमो भी रिलीज किया गया था.

कौन-कौन होंगे शामिल ?

शो में बाकी कपल की बात करें, तो भारती सिंह- हर्ष लिंबाचिया, गुरमीत चौधरी-देबिना बनर्जी, जैस्मिन भसीन-अली गोनी, तेजस्वी प्रकाश-करण कुंद्रा, अंकिता लोखंडे-विक्की जैन, सुदेश लहरी-उनकी पत्नी और अविका गोर मिलिंद चंदवानी जैसे लोगों को अप्रोच किया गया है. हालांकि, कपल्स के नाम के साथ शो सुनने में जितना मजेदार लग रहा है, उसके लिए लोग काफी ज्यादा एक्साइटेड नजर आ रहे हैं.